जबलपुर मंगलवार 21 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ शुक्ल पक्ष सप्तमी
वर्ष 32 अंक 26 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर
रोज दर्पण
⏩ 3

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 30.5°C
न्यूनतम तापमान 24.6°C
सूर्योदय - 5.37 | सूर्यास्त - 6.57

सीएम हेल्पलाईन में सी व डी ग्रेड में रहने वाले... ⏩ 4

आवाज की कशिश से गीता दत्त ने श्रोताओं को... ⏩ 7

महापौर, ने जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विकास... ⏩ 9

संसद में भारी हंगामा : मल्लिकार्जुन खड़गे बोले

सिंहासन खाली करो...जनता आएगी

नई दिल्ली।

संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन राज्यसभा में जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। पेपर लीक मामले और राम मंदिर चंदा चोरी के आरोपों को लेकर विपक्षी सदस्यों ने सदन में भारी नारेबाजी की है। इस हंगामे के कारण उच्च सदन की कार्यवाही मंगलवार को पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। संसद के पहले ही दिन सुबह की कार्यवाही के दौरान ऊपरी सदन को छह बार स्थगित करना पड़ा। सदन की शुरुआत नए चुने गए सदस्यों के शपथ ग्रहण और श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इसके तुरंत बाद जैसे ही पेपर पेश किए गए, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे पेपर लीक का मुद्दा उठाने के लिए खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि यह विषय देश के लाखों छात्रों के भविष्य से सीधा जुड़ा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज को दबाने के लिए उन पर लाठीचार्ज कर रही है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, यदि आपको परीक्षा संचालन नहीं आता, तो सिंहासन खाली करो, जनता आएगी। ये लोग सत्ता में रहने के लायक ही नहीं हैं। उन्होंने जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि वहां हजारों छात्र जुटे हैं, जिन पर लाठीचार्ज किया गया है। सरकार बल का इस्तेमाल करके छात्रों को भगाने और इस पूरे घोटाले को दबाने की कोशिश में जुटी है।

उन्होंने अयोध्या राम मंदिर का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि भगवान के नाम पर चंदा चोरी हुई है। रामभक्त के नाम पर जनता से पैसे चुराए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस पूरे मामले की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, क्योंकि उन्होंने ही इस ट्रस्ट का निर्माण कराया है।

बार-बार पेपर लीक क्यों: प्रियंका

दूसरी तरफ कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी इस मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को बच्चों पर लाठियां बरसाने की जगह अपनी नीतियों और अक्षमताओं की गहन समीक्षा करनी चाहिए। पहले नीट का पेपर लीक हुआ, फिर परीक्षा रद्द की गई और अब री-नीट में भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की खबरें सामने आ रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पहले कहा गया था कि प्रधानमंत्री खुद इस मामले की निगरानी करेंगे, तो इसके बावजूद यह सब क्यों? प्रियंका गांधी ने पूछा कि बार-बार इतने पेपर लीक आखिर कैसे हो रहे हैं। उन्होंने मांग की कि संसद में इस विषय पर विस्तृत चर्चा हो और प्रधानमंत्री खुद देश के करोड़ों युवाओं के सामने आकर जवाब दें।

6 बार स्थगित की गई कार्यवाही

सदन में जब विपक्ष के सदस्यों ने शर्म करो, शर्म करो के नारे लगाना शुरू किया, तो चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन ने कार्यवाही को पहले दोपहर 12 बजे तक के लिए टाल दिया। कार्यवाही को दूसरी बार दोपहर 12.30 बजे तक, तीसरी बार 12.50 बजे तक और फिर चौथी बार दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। दोपहर के सत्र में विपक्षी सदस्य प्रदर्शनकारी छात्रों के पक्ष में और चंदा चोरी के खिलाफ लगातार नारेबाजी करते रहे। तब सदन को 2.30 बजे तक स्थगित कर दिया गया। इसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही को मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई।

'यूसीसी विधेयक' विधानसभा में पेश, कांग्रेस ने किया हंगामा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र का पहला दिन सोमवार को यूसीसी (यूनिफॉर्म सिविल कोड) विधेयक-2026 के नाम रहा। सरकार ने सदन में विधेयक पेश किया तो कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इसे अनुपूरक कार्यसूची में चोरी-छिपे जोड़ा गया है। वहीं, भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि विरोध से यूसीसी रुकने वाला नहीं है। इसके अलावा सदन में खाद-बीज की उपलब्धता, किसानों की परेशानी और उज्जैन जमीन खरीदी का मुद्दा भी गूंजा। वहीं विधानसभा के बाहर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दिनभर हंगामे और तीखी बहस के बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। सरकार ने समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 सदन में पेश किया, जिस पर मंगलवार को चर्चा होगी। कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने आरोप लगाया कि विधेयक को पहले सदन के पटल पर रखा गया और बाद में अनुपूरक कार्यसूची में शामिल किया गया। उन्होंने इसे चोरी-छिपे लाया गया विधेयक बताते हुए विरोध दर्ज कराया और संशोधन प्रस्ताव देने की जानकारी दी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कांग्रेस के कई विधायकों ने भी कार्यसूची में एक साथ कई विधेयक लाने पर सवाल उठाए। जवाब में संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के बाद नियमानुसार विधेयक सदन के पटल पर रखे गए हैं और सभी सदस्यों को उन्हें पढ़ने का पूरा समय मिलेगा। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस काले कपड़े पहन ले या विरोध करे, इससे यूसीसी लागू होने से नहीं रुकेगा। उन्होंने कहा कि यह कानून महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करेगा और बहुविवाह जैसी प्रथाओं पर रोक लगाएगा। कांग्रेस विधायक जयवर्धन सिंह ने कहा कि प्रदेश को यूसीसी नहीं, बल्कि यूनिफॉर्म एजुकेशन कोड की जरूरत है, ताकि सभी बच्चों को समान शिक्षा मिल सके।

सिक्किम की सुरंग में फंसे 12 मजदूर

नई दिल्ली। सिक्किम के नामची जिले में सोमवार दोपहर एक निर्माणाधीन सड़क सुरंग के बाहर भूस्खलन होने से उसका प्रवेश द्वार बंद हो गया। इसके बाद सुरंग के अंदर काम कर रहे कम से कम 12 मजदूर फंस गए। पुलिस के मुताबिक, सुरंग के भीतर गैस रिसाव की भी आशंका है, जिससे बचाव अभियान मुश्किल हो गया है। पुलिस ने बताया कि यह घटना समरदुंग सुरंग में हुई। आशंका है कि भूस्खलन के कारण भूमिगत चट्टानों और भूस्तरों में हलचल हुई, जिससे प्राकृतिक गैस बाहर निकलने लगी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि सुरंग के भीतर गैस होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी दिक्कत आ रही है।

रिटायर्ड जजों के लिए एक जैसी सुविधा की पहल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों और न्यायाधीशों को मिलने वाली रिटायरमेंट के बाद की सुविधाओं के लिए एक समान राष्ट्रीय नीति बनाने के लिए कमेटी गठित करे। कोर्ट ने कहा कि अलग-अलग राज्यों में मिलने वाली सुविधाओं में काफी असमानता है। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि दो हफ्ते के भीतर कमेटी बनाई जाए। कमेटी तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपे। बेंच रिटायर्ड सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट जजों के संगठन के अध्यक्ष जस्टिस वी.एस. दवे की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में रिटायर्ड जजों को सुरक्षा और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का मुद्दा उठाया गया है।

एसबीआई की निगरानी में होगी कैश काउंटिंग

लखनऊ। राम मंदिर के डोनेशन में गड़बड़ी का मामला सामने आने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कैश काउंटिंग व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब अयोध्या स्थित राम मंदिर के डोनेशन बॉक्स में आने वाले नकद चढ़ावे की गिनती स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की निगरानी में होगी। इसके लिए दो शिफ्ट में नई टीम तैनात की गई है। मंदिर और बैंक सूत्रों ने इसकी पुष्टि की है। सूत्रों के मुताबिक, नई व्यवस्था लागू करने से पहले करीब एक सप्ताह तक इसका ट्रायल किया गया। ट्रायल सफल रहने के बाद रविवार से नई व्यवस्था लागू कर दी गई। इसके साथ ही श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने आधिकारिक तौर पर डोनेशन बॉक्स में आने वाले कैश की गिनती का काम एसबीआई को सौंप दिया है। कैश काउंटिंग के लिए दो शिफ्ट का सिस्टम बनाया गया है। हर शिफ्ट में 10 से 12 लोगों की टीम काम करेगी। पहली शिफ्ट सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगी, जबकि दूसरी शिफ्ट दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक काम करेगी। इससे कैश काउंटिंग प्रक्रिया लगातार और व्यवस्थित तरीके से संचालित की जा सकेगी। ट्रस्ट ने कैश काउंटिंग व्यवस्था में जिम्मेदारियों का भी पुनर्गठन किया है।

शोभनाथ मिश्रा को नया काउंटिंग इंचार्ज बनाया गया है। इससे पहले यह जिम्मेदारी संभाल रहे सुभाष श्रीवास्तव को डोनेशन चोरी मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद जेल भेजा जा चुका है। निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए ट्रस्ट ने चार सुपरवाइजर भी नियुक्त किए हैं। इनमें एक पूर्व सैन्यकर्मी को काउंटिंग इंचार्ज की जिम्मेदारी दी गई है। ट्रस्ट का मानना है कि इससे पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी।

पूरी व्यवस्था पर रहेगी नजर

ट्रस्ट के सिक्योरिटी इंचार्ज और पूर्व सेना अधिकारी कैप्टन केके तिवारी को कैश काउंटिंग प्रक्रिया की रोजाना मॉनिटरिंग और रिपोर्टिंग का वरिष्ठ प्रभारी बनाया गया है। वहीं, पूर्व रक्षा कर्मी एसपी दुबे और शेषमणि तिवारी को भी ट्रस्ट के प्रतिनिधि के तौर पर नियुक्त किया गया है। दोनों अधिकारी काउंटिंग प्रक्रिया की निगरानी करेंगे और पूरी व्यवस्था पर नजर रखेंगे।

मध्यप्रदेश में 17 लाख बेरोजगार

भोपाल। मध्यप्रदेश में रोजगार पोर्टल पर पंजीकृत बेरोजगारों की संख्या 17 लाख 71 हजार 132 रह गई है। यह आंकड़ा 30 जून 2026 तक का है। सरकार का दावा है कि महज 6 महीने में 8 लाख बेरोजगार कम हो गए, जबकि इसी सरकार ने 2025 में 25 लाख 95 हजार बेरोजगार होने की जानकारी दी थी। अचानक 6 महीने में 8 लाख बेरोजगार कम बताने पर सवाल उठ रहे हैं। रीवा, सागर, जबलपुर, सतना और छिंदवाड़ा सबसे ज्यादा पंजीकृत बेरोजगार वाले जिले हैं। इनमें रीवा सबसे टॉप पर है, जबकि पांढुर्णा में सबसे कम पंजीकृत बेरोजगार हैं। सबसे ज्यादा पंजीकृत बेरोजगार वाले जिलों में डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल का रीवा, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत और राकेश सिंह का सागर भी शामिल है। वहीं, रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल के जिले राजगढ़ में भी 50 हजार से ज्यादा पंजीकृत बेरोजगार हैं। वर्गवार आंकड़ों के अनुसार, 31 दिसंबर 2025 तक ओबीसी वर्ग के 10 लाख से ज्यादा, सामान्य वर्ग के 6.51 लाख, एससी के 4.70 लाख और एसटी के 4.18 लाख युवा रोजगार पोर्टल पर पंजीकृत थे। हालांकि सरकार ने यह नहीं बताया कि 6 महीने में किस वर्ग के कितने पंजीकृत बेरोजगार कम हुए।

सीजेपी प्रोटेस्ट : कई जवान घायल, गाड़ियों में तोड़फोड़

नई दिल्ली।

संसद के मॉनसून सत्र के पहले दिन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में खूब गहमा-गहमी देखने को मिली। नीट पेपर लीक मामले मुद्दे पर कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को संसद चलो मार्च का आयोजन किया। इस दौरान सुबह प्रदर्शनकारी संसद भवन के करीब पहुंच गए। दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और हल्का बल प्रयोग किया। सुरक्षा बलों ने दोपहर तक संसद भवन के पास से प्रदर्शनकारियों को हटा दिया और कनॉट प्लेस को भी खाली कराया। इसके अलावा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा और सीजेपी डेलिगेशन के बीच मुलाकात हुई। सीजेपी ने अपनी मांगों की सूची केंद्रीय मंत्री को सौंप दीं। इस बीच सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दिपके ने ढाई दिन बाद सोमवार को संसद मार्च के बीच अपना अनशन खत्म कर दिया। उन्हें सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंगमो ने पानी पिलाकर अनशन खत्म कराया। वहीं अभिनेत्री शबाना आजमी, अभिनेता प्रकाश राज, राजद सांसद मनोज झा और योगेंद्र यादव ने जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन के छात्रों को पानी पिलाकर उनका अनशन खत्म कराया।

50 से अधिक जवान घायल

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान हुई झड़पों के बाद दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से मिली शिकायतों के आधार पर अलग-अलग एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, अब तक 70 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है। प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और झड़पों में दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के 50 से अधिक जवान घायल हुए हैं। कई गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई है। सूत्रों ने बताया कि घटनाक्रम से जुड़े सभी सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल फोन से बनाए गए वीडियो की जांच की जा रही है।

एसआईटी का दोबारा गठन करें

नई दिल्ली। अयोध्या के श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने जांच कर रही विशेष जांच टीम के पुनर्गठन पर विचार करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि मामले को राजनीतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए, जांच का मकसद सिर्फ सच्चाई तक पहुंचना और उसे सही दिशा में आगे बढ़ाना है। मामले की अगली सुनवाई अगले हफ्ते होगी। सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी। मोहना की पीठ ने जांच की मौजूदा स्थिति की जानकारी ली। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अब तक 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जांच जारी होने के कारण इससे जुड़ी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की जा सकती। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि जांच के लिए बनाई गई एसआईटी में किन अधिकारियों को शामिल किया गया है। इस पर बताया गया कि टीम में दो आईएएस और एक आईजी स्तर के अधिकारी शामिल हैं। इनमें लखनऊ के कमिश्नर, वित्त सचिव और लखनऊ रेंज के आईजी शामिल हैं। इसके बाद पीठ ने कहा कि ऐसे मामलों की जांच में अनुभवी किसी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की अगुआई में एसआईटी का पुनर्गठन किया जाए। कोर्ट का कहना था कि जांच को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ अधिकारी को इसकी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

समुद्र में मौत का हमला!

यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट से निकलते ही जहाज पर अटैक, 4 भारतीयों की गई जान

नई दिल्ली।

यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहे मालवाहक जहाज पर हुए हमले में चार भारतीय नाविकों की मौत हो गई, जबकि एक भारतीय गंभीर रूप से घायल है। विदेश मंत्रालय ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि जहाज पर कुल 17 चालक दल के सदस्य थे, जिनमें पांच भारतीय शामिल थे. भारत ने नागरिक जहाजों पर हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे समुद्री व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता पर हमला बताया। वहीं यूक्रेन ने इस हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सख्त कार्रवाई की मांग की। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के पास एक मालवाहक जहाज पर भीषण हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 19 जुलाई 2026 की शाम ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहे मालवाहक जहाज पर हमला हुआ। उस समय जहाज पर कुल 17 चालक दल के सदस्य मौजूद थे, जिनमें पांच भारतीय नागरिक भी शामिल थे।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस हमले में चार भारतीय नाविकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यूक्रेन में भारतीय दूतावास पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए हुए है और प्रभावित भारतीयों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने में जुटा है।

आयुष्मान भारत योजना में मप्र को राष्ट्रीय सम्मान

बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को बेस्ट परफार्मिंग लार्ज स्टेट- हाइयेस्ट प्री-ऑथोराइजेशंस विथ बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन श्रेणी में राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान योजना के अंतर्गत बायोमेट्रिक आधारित प्री-ऑथराइजेशन प्रक्रिया के प्रभावी, पारदर्शी एवं सफल क्रियान्वयन के लिए प्रदान किया गया है। मध्यप्रदेश ने इस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश के बड़े राज्यों में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय सम्मान मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता, तकनीक आधारित सुशासन और जनहितकारी कार्यों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश की पूरी टीम, जिला अधिकारियों, चिकित्सालयों और योजना से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में आयोजित राष्ट्रीय समीक्षा बैठक (चिंतन शिविर) में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव द्वारा आयुष्मान भारत निरामयम् मध्यप्रदेश के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अरविंद शाह को पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल, संयुक्त सचिव किरण गोपाल वास्का सहित राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण एवं यूआईडीएआई (आधार) के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मतपत्र लीक और अव्यवस्थाओं के आरोपों के बीच रद्द हुआ अधिवक्ता संघ का चुनाव

प्रत्याशियों ने की दोषी निर्वाचन अधिकारी पर कार्यवाही और क्षतिपूर्ति की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

जिला अधिवक्ता संघ का वार्षिक चुनाव सोमवार को भारी हंगामे के बीच रद्द कर दिया गया। मतदान शुरू होने के कुछ ही देर बाद ही मतपत्र लीक भारी अव्यवस्था के आरोप लगने पर मुख्य चुनाव अधिकारी ने इस्तीफा दे दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक विवाद के दौरान कुछ अधिवक्ताओं ने मतपत्र फाड़ दिए। मतपत्रों की कमी और मतदान व्यवस्था में गड़बड़ी की

शिकायतों के कारण चुनाव स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को बिगड़ता देख मुख्य चुनाव अधिकारी ने मतदान प्रक्रिया को तत्काल रद्द करने का निर्णय लिया।

चुनाव अधिकारी के खिलाफ जमकर हुआ प्रदर्शन

मतदान रद्द होने से नाराज सैकड़ों अधिवक्ताओं और विभिन्न पदों के प्रत्याशियों ने चुनाव अधिकारी के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने चुनाव समिति के खिलाफ नारेबाजी की और मतदान निरस्त करने के निर्णय पर सवाल उठाए। इधर बढ़ते हंगामे और दबाव के बीच, मुख्य चुनाव अधिकारी जीएस ठाकुर ने चुनाव प्रक्रिया से खुद को अलग कर लिया। उन्होंने एक पत्र जारी कर बताया कि चुनाव प्रक्रिया में व्यवधान के कारण निष्पक्ष चुनाव कराना संभव नहीं था, इसलिए मतदान रद्द किया गया है।

पहले बनाई जाए जनरल बॉडी वही तय करे निर्वाचन अधिकारी

जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष पद खड़े हुए नरेंद्र जैन एवं अखिलेश चौबे ने मांग कर कहा है कि आगामी चुनाव से पहले एक जनरल बॉडी बने जो निर्वाचन अधिकारी को तय करें। साथ ही उन्होंने मांग कर कहा है कि जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के मतदान के दौरान जो भी निर्वाचन अधिकारी अव्यवस्थाओं का दोषी है, उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही कर उनसे क्षतिपूर्ति ली जाए।

तापमान में भारी गिरावट, अगले 2 दिन भारी बारिश का अलर्ट

नदी-नालों के बढ़े जलस्तर सतर्कता बरतने की अपील

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संस्कारधानी में मानसून का बेहद खूबसूरत और आक्रामक रूप देखने को मिला, जहां सुबह से ही आसमान में काले बादलों ने डेरा डाल रखा था। दिन की शुरुआत से ही शुरू हुआ तेज बारिश का सिलसिला रुक-रुक कर दिनभर चलता रहा, जिसने पूरे शहर को तरबतर कर दिया। लगातार हो रही इस मूसलाधार बारिश के चलते जहां एक ओर सड़कों पर पानी भर गया, वहीं दूसरी ओर आम जनजीवन पूरी तरह से बरसातमय रंग में रंगा हुआ नजर आया। आसमान में छाए घने काले बादलों और ठंडी हवाओं के चलते शहर के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। भीषण गर्मी और उमस से परेशान नागरिक इस बदले हुए मौसम से बेहद उत्साहित हैं। ठंडी फुहारों ने वातावरण में घुली तपन को पूरी तरह से सोख लिया है, जिससे लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली है। अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस तो वहीं न्यूनतम तापमान 24.6 दर्ज किया गया। मौसम विभाग का मानना है कि आने वाले दिनों में यदि बादलों का यही रुख रहा, तो तापमान में और भी कमी दर्ज की जा सकती है।

अब तक दर्ज हुई 240.6 मिमी वर्षा-सोमवार को हुई इस तेज बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो 24 घंटों के भीतर रिकॉर्ड 15.6 मिलीमीटर (मिमी) वर्षा दर्ज की गई है। दिनभर लगातार हुई झमाझम बारिश ने न केवल शहर के नदी-नालों के जलस्तर को बढ़ा दिया है, बल्कि आसपास के ग्रामीण इलाकों के किसानों के चेहरों पर भी मुस्कान ला दी है। इस बारिश को खेती-किसानी के लिहाज से भी काफी फायदेमंद माना जा रहा है। इस मानसूनी सीजन की बात करें तो जबलपुर में अब तक कुल 240.6 मिमी वर्षा दर्ज की जा चुकी है, जो कि इस अवधि के सामान्य कोटे की ओर तेजी से बढ़ते कदमों को दर्शाती है। मौसम विज्ञानियों ने आगामी 24 से 48 घंटों के लिए भी शहर और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रशासन ने भी जलभराव वाले निचले इलाकों में सतर्कता बरतने के निर्देश जारी कर दिए हैं।

विदेश में गूंजी भारतीय श्रमिकों की आवाज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कामरेड एसएन पाठक ने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के प्रतिष्ठित सम्मेलन में भारतीय श्रमिकों का प्रतिनिधित्व किया। इस वैश्विक मंच से उन्होंने दुनिया भर के श्रम प्रतिनिधियों के सामने श्रमिकों से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए अपना विशेष संबोधन दिया। अपने संबोधन के दौरान पाठक ने वैश्विक स्तर पर श्रमिक अधिकारों की रक्षा, सम्मानजनक कार्य परिस्थितियों की बहाली और मजबूत सामाजिक सुरक्षा के ढांचे पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में श्रमिक संगठनों की भूमिका को और अधिक सशक्त बनाना बेहद जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने वैश्विक स्तर पर श्रमिकों की एकजुटता का आह्वान करते हुए कहा कि उनके अधिकारों की रक्षा करना ही वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उनके इस संबोधन की देश भर के कर्मचारी संगठनों द्वारा सराहना की जा रही है।

पत्रकारिता नारद और हनुमान जैसी करें सुपर्नखा जैसी नहीं : शलभ भदौरिया

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ सिहोरा जिला इकाई का सम्मेलन संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

रुक्मणी पैलेस में आयोजित मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ सिहोरा जिला इकाई का सम्मेलन मुख्य अतिथि प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया एवं जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र दुबे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश संगठन प्रभारी मोहम्मद अली, सिहोरा विधायक संतोष वरकड़े, रश्मि अग्निहोत्री, संध्या दुबे, दिलीप

दुबे, गजेंद्र सिंह परिहार उपस्थित रहे। प्रांताध्यक्ष ने समारोह को संबोधित करते हुए बड़ी बेबाकी से वर्तमान समय में पत्रकारों के कार्य की समीक्षा, समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी, एवं भविष्य में निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर पत्रकारिता करने की समझाइश दी साथ ही आश्वासन दिया कि जब भी जहां भी पत्रकारों को प्रदेश के मुखिया की जरूरत पड़ेगी, वे हमेशा पत्रकारों के साथ खड़े हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि पत्रिकारिता नारद और हनुमान जैसी करे न कि सूर्यपंखा जैसी। कार्यक्रम में सिहोरा जिला इकाई के समस्त पदाधिकारी, सदस्य पत्रकार हिस्सा बने। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार अनिल जैन, विजय तिवारी, प्रवीण कुररिया, सुनील तिवारी, अंकुर गुप्ता, सत्येंद्र तिवारी, प्रशांत बाजपेई, जगदीश ठाकुर उपस्थित रहे।

ब्राह्मण समाज की बैठक में पदाधिकारियों की नियुक्ति

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

गत दिवस ब्राह्मण समाज की बैठक नगर के रामसागर जलाशय के तट पर स्थित राधा कृष्ण कुटी मंदिर में संपन्न हुई जिसमें नगर व आसपास के गांव के विप्र बंधु शामिल हुए सभी पदाधिकारियों व सदस्यों की सर्वसम्मति से शिवदत्त कॉलोनी गोसलपुर निवासी राम निरंजन दुबे सेवानिवृत शिक्षक को गोसलपुर सर्व ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया। वहीं उपाध्यक्ष पं.अवधभूषण दुबे ,पं.श्वेतांक पालीवाल, पं.रमेश दुबे, पं. भुवनेश्वर मिश्रा, संरक्षक पं.अवधेश गर्ग ,पं.गणेश प्रसाद मिश्रा, पं. नंद किशोर शुक्ला ,पं.जितेन्द्र पाण्डेय पं.राजेन्द्र प्रसाद तिवारी पं.इंद्रकुमार उपाध्याय सचिव पं.रमेशचंद्र शुक्ला ,सहसचिव पं.रवि कुमार तिवारी, पं.अतुल आनंद अवस्थी ,कोषाध्यक्ष पं.शिव कुमार तिवारी, मीडिया प्रभारी पं.विजय कुमार दुबे, प्रवक्ता-पं. संजय कुमार ओझा उपाध्यक्ष पद सहित समस्त कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस मौके पर निवर्तमान अध्यक्ष महेश प्रसाद तिवारी ने नवनियुक्त अध्यक्ष राम निरंजन दुबे को माला पहनाकर तिलक लगाकर बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की ।

डीआरएम ने किया नवीनीकृत कार्यालय का उद्घाटन

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

भारतीय रेलवे द्वारा कार्यस्थलों को आधुनिक और कर्मचारी-अनुकूल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। जबलपुर रेल मंडल कार्यालय स्थित परिचालन विभाग के नवनिर्मित एवं आधुनिक सुविधाओं से लैस कार्यालय व नवीन हॉल का भव्य शुभारंभ किया गया। इस विशेष पुनर्विकसित परिसर का उद्घाटन डीआरएम कमल कुमार तलरेजा द्वारा फीता काटकर किया गया, जिससे रेल संचालन से जुड़े कर्मचारियों को अब एक नया और सकारात्मक माहौल मिलेगा। इस अवसर पर रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें अपर मंडल रेल प्रबंधक दिनेश कुमार कलामे एवं अभय कुमार गुप्ता, डॉ. मधुर वर्मा और प्रिंस विक्रम शामिल थे। इसके साथ ही राहुल जयपुरियार, अनुराग पांडे सहित विभिन्न विभागों के शाखा अधिकारी और परिचालन विभाग के कर्मचारी भी इस नए बदलाव के साक्षी बने।

इस कायाकल्प के तहत कार्यालय और हॉल को पूरी तरह से सुव्यवस्थित और आकर्षक रूप दिया गया है। नई व्यवस्था से न केवल कर्मचारियों को काम करने में सुविधा होगी, बल्कि ट्रेन परिचालन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों के निष्पादन, आपसी समन्वय और विभागीय कार्यकुशलता में भी बड़ा सुधार आएगा।

कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में देवकी पटेल बनी सदस्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जबलपुर की छात्र नेत्री, एनएसयूआई की राष्ट्रीय सचिव देवकी पटेल को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग की महिला विंग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के उपरांत देवकी पटेल ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एआईसीसी ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद, सचिव जितेंद्र बघेल तथा सचिव आदरणीया सुभाषिनी यादव जी द्वारा उन पर व्यक्त किया गया विश्वास उनके लिए अत्यंत गौरव एवं प्रेरणा का विषय है।

मेयर इन काउंसिल की बैठक में लिए गए कई निर्णय

जबलपुर।

महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' की अध्यक्षता में मेयर इन काउंसिल की बैठक आयोजित की गई। महापौर श्री अन्नू की इस पहल से जहां एक तरफ सालों से पदोन्नति का इंतजार कर रहे नगर निगम कर्मियों के चेहरे खिल उठे हैं, वहीं दूसरी तरफ शहरवासियों को पानी और सीवरेज जैसी बुनियादी सुविधाओं की एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री की पहल पर महापौर ने निगम के 218 अधिकारी-कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ दिया है, जिसमें से 125 कर्मचारियों की पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, शेष बचे कर्मचारियों के प्रमोशन की कागजी कार्यवाही भी बेहद तेज गति से जारी है। मेयर इन काउंसिल की बैठक में पदोन्नति संबंधी सभी प्रस्तावों को

सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई है। इससे कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा और वे दोगुनी ऊर्जा से जनता की सेवा कर सकेंगे। शहर के विकास के लिए मंत्रालय स्तर से एक और बड़ी खुशखबरी मिली है। अर्बन चैलेंज फंड के तहत जबलपुर की जलप्रदाय और सीवरेज परियोजनाओं को सुदृढ़ करने के लिए मंत्रालय से सैद्धांतिक स्वीकृति मिल चुकी है। इस फंड से फीडर नेटवर्क, डिस्ट्रीब्यूशन लाइन और आधुनिक स्काडा सिस्टम जैसी व्यवस्थाओं को अपग्रेड किया जाएगा, जिससे पानी की बर्बादी रुकेगी और हर घर तक सुचारू रूप से पानी पहुंचेगा।

एनएसयूआई ने प्रदर्शन कर किया सरकार का पुतला दहन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के सामने दिल्ली में संसद मार्च के दौरान छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज एवं पुलिस कार्रवाई के विरोध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह एवं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का प्रतीकात्मक पुतला दहन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व एनएसयूआई मप्र के प्रदेश सचिव सक्षम यादव ने किया। इस दौरान सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लेते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और छात्रों पर हुई कार्रवाई की कड़ी निंदा की। प्रदेश सचिव सक्षम यादव ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। अपने अधिकारों और मांगों को लेकर संसद की ओर मार्च कर रहे छात्रों के साथ जिस प्रकार पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया गया, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। छात्रों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि छात्रों पर बल प्रयोग, लाठीचार्ज तथा आंसू गैस का इस्तेमाल लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है और सरकार को इस घटना की जिम्मेदारी तय करते हुए निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करनी चाहिए। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष राहिल पांडे, प्रतीक गौतम, प्रवीण सेन जुम्मन, कृष्ण कुमार विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

चुनाव के समय किए गए वादे धरातल पर नहीं दिख रहे

दलदल में तब्दील हुई सड़क, जनप्रतिनिधियों पर स्थानीय रहवासियों ने कसा तंज

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। नगर पालिका क्षेत्र के खितौला स्थित वार्ड क्रमांक 12 में बारिश के बाद सड़क की बदहाल स्थिति ने स्थानीय निवासियों का जीवन मुश्किल कर दिया है। सड़क पूरी तरह कीचड़ और गहरे गड्ढों में तब्दील हो गई है, जिससे पैदल निकलना तो दूर, दोपहिया वाहन चलाना भी जोखिम भरा हो गया है। हालात ऐसे हैं कि लोगों को अपने घर तक पहुंचने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। वार्ड के स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार पार्षद और नगर पालिका प्रशासन को सड़क निर्माण एवं मरम्मत की मांग से अवगत कराया गया, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। रहवासियों का कहना है कि बारिश के दिनों में यह सड़क पूरी तरह दलदल बन जाती है और घुटनों तक कीचड़ में होकर निकलना मजबूरी बन जाता है।

अवैध कॉलोनी बताकर झाड़ लेते हैं पल्ला

वार्डवासियों के अनुसार, जनप्रतिनिधि इस क्षेत्र को 'अवैध कॉलोनी' बताकर अपनी जिम्मेदारी से बचने का प्रयास करते हैं। जबकि इसी क्षेत्र के अधिकांश निवासी वार्ड क्रमांक 12 के मतदाता हैं और नियमित रूप से नगर पालिका को कर एवं अन्य शुल्क भी अदा करते हैं। इसके बावजूद उन्हें मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा जाना लोगों में नाराजगी का कारण बना हुआ है।

रोजमर्रा की जिंदगी पर असर

सड़क पर फैले कीचड़ और जलभराव के कारण स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस या अन्य वाहन का पहुंचना भी कठिन हो सकता है। दोपहिया वाहन फिसलने का खतरा लगातार बना रहता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ गई है।

तस्वीर बयां कर रही हकीकत

मौके की तस्वीर में साफ दिखाई दे रहा है कि पूरी सड़क कीचड़ और पानी से लबालब है। जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं और सड़क पर चलना तक मुश्किल हो गया है। यह दृश्य नगर पालिका की व्यवस्थाओं और सड़क रखरखाव की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

रहवासियों की मांग

स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल सड़क का निर्माण या मरम्मत कराने, जल निकासी की समुचित व्यवस्था करने तथा क्षेत्र को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि चुनाव के समय किए गए विकास के वादे अब धरातल पर दिखाई देने चाहिए, ताकि उन्हें हर बारिश में इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मशीन वाले बाबा की दरगाह में सालाना उर्स संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

शहर के घंटाघर स्थित सुप्रसिद्ध हज़रत सआदत हुसैन नक्शबंदी मशीन वाले बाबा की दरगाह में सालाना उर्स शरीफ बेहद अकीदत और पूरे अदबो-एहतराम के साथ संपन्न हुआ। इस मुबारक मौके पर जबलपुर शहर समेत आसपास के तमाम क्षेत्रों से भारी संख्या में अकीदतमंद दरगाह शरीफ पहुंचे। पूरे दिन और रात भर दरगाह परिसर में जायरीनों का हुजूम उमड़ा रहा, जहां लोगों ने मज़ार-ए-अक़दस पर हाजिरी देकर मन्नतें मांगीं, चादरें चढ़ाईं और बड़े ही अदब से नज़रो-नियाज़ पेश की। उर्स के पावन अवसर पर शहर के विभिन्न इलाकों से ढोल-ताशों, बैंड-बाजों और शहनाई की गूंज के साथ आकर्षक चादर शरीफ के जुलूस निकाले गए। उर्स को लेकर दरगाह परिसर और आसपास के रास्तों पर की गई बेहद खूबसूरत और आकर्षक विद्युत सज्जा हर किसी का मन मोह रही थी। नमाज़-ए-अस्र के बाद पारंपरिक रूप से शाही संदल और चादर शरीफ मज़ार पर पेश कर गुलपोशी की रस्म अदा की गई, जिसके बाद मुल्क में खुशहाली, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं और तबर्रुक बांटा गया। उर्स की रात दरगाह में महफ़िल-ए-मिलाद शरीफ का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें नामचीन फनकारों ने बारगाहे-रिसालत और बारगाहे-औलिया में नात-ओ-मनकबत के नजराने पेश किए। अगले दिन नमाज़-ए-फ़ज्र के बाद कुल शरीफ की नियाज़ के साथ इस भव्य उर्स का शांतिपूर्ण समापन हुआ।

आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और गणित का गहरा संबंध

आज का युग विज्ञान और तकनीक का युग है। हमारे दैनिक जीवन का लगभग हर क्षेत्र तकनीक से जुड़ चुका है। स्मार्टफोन, वॉयस असिस्टेंट, ऑनलाइन अनुवाद, चौटबॉट और चेहरे की पहचान जैसी सुविधाएँ आज सामान्य बन गई हैं। इन सभी आधुनिक तकनीकों के केंद्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है। यह तकनीक कंप्यूटर और मशीनों को मानव की तरह सीखने, सोचने और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती है। किंतु बहुत कम लोग जानते हैं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वास्तविक शक्ति गणित से प्राप्त होती है।

गणित, एआई की आधारशिला- गणित केवल संख्याओं और सूत्रों का विषय नहीं, बल्कि तर्क, विश्लेषण और समस्या-समाधान की भाषा है। एआई के विकास में बीजगणित, रेखीय बीजगणित, सांख्यिकी, प्रायिकता तथा कलन जैसी गणितीय शाखाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जब कोई कंप्यूटर विशाल मात्रा में डेटा का विश्लेषण करता है या किसी समस्या का समाधान खोजता है, तब वह इन्हीं गणितीय सिद्धांतों और एल्गोरिदम का उपयोग करता है।

हमारे जीवन में एआई और गणित

आज हम मोबाइल फेन में वॉयस असिस्टेंट, स्मार्ट कैमरा, ऑनलाइन अनुवाद, चौटबॉट और फेस रिकग्निशन जैसी सुविधाओं का उपयोग करते हैं। इन सभी तकनीकों के पीछे जटिल गणितीय एल्गोरिदम कार्य करते हैं। उदाहरण के लिए, जब कोई व्यक्ति मोबाइल में बोलकर प्रश्न पूछता है, तो एआई उसकी आवाज़ को पहचानने और उसका अर्थ समझने के लिए गणितीय मॉडल का सहारा लेता है। इसी प्रकार सोशल मीडिया प्लेटफ ॉर्म उपयोगकर्ताओं की रुचियों का विश्लेषण कर उन्हें उपयुक्त सामग्री दिखाते हैं, जिसमें सांख्यिकी और प्रायिकता का व्यापक उपयोग होता है।

शिक्षा में एआई और गणित का योगदान

शिक्षा के क्षेत्र में भी एआई और गणित का महत्व निरंतर बढ़ रहा है। आज अनेक डिजिटल शिक्षण प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों की सीखने की गति, क्षमता और कमजोरियों का विश्लेषण कर उन्हें व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराते हैं। इससे विद्यार्थियों को अपनी कमियों को दूर करने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिलती है। यह पूरी प्रक्रिया गणितीय गणनाओं और डेटा विश्लेषण पर आधारित होती है।

स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में उपयोग

स्वास्थ्य सेवाओं में एआई रोगों की पहचान, एक्स-रे और एमआरआई रिपोर्ट के विश्लेषण तथा उपचार की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डॉक्टरों को सटीक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए एआई लाखों आँकड़ों का अध्ययन करता है, जो गणितीय मॉडल और सांख्यिकीय विश्लेषण पर आधारित होता है। इसके अतिरिक्त बैंकिंग, परिवहन, कृषि, उद्योग और व्यापार जैसे क्षेत्रों में भी एआई कार्यक्षमता और उत्पादकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रहा है।

भविष्य की आवश्यकता गणितीय सोच

आने वाले समय में एआई का प्रभाव और अधिक बढ़ेगा। इसलिए विद्यार्थियों के लिए गणित की मजबूत समझ विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। गणित केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने का विषय नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीकों को समझने, विकसित करने और नई खोज करने की कुंजी है। जो विद्यार्थी गणितीय सोच विकसित करेंगे, वे भविष्य की तकनीकी दुनिया में नए अवसरों का निर्माण कर सकेंगे।

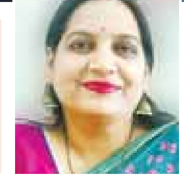

आरती शर्मा
शिक्षक
हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी
डुमना, जबलपुर

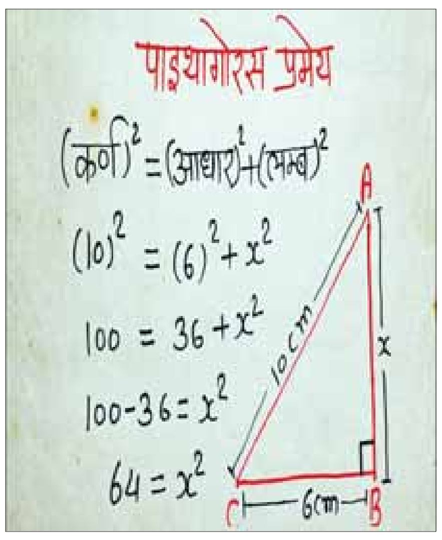

पायथागोरस प्रमेयः त्रिभुज का सबसे प्रसिद्ध गणितीय सिद्धांत

गणित की दुनिया में कुछ सिद्धांत ऐसे हैं जिनका उपयोग सदियों से किया जा रहा है। पायथागोरस प्रमेय भी ऐसा ही एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है। यह केवल विद्यालयी पाठ्यक्रम का हिस्सा नहीं है, बल्कि इंजीनियरिंग, वास्तुकला, सर्वेक्षण, कंप्यूटर ग्राफिक्स और विज्ञान के अनेक क्षेत्रों में भी उपयोगी है। इसकी सहायता से समकोण त्रिभुज की भुजाओं का संबंध आसानी से समझा जा सकता है।

पायथागोरस प्रमेय क्या है?

पायथागोरस प्रमेय के अनुसार, किसी समकोण त्रिभुज में कर्ण का वर्ग, शेष दोनों भुजाओं के वर्गों के योग के बराबर होता है। इसे एक सरल उदाहरण द्वारा समझा जा सकता है। यदि किसी समकोण त्रिभुज का आधार 3 सेमी, लंब 4 सेमी है तो, कर्ण 3 का वर्ग प्लस 4 का वर्ग यानि 9 और 16 मिलकर 25 हुए। अर्थात 25 का वर्गमूल 5 होगा। इस प्रकार त्रिभुज की तीसरी भुजा का मान आसानी से ज्ञात किया जा सकता है।

प्रमेय का महत्व

पायथागोरस प्रमेय गणित की सबसे उपयोगी अवधारणाओं में से एक है। इसकी सहायता से समकोण त्रिभुज की अज्ञात भुजा ज्ञात की जाती है। दूरी और ऊँचाई की गणना की जाती है। मानचित्र और सर्वेक्षण कार्य किए जाते हैं। भवनों और पुलों के निर्माण में माप निकाले जाते हैं। कंप्यूटर ग्राफिक्स और गेम डिज़ाइन में दूरी की गणना की जाती है। दैनिक जीवन में उपयोग की बात करें तो दीवार पर सीढ़ी लगाने में, पतंग की डोर की लंबाई का अनुमान लगाने में, भवन निर्माण और वास्तुकला में, सड़क और पुल निर्माण में तथा मोबाइल की जीपीएस और नेविगेशन तकनीक में पायथागोरस प्रमेय का प्रयोग किया जाता है।

रुबिक क्यूबः रंगों के इस खेल में छिपा है अद्भुत विज्ञान

रुबिक क्यूब दुनिया की सबसे लोकप्रिय पहेलियों में से एक है। पहली नज़र में यह केवल रंगों वाला एक खिलौना लगता है, लेकिन वास्तव में इसके पीछे गणित, तर्क, ज्यामिति और संयोजन विज्ञान का अद्भुत मेल छिपा हुआ है। यही कारण है कि रुबिक क्यूब आज केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि गणित और दिमागी क्षमता को विकसित करने का प्रभावी माध्यम भी माना जाता है।

रुबिक क्यूब क्या है?

रुबिक क्यूब एक घनाकार पहेली है, जिसके प्रत्येक फ्लक पर अलग-अलग रंग होते हैं। इसका उद्देश्य क्यूब को इस प्रकार घुमाना है कि हर फलक पर केवल एक ही रंग दिखाई दे। इस पहेली का आविष्कार 1974 में हंगरी के वास्तुकार और प्रोफेसर एर्नो रुबिक ने किया था।

रुबिक क्यूब में गणित कहाँ छिपा है- क्यूब का हर घुमाव एक निश्चित गणितीय नियम का पालन करता है। जब हम किसी एक परत को घुमाते हैं, तो कई छोटे घन अपनी जगह बदलते हैं। इन सभी संभावित स्थितियों का अध्ययन संयोजन विज्ञान और समूह सिद्धांत के माध्यम से किया जाता है।

कितने तरीकों से रुबिक क्यूब को सजाया जा सकता है?

रुबिक क्यूब की संभावित अवस्थाएँ लगभग 43,252 ,003,274,489, 856,000 (लगभग 43 क्विंटिलियन) हैं। इतनी बड़ी संख्या का अर्थ है कि यदि आप हर सेकंड एक नई स्थिति देखें, तो सभी संभावित अवस्थाएँ देखने में अरबों वर्ष लग जाएँगे।

गॉड्स नंबर क्या है?

गणितज्ञों ने सिद्ध किया है कि किसी भी उलझे हुए रुबिक क्यूब को अधिकतम 20 चालों में हल किया जा सकता है। इसे गॉड्स नंबर कहा जाता है। इसका मतलब है कि चाहे क्यूब कितना भी उलझा हो, सही विधि अपनाने पर 20 या उससे कम चालों में उसे हल किया जा सकता है।

रुबिक क्यूब सीखने के लाभ

- स्मरण शक्ति बढ़ती है।
- एकाग्रता और धैर्य विकसित होता है।
- तार्किक सोच मजबूत होती है।
- समस्या-समाधान की क्षमता बढ़ती है।
- हाथ और आँखों के बीच बेहतर तालमेल बनता है।

विद्यार्थियों के लिए सीख

रुबिक क्यूब हमें सिखाता है कि कठिन से कठिन समस्या का समाधान भी सही रणनीति, धैर्य और नियमित अभ्यास से संभव है। गणित केवल किताबों के सूत्रों तक सीमित नहीं है। रंगों से भरी यह छोटी-सी पहेली हमें संयोजन विज्ञान, ज्यामिति, एल्गोरिदम और तर्कशक्ति का व्यावहारिक अनुभव कराती है। इसलिए यदि आप गणित को रोचक बनाना चाहते हैं, तो रुबिक क्यूब सीखना एक बेहतरीन शुरुआत हो सकती है।

क्यों 13 अंक को अशुभ मानते हैं?

संख्याएँ केवल गणना का माध्यम नहीं हैं, बल्कि कई संस्कृतियों और परंपराओं में इनके साथ विशेष मान्यताएँ भी जुड़ी हुई हैं। दुनिया के कई देशों में 13 अंक को अशुभ माना जाता है। कुछ लोग इस संख्या वाले कमरे, मंजिल या सीट का उपयोग करने से भी बचते हैं। लेकिन क्या वास्तव में 13 अंक अशुभ है, या यह केवल एक पुरानी धारणा है? आइए इस विषय को सरल भाषा में समझते हैं।

13 अंक को अशुभ क्यों माना जाता है?

13 अंक को अशुभ मानने की मान्यता मुख्य रूप से पश्चिमी देशों से जुड़ी है। समय के साथ यह धारणा कई अन्य देशों तक भी पहुँच गई। इसके पीछे धार्मिक कथाएँ, ऐतिहासिक घटनाएँ और सामाजिक मान्यताएँ प्रमुख कारण मानी जाती हैं।

धार्मिक मान्यता

ईसाई धर्म की एक प्रसिद्ध मान्यता के अनुसार, प्रभु यीशु के अंतिम भोज में कुल 13 लोग उपस्थित थे। इसके बाद यीशु को गिरफ्तार किया गया और उन्हें सूली पर चढ़ाया गया। इसी घटना के कारण कुछ लोगों ने 13 अंक को दुर्भाग्य का प्रतीक मानना शुरू कर दिया।

शुक्रवार और 13 का संयोग

यदि किसी महीने की 13 तारीख शुक्रवार को पड़ती है, तो उसे कई देशों में फ्राइडे दि थर्टीएथ कहा जाता है। कुछ लोग मानते हैं कि इस दिन कोई नया कार्य शुरू नहीं करना चाहिए। हालाँकि, इस विश्वास का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

भवनों में 13वीं मंजिल का अभाव

दुनिया के कई बड़े होटल, अस्पताल और व्यावसायिक भवनों में 13वीं मंजिल का नंबर नहीं लिखा जाता। वहाँ 12 के बाद सीधे 14 नंबर दिया जाता है, ताकि अंधविश्वास के कारण लोगों को असुविधा न हो।

मनोवैज्ञानिक प्रभाव

जब किसी व्यक्ति को पहले से यह विश्वास हो जाता है कि 13 अशुभ है, तो यदि उस दिन कोई छोटी-सी समस्या भी हो जाए, तो वह उसका कारण 13 अंक को मान लेता है। मनोविज्ञान में इसे पुष्टिकरण पूर्वाग्रह कहा जाता है।

क्या भारत में भी 13 अशुभ माना जाता है?

भारतीय संस्कृति में 13 अंक को हर जगह अशुभ नहीं माना जाता। कई धार्मिक परंपराओं में इसका सकारात्मक महत्व भी है। उदाहरण के लिए, बैसाखी के अवसर पर मनाया जाने वाला बैसाखी पर्व अक्सर 13 अप्रैल के आसपास आता है, और सिख धर्म में बैसाखी का विशेष महत्व है। इसके अलावा, हिंदू परंपरा में मृत्यु के बाद होने वाली तेरहवीं एक महत्वपूर्ण धार्मिक संस्कार है, जिसे श्रद्धा और सम्मान के साथ किया जाता है।

सी.आर. रावः सांख्यिकी के महान भारतीय वैज्ञानिक

सी. आर. राव भारत के महान गणितज्ञ, सांख्यिकीविद् और वैज्ञानिक थे। उन्हें आधुनिक सांख्यिकी के क्षेत्र में दुनिया के सबसे प्रभावशाली विद्वानों में गिना जाता है। उनके द्वारा विकसित सिद्धांत आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, चिकित्सा, अर्थशास्त्र, डेटा साइंस, इंजीनियरिंग और मौसम विज्ञान जैसे अनेक क्षेत्रों में उपयोग किए जाते हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि ज्ञान, परिश्रम और शोध के बल पर विश्व स्तर पर सम्मान प्राप्त किया जा सकता है।

प्रारंभिक जीवन

उनका पूरा नाम कल्यांपुडी राधाकृष्ण राव है। उनका जन्म 10 सितंबर 1920 को हडगली (तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी, वर्तमान कर्नाटक) में हुआ। बचपन से ही उनकी रुचि गणित में थी। वे कठिन से कठिन गणितीय प्रश्नों को सरलता से हल कर लेते थे।

शिक्षा- उन्होंने आंध्र प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों से शिक्षा प्राप्त की। बाद में आंध्र विश्वविद्यालय से गणित की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से सांख्यिकी में उच्च शिक्षा प्राप्त की, जहाँ उन्हें महान सांख्यिकीविद् प्रशांत चंद्र महालनोबिस का मार्गदर्शन मिला।

सी. आर. राव के प्रमुख योगदान

राव क्रेमर निम्न सीमा

यह सांख्यिकी का एक अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्धांत है। किसी अनुमान की अधिकतम शुद्धता का पता लगाने में मदद करता है। आज इसका उपयोग मशीन लर्निंग, सिग्नल प्रोसेसिंग और संचार तकनीक में किया जाता है।

राव ब्लैकवेल प्रमेय

यह प्रमेय सांख्यिकी में अनुमान को अधिक सटीक बनाने का तरीका बताता है। इसका उपयोग डेटा विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वैज्ञानिक अनुसंधान में किया जाता है।

फिशर राव दूरी

यह सूचना ज्यामिति का आधार मानी जाती है। इसका उपयोग एआई, मशीन लर्निंग, पैटर्न पहचान, डेटा साइंस में व्यापक रूप से होता है।

प्रमुख पुरस्कार एवं सम्मान

- भारत सरकार का पद्म भूषण (1968)
- पद्म विभूषण (2001)
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार और मानद उपाधियाँ
- विश्व की अनेक विज्ञान अकादमियों की सदस्यता

गणित को लेकर घबराहट कहाँ से आती है?

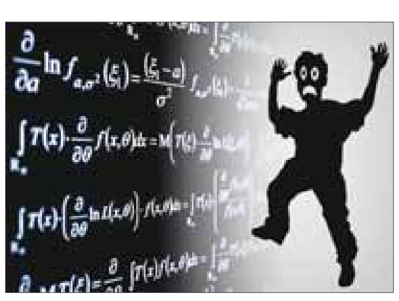

गणित का डर या चिंता वास्तव में काफी आम है। परीक्षा की चिंता की तरह ही, यह मंच पर घबराहट से काफी मिलती-जुलती है। किसी को मंच पर घबराहट क्यों होती है? भीड़ के सामने कुछ गलत हो जाने का डर? संवाद भूल जाने का डर? गलत मूल्यांकन किए जाने का डर? पूरी तरह से ब्लैंक हो जाने का डर? गणित की चिंता किसी न किसी प्रकार का भय पैदा करती है। यह डर कि हम गणित नहीं कर पाएंगे, यह डर कि यह बहुत कठिन है, या असफलता का डर, जो अक्सर आत्मविश्वास की कमी से उत्पन्न होता है। ज्यादातर मामलों में, गणित की चिंता गणित को सही ढंग से करने के बारे में डर है, हमारा दिमाग खाली हो जाता है और हमें लगता है कि हम असफल हो जाएंगे, और निश्चित रूप से हमारा दिमाग जितना अधिक निराश और चिंतित होता है, ब्लैंक होने की संभावना उतनी ही बढ़ जाती है। गणित की परीक्षाओं में समय सीमा का अतिरिक्त दबाव भी कई छात्रों के लिए चिंता के स्तर को बढ़ा देता है। गणित का डर आमतौर पर गणित में अप्रिय अनुभवों से उपजता है। आम तौर पर गणित से डरने वालों को गणित इस तरह से पढ़ाया जाता है कि उनकी समझ सीमित हो जाती है। दुर्भाग्य से, गणित का डर अक्सर खराब शिक्षण और गणित में खराब अनुभवों के कारण होता है। जो छात्र गणित से डरते हैं, उनमें से कई गणित को समझने के बजाय उसकी प्रक्रियाओं पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं। जब कोई व्यक्ति बिना ज्यादा समझे प्रक्रियाओं, नियमों और विधियों को याद करने की कोशिश करता है, तो गणित जल्दी भूल जाता है और घबराहट शुरू हो जाती है।

शब्द पहेली - 8927

■	1	2		■	■	3	■	4
5	■		■	6			■	
7					■	8	9	
■	■		■	10	11	■		■
12	13		14	■	15	16		
■		■	17	18	■		■	■
19		20	■	21				22
	■	23			■		■	
	■		■	■	24			■

बाएँ से दाएँ

1. उच्च कुल का-3
6. जलज, पंकज, नीरज-3
7. चरित्र, धर्म-5
8. वचन, प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन, कहासुनी-4
17. रुपया, पैसा-2
19. भ्रम, संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

ऊपर से नीचे

2. अधिवर्ष, 29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ, गला-3
4. लाज, लज्जा-3
5. विवाह, ब्याह-2
6. सोना, धतूरा-3
9. टेका, आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा, लाइन-3
14. हत्या, मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर, गृह, निवास-3
22. युद्ध, संग्राम -2

शब्द पहेली -8926 का हल

■	भ	क्त	■	सा	र	सं	भा	ल
का	या	■	व	ज	ह	■	त	प
ग	न	र	■	न	न	द	■	ल
■	क	स	म	■	स	■	पा	पा
ह	■	म	न	मो	ह	क	■	ना
म	स्त	■	भा	■	न	म	क	■
स	■	क	व	च	■	र	म	ल
फ	ना	■	न	र	म	■	त	ब
र	म	ण	■	म	■	शो	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

12वीं पास युवक कैसे बना डबल मनी नेटवर्क का मास्टरमाइंड?

500-600 करोड़ रुपये के कथित निवेश घोटाले का पूरा घटनाक्रम, आरोपी गए जेल

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

लांजी तहसील के ग्राम बोलेगांव निवासी 32 वर्षीय सोमेंद्र कंकरायने पर पुलिस ने जिले के सबसे चर्चित कथित डबल मनी निवेश घोटाले का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार, 12वीं तक पढ़ाई करने वाले सोमेंद्र ने लोगों को कम समय में रकम दोगुनी करने का लालच देकर एक हजार से अधिक निवेशकों से लगभग 500 से 600 करोड़ रुपये का निवेश जुटाया। इस मामले में अब तक 63 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं और हाल ही में सोमेंद्र सहित आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, सोमेंद्र ने सरस्वती स्कूल, लांजी से 12वीं पास करने के बाद बालाघाट में बीकॉम की पढ़ाई शुरू की, लेकिन पढ़ाई पूरी नहीं कर सका। इसके बाद उसने अनाज और जमीन की खरीद-बिक्री का काम किया। जांच में सामने आया कि हैदराबाद की एक निवेश योजना से प्रभावित होकर उसने स्वयं भी कथित रूप से लोगों से निवेश जुटाने का मॉडल तैयार किया। शुरुआत में रिश्तेदारों और परिचितों को 11 माह में रकम दोगुनी करने का भरोसा दिया गया। बाद में एजेंटों के माध्यम से यह नेटवर्क पूरे जिले में फैल गया।

पुलिस का कहना है कि वर्ष 2021 तक इस योजना में सैकड़ों करोड़ रुपये का निवेश आ चुका था। 17 मार्च 2022 को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोमेंद्र के ठिकानों पर छापेमारी की थी, जहां से करीब 10 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए थे। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने करीब 41 बैंक खाते खोले थे तथा निवेशकों का विश्वास जीतने के लिए बैंक चेक दिए जाते थे। पुलिस ने लगभग 50 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की जमीनों और बैंक खातों को भी सीज किया है। पुलिस के अनुसार, दिसंबर 2022 में जमानत मिलने के बाद सोमेंद्र अपने साथियों के साथ लगातार ठिकाने बदलता रहा। उस पर और अन्य आरोपियों पर 30-30 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने भोपाल, नागपुर और हरिद्वार में करीब एक माह तक निगरानी की। तकनीकी साक्ष्यों और टेलीग्राम के माध्यम से संपर्कों की जानकारी मिलने पर हरिद्वार में दबिश देकर सोमेंद्र कंकरायने, तामेश मंसूरे, राकेश मंसूरे, प्रदीप कंकरायने, दिनेश कंकरायने, रामप्रसाद मंसूरे, प्रदुम कंकरायने और रुकचंद हर्दे को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तारी के बाद सोमेंद्र ने पुलिस के समक्ष कहा कि जमानत मिलने के बाद वह जगन्नाथ पुरी, त्र्यंबकेश्वर, श्रीनाथ और हरिद्वार में रहा। उसने अपने कृत्य पर खेद व्यक्त करते हुए कहा कि उससे बड़ी गलती हुई है और उसे न्यायपालिका तथा पुलिस की कार्रवाई पर भरोसा है।

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने निवेशकों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि आरोपी के परिवार के किसी सदस्य को परेशान न किया जाए और कानून हाथ में लेने से बचें। उन्होंने कहा कि मामले की सुनवाई न्यायालय में चल रही है तथा कानूनी प्रक्रिया के तहत निवेशकों को राशि वापस दिलाने के प्रयास किए जाएंगे। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच अभी भी जारी है और आर्थिक लेन-देन से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

चावल घोटाले में गोंदिया के दो व्यापारी गिरफ्तार, अब तक 10 आरोपी जेल भेजे गए

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। एथेनॉल प्लांट की आड़ में हुए बहुचर्चित चावल घोटाले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र के गोंदिया निवासी व्यापारी सगे भाई जुगल खंडेलवाल और किशन खंडेलवाल को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। इस मामले में अब तक 17 लोगों को आरोपी बनाया जा चुका है, जिनमें से 10 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि कई आरोपी अब भी फरार हैं। एसआईटी की जांच में अब तक यह सामने आया है कि एफसीआई से एथेनॉल प्लांट के नाम पर 111 ट्रकों की 183 ट्रिप के माध्यम से करीब 17 हजार मीट्रिक टन चावल उठाया गया, लेकिन जांच के दौरान 5,459 मीट्रिक टन चावल का कोई हिसाब नहीं मिला, जिसे जांच एजेंसी संदिग्ध मान रही है। मामले में लगातार नई कड़ियां जुड़ रही हैं और कई बड़े नाम भी जांच के दायरे में बताए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि जांच में पता चला है कि गोंदिया स्थित खंडेलवाल राइस मिल का संचालन करने वाले जुगल खंडेलवाल और किशन खंडेलवाल ने एफसीआई से निकले चावल की बड़ी मात्रा खरीदी थी। एसआईटी के अनुसार दोनों भाइयों ने करीब 40 ट्रकों में लगभग 1,200 मीट्रिक टन चावल, जिसकी कीमत करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये बताई जा रही है, खरीदा था।

इस आधार पर दोनों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया। इससे पहले एसआईटी ट्रक चालक दुर्गेश शेंडे, प्लांट प्रतिनिधि राहुल प्रताप, सुपरवाइजर राकेश श्रीवास्तव, ट्रांसपोर्टर उबेद खार, राइस मिलर्स सुरेंद्र राणा, बिहारी पटले, गौरव माहेश्वरी तथा मैनेजर अतुल बिसेन को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं सौरभ संचेती, गंभीर संचेती, अभिनव सिंघल, अरुण सिंघल, सोनू जैन सहित अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

सांदीपनि विद्यालय कटंगी में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के तहत विविध गतिविधियां, छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

कटंगी(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी शासकीय विद्यालयों में 15 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में शासकीय सांदीपनि विद्यालय कटंगी में भी विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें छात्र-छात्राएं उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ 15 जुलाई को मां सरस्वती की पूजा एवं वंदना के साथ किया गया। इसके बाद 16 जुलाई को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटंगी की छात्राओं ने सांदीपनि विद्यालय का भ्रमण कर यहां संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण व्यवस्था एवं नवाचारों की जानकारी प्राप्त की।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में बालाघाट प्रदेश में प्रथम

94 में से 92 शिकायतों का हुआ संतोषजनक समाधान, वित्त विभाग ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के अंतर्गत वित्त विभाग से संबंधित शिकायतों के निराकरण में बालाघाट जिले ने जून माह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिले को यह उपलब्धि शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के आधार पर मिली है। अग्रणी जिला प्रबंधक संजीव कुमार ने बताया कि जून माह में वित्त विभाग से संबंधित कुल 94 शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिनमें से 92 शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में संतोषजनक निराकरण किया गया। जिले का कुल वेटेज 99.06 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सर्वोच्च रहा।

उन्होंने बताया कि 60 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों के निराकरण में जिले को 20 में से 19.70 अंक प्राप्त हुए। वहीं निम्न गुणवत्ता से बंद की गई शिकायतों तथा नॉन-अटेंडेड शिकायतों की श्रेणी में जिले ने 10 में से पूरे 10 अंक हासिल किए। इस उल्लेखनीय सफलता के लिए प्रतिदिन शिकायतों की प्रगति की निगरानी की गई। बैंकों के एल-1, एल-2 अधिकारियों, शाखा प्रबंधकों एवं जिला समन्वयकों से लगातार संपर्क बनाए रखा गया। शिकायतकर्ताओं को कॉन्फ्रेंस कॉल के माध्यम से जोड़कर उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान कराया गया।

शिकायतकर्ता का कार्य पूर्ण होने तक बैंक और संबंधित व्यक्ति से निरंतर संपर्क बनाए रखते हुए शिकायतों का संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया गया। इस उपलब्धि का श्रेय कलेक्टर श्री मृणाल मीणा के प्रभावी मार्गदर्शन, जिले के सभी बैंक शाखा प्रबंधकों, एलडीएम कार्यालय के अधिकारियों तथा समस्त कार्यालयीन स्टाफ की टीम भावना और कड़ी मेहनत को दिया गया।

खोलवा में 5 लाख की चोरी का पर्दाफाश, 11 आरोपी गिरफ्तार

सोशल मीडिया संपर्क और अंदरूनी सूचना से रची गई थी साजिश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। बैहर थाना पुलिस ने ग्राम खोलवा में हुई लगभग 5 लाख की चोरी का पर्दाफाश करते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1.90 लाख नगद बरामद किया है, जबकि चोरी गए जेवर एवं अन्य मशरूका की बरामदगी के लिए पूछताछ जारी है। मामले में पुलिस ने खुलासा किया है कि वारदात की साजिश पहले से सुनियोजित थी और इसमें फरियादी के घर की अंदरूनी जानकारी, सोशल मीडिया के माध्यम से बने संपर्क तथा कई लोगों की भूमिका सामने आई है। जानकारी के अनुसार ग्राम खोलवा निवासी कमलेश राहंगडाले ने 10 जुलाई 2026 को थाना बैहर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रात करीब 1 से 2 बजे के बीच अज्ञात चोर उनके घर के पीछे के दरवाजे से अंदर घुस गए। बदमाशों ने अलमारी के कुंदे तोड़कर लगभग 4.80 लाख मूल्य के सोने-चांदी के जेवर, दो मोबाइल फोन और नगदी सहित करीब 5 लाख की संपत्ति चोरी कर ली। हैरानी की बात यह रही कि जिस कमरे में अलमारी रखी थी, उसी कमरे में परिवार के छह सदस्य सो रहे थे, लेकिन किसी को चोरी की भनक तक नहीं लगी। सुबह उठने पर घटना का पता चला। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने

सीसीटीवी फुटेज, साइबर सेल की तकनीकी सहायता, मुखबिर तंत्र तथा संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर ग्राम पौनी मोहगांव निवासी शांति तेकाम को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपने साथियों के साथ चोरी करना स्वीकार कर लिया, जिसके बाद पूरी गैंग का खुलासा हो गया। जांच में सामने आया कि आरोपी सुखदेव मेरावी, जो पहले फरियादी के यहां ड्राइवर था, उसने ही साथियों को यह जानकारी दी थी कि घर में बड़ी मात्रा में नकदी रखी हुई है। वहीं पंकज रावडे, जो सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बताया गया है, की अन्य आरोपियों से सोशल मीडिया के माध्यम से पहचान हुई थी। पुलिस के अनुसार जितेंद्र उर्फ जीतू बिजेवार ने साथियों को तंत्र-मंत्र के जरिए घर के लोगों को वश में करने का दावा करते हुए नारियल और नींबू का प्रयोग करने की बात कही थी। पुलिस ने इस मामले में शांति तेकाम, पंकज रावडे, संजय कामथे, अमन धवंगाये, जिशान खान उर्फ सलमान, कुलदीप नागवंशी, जितेंद्र उर्फ जीतू बिजेवार, कमल नगपुरे, सुखदेव मेरावी, सुभाष मेरावी और अशोक सिरयाम को गिरफ्तार किया है।

मामले में न्यायालय से पांच आरोपियों का पुलिस रिमांड लिया जा रहा है, ताकि उनसे अन्य चोरी की वारदातों, शेष मशरूका की बरामदगी और संभावित साथियों के संबंध में पूछताछ की जा सके। थाना बैहर में अपराध क्रमांक 121/2026 के तहत धारा 331 एवं 305(ए) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर विवेचना जारी है। पूरे मामले के खुलासे में थाना प्रभारी निरीक्षक जयंत मरस्कोले के नेतृत्व में थाना बैहर पुलिस एवं एसएसयू टीम की सराहनीय भूमिका रहीं।

श्री विट्ठल नामदेव कार्यकारिणी अध्यक्ष ने सौंपे सभी पदाधिकारियों को दायित्व

उमरिया (स्वतंत्रमत)। रविवार दिनांक 19 जुलाई 2026 को दोपहर 12 बजे श्री विट्ठल नामदेव समाज संगठन जिला उमरिया की जिला स्तरीय बैठक, स्थानीय वीणा पैलेस, उमरिया में आयोजित की गई। इस बैठक में सर्वप्रथम संत शिरोमणि नामदेव जी महाराज के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर एवं उनके समक्ष दीप प्रज्वलन कर बैठक को प्रारंभ किया गया। बैठक में नवीन कार्यकारिणी समिति की घोषणा की गई तथा नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री कैलाश चंद नामदेव द्वारा समिति के सभी पदाधिकारीयों का माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए उन्हें समाज के प्रति निस्वार्थ रूप से उनके कर्तव्यों की शपथ दिलाई गई। जिला कार्यकारिणी में रमेश नामदेव महुरा, रमेश नामदेव निगहरी, ओमप्रकाश नामदेव मानपुर को सरंक्षक,प्रेमाधार नामदेव उमरिया को निदेशक, श्रवण कुमार नामदेव उमरिया, श्रीचंद नामदेव, बिरसिंहपुर पाली, बसंत नामदेव मानपुर, विनय नामदेव पिनौरा को उपाध्यक्ष, संतोष नामदेव

(सेवानिवृत्त शिक्षक) उमरिया को सचिव, दीपक नामदेव, सिलौंड़ी सन्तकुमार नामदेव, रामपुर पंकज नामदेव, भरौला को सहसचिव, राजकुमार नामदेव, उमरिया को कोषाध्यक्ष मिठाईलाल नामदेव उमरिया, शिवचरण नामदेव महरोई, राजेन्द्र नामदेव बिरसिंहपुर पाली, राकेश नामदेव बड़ेरी, गेंदलाल नामदेव बरही, बी.पी. नामदेव, बिलासपुर को संगठन मंत्री, एवं सम्पत नामदेव उमरिया,भोला नामदेव नरवार को प्रचार प्रसार मंत्री बनाया गया।

इसके साथ बैठक के प्रमुख विषयों पर चर्चा की गई जिसमेंनवीन पदाधिकारियों को उनके दायित्वों की जानकारी दी गई। समिति के शीघ्र रजिस्ट्रेशन हेतु चर्चा की गई एवं खंड स्तरीय समिति का गठन जल्द से जल्द करने पर चर्चा की गई।

सेवादल राष्ट्रीय अधिवेशन में भाग लेने 22 को दिल्ली रवाना होगा

उमरिया (स्वतंत्रमत) - 23 जुलाई को श्रीनिवास बीवी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के आवाहन पर तालकाटोरा स्टेडियम दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अधिवेशन में सम्मिलित होने के लिए उमरिया जिले से जिला अध्यक्ष संतोष सिंह के नेतृत्व में मध्य प्रदेश प्रभारी पीएन मिश्र एवं अविनाश भार्गव अध्यक्ष मध्यप्रदेश सेवादल के निर्देशन पर अजय सिंह एवं संपत्ति सैनी जिला संगठन प्रभारी एवं रमेश द्विवेदी सेवादल प्रभारी उमरिया, राकेश जैन एवं इंजीनियर विजय कोल जिला अध्यक्ष उमरिया एवं त्रिभुवन प्रताप सिंह उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश कांग्रेस नगरी निकाय प्रकोष्ठ के मार्गदर्शन में सेवादाल के साथी गण रवाना होंगे और दिनांक 23 तारीख को 10.30 बजे दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में पहुंचकर राष्ट्रीय अधिवेशन में सम्मिलित होकर देश में बैठी गूंगी बहरी और भ्रष्ट सरकार के विरुद्ध बीवी श्रीनिवास जी के मार्गदर्शन में देश का बल सेवादल समूचे देश में नई रणनीति के साथ देश सशक्त नेतृत्व राहुल गांधी के साथ जन विरोधी केंद्र सरकार और राज्य सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए तत्परता से काम करेंगे। उमरिया जिले से संतोष सिंह के साथ राजाराम सोनी किशोर सिंह मंगल सिंह सूर्यबली सिंह करण सिंह राजेंद्र महोबिया गजबीर सिंह रामप्रसाद बैग शिव शर्मा संदीप यादव भोला यादव राकेश कोल राघवेंद्र सिंह.करण पटेल, अभिराज पटेल ईशान सिंह सहित अन्य साथी कटनी से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। दलनायक का दायित्व जिला अध्यक्ष संतोष सिंह ने राजाराम सोनी और मीडिया प्रभारी का दायित्व मंगल सिंह और सह दल प्रभारी किशोर सिंह एवं राजेंद्र महोबिया को बनाया है।

सीएम हेल्पलाईन में सी व डी ग्रेड में रहने वाले विभागीय अधिकारियों के विरूध्द होगी कार्यवाही : कलेक्टर

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समयसीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होने कहा कि सीएम हेल्पलाइन सहित समय सीमा के प्रकरणों का नियत तिथि तक निराकरण किया जाना सुनिश्चित करें। सीएम हेल्पलाईन में जो विभाग सी व डी ग्रेड में रहेंगे उनके विभागीय अधिकारियों के विरूध्द कार्यवाही की जाएगी तथा उनके विभाग प्रमुख को भी तत्संबंध में विभागीय अधिकारियों के विरूध्द कार्यवाही करने हेतु लेख किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि जो अधिकारी व कर्मचारी मैदानी क्षेत्र में कार्य में शिथिलता बरतेंगे उनके विरूध्द कडी कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि सी व डी रैकिंग के कारण जिले की ग्रेडिंग प्रभावित होती है, अतः सभी अधिकारी ग्रेडिंग जारी होने के तत्काल बाद से ही सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण तत्परता से करें।

उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कमिश्नर कार्यालय शहडोल से प्राप्त शिकायतों का तत्परता पूर्वक निराकरण कराएं। कोई भी शिकायत अन अटेंडेंट स्थिति में न रहे। कलेक्टर ने समय सीमा की बैठक में निर्देश दिए कि विभागीय अधिकारी समन्वय बनाकर शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले के विद्यालय के भवनों को सही स्थिति में रखनें की व्यवस्था कराएं साथ ही विद्यार्थियों को प्राप्त होने वाली सुविधाओं की सुनिश्चितता कराते हुए शैक्षणिक स्तर में सुधार के कार्य करें। उन्होंने कृषि विभाग की प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त की तथा निर्देश दिए कि किसानों के हित में खाद की पर्याप्त उपलब्धता के प्रयास करें। कलेक्टर ने वन्य प्राणियों के हमलों से घायल व मृत व्यक्तियों को समय सीमा में राहत राशि का भुगतान कराये जाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए।

टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न हुई । बैठक में बताया गया कि जिले में अवैध उत्खनन के 6 प्रकरणों में से 5 प्रकरणों पर कार्यवाही करते हुए 7.75 लाख रूपये की वसूली की गई है। इसी तरह अवैध परिवहन के 45 प्रकरणों में से 34 प्रकरणों परकार्यवाही करते हुए 22.85 लाख रूपये की वसूली की गई है। इसी प्रकार अवैध भंडारण के 1 प्रकरण का निराकरण करते हुए 0.12 लाख रूपये की वूसली की गई है। जिले मे लगातार खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन तथा भंडारण पर कार्यवाही की जा रही है।

स्पीड ब्रेकर एवं सड़क सुरक्षा उपायों की मांग तेज, नागरिकों ने जिला प्रशासन से की ठोस कार्रवाई की अपील

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

हाल ही में सिद्धबाबा क्षेत्र (उमरिया..कटनी राष्ट्रीय राजमार्ग) पर हुए भीषण सड़क हादसे में पांच निर्दोष लोगों की मृत्यु के बाद जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर नागरिकों की चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दुर्घटना के बाद यातायात विभाग द्वारा कुछ कदम उठाए गए हैं, लेकिन वे स्थायी समाधान साबित नहीं हो रहे हैं।

खलेसर नाका के पास जेब्रा क्रॉसिंग बनाई गई है, किन्तु वहां निर्मित स्पीड ब्रेकर इतना प्रभावी नहीं है कि तेज गति से चलने वाले वाहन अपनी रफ्तार कम करने को विवश हों। नागरिकों का कहना है कि भारतीय सड़क कांग्रेस (सृ्ब) के मानकों के अनुरूप वैज्ञानिक ढंग से स्पीड ब्रेकर बनाए जाने चाहिए, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके।

सड़क सुरक्षा समिति की पूर्व बैठक में हेमू कलाणी चौक पर स्पीड ब्रेकर बनाने का निर्णय लिया गया था। यह चौक कटनी...शहडोल मार्ग, केंद्रीय विद्यालय, सगरा मंदिर तथा शहर की ओर जाने वाले मार्गों का प्रमुख जंक्शन है। इसके बावजूद अब तक वहां स्पीड ब्रेकर का निर्माण नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस स्थान पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। गत वर्ष यहां एक व्यक्ति की मृत्यु हुई थी तथा कुछ दिन पूर्व एक कार भी पलट गई थी, हालांकि उसमें जनहानि नहीं हुई।

इसी प्रकार राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर चपहादृउमरिया कालरी क्षेत्र में भी लंबे समय से स्पीड ब्रेकर की मांग की जा रही है। यहां बांधवगढ़ हायर सेकेंडरी स्कूल, उमरिया कालरी का मुख्य द्वार तथा जवाहर कॉलोनी स्थित होने के कारण प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी, कर्मचारी एवं आम नागरिक आवागमन करते हैं। वहीं विनायक टाउन के समीप स्थित अंधे मोड़ पर भी सुरक्षा उपायों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

नागरिकों ने यह भी मांग की है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित ढाबों एवं होटलों पर सड़क किनारे खड़े किए जाने वाले ट्रक एवं अन्य भारी वाहनों पर पीछे की ओर अनिवार्य रूप से रिफ्लेक्टिव टेप (रेडियम) तथा चेतावनी संकेत लगाए जाएं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के नियमों के अनुसार भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टिव मार्किंग एवं उचित चेतावनी संकेत आवश्यक हैं। इनका पालन न होने से रात्रि के समय दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। उल्लेखनीय है कि गत वर्ष पिपरिया ढाबा के पास बिना उचित संकेत के खड़े एक ट्रक से टकराकर दो युवा व्यापारियों की मृत्यु हो गई थी। सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जहां भी विद्यालय, अस्पताल, घनी आबादी, प्रमुख चौराहे अथवा दुर्घटना संभावित (ब्लैक स्पॉट) क्षेत्र हों, वहां यातायात संकेतक, प्रभावी स्पीड ब्रेकर, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, जेब्रा क्रॉसिंग, चेतावनी बोर्ड तथा नियमित यातायात निगरानी जैसे उपाय आवश्यक हैं। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, यातायात पुलिस तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से मांग की है कि दुर्घटना संभावित स्थलों का संयुक्त निरीक्षण कर वैज्ञानिक एवं स्थायी सड़क सुरक्षा उपाय शीघ्र लागू किए जाएं, जिससे भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं और जनहानि को रोका जा सके।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत बस स्टैंड पर चलाया जागरूकता अभियान

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार संचालित ष्नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, उमरिया द्वारा रविवार 19 जुलाई को बस स्टैंड, जिला उमरिया में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बस चालकों, ऑटो चालकों एवं यात्रियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशा न करने तथा दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही उपस्थित सभी नागरिकों को नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, उमरिया की उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती लवली सोनी, प्रभारी रक्षित निरीक्षक आर.डी. प्रजापति, निरीक्षक मीना अरमो, निरीक्षक अजय वर्मा, निरीक्षक रविशंकर कोकड़े तथा प्रशिक्षु नवआरक्षक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने आमजन से नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे इस अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने एवं समाज को नशामुक्त बनाने में अपना योगदान देने की अपील की।

कलेक्टर के सहायक आयुक्त कार्यालय पहुंचते ही मचा हड़कंप
बचते बचाते नजर आये जवाबदार, हो सकती है बड़ी कार्यवाही

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

इन दिनों सहायक आयुक्त कार्यालय जमकर चर्चाओं में बना हुआ है। यहां चल रहे निर्माण कार्यों में किये जा रहे घपलेबाजी की जमकर चर्चा है तो वहीं नवीन टेंडरों में भी घोटाले की बू दिखाई दे रही है तो दूसरी तरफ हाल ही में हुए शिक्षकों के स्थानांतरण में भी जमकर लेन-देन किये जाने की चर्चा है।

भ्रष्टाचार के इस अड्डे में अचानक कलेक्टर की दबिश से हड़कंप मच गया है। सोमवार को अचानक कलेक्टर सहायक आयुक्त कार्यालय पहुंचे जहां पर अधिकारी कर्मचारी बचते बचाते नजर आये। कलेक्टर ने सीधे तौर पर व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिये तो वहीं संबंधितों की क्लास भी लगाई। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यालय की कार्यप्रणाली का गहन अवलोकन किया और अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी उन्होंने कार्यालय की स्थापना शाखा, निर्माण शाखा, लंबित प्रकरणों न्यायालयीन मामलों तथा छात्रावासों के संचालन से जुड़े कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सबसे पहले कार्यालय में संधारित की जा रही फाइलों का निरीक्षण किया उन्होंने पाया कि कई महत्वपूर्ण प्रकरणों में दस्तावेजों को और अधिक व्यवस्थित किए जाने की आवश्यकता है इस पर उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्यालय की प्रत्येक फाइल अद्यतन एवं सुव्यवस्थित रखी जाए ताकि किसी भी समय आवश्यक जानकारी तुरंत उपलब्ध हो सके उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक व्यवस्था की मजबूती का आधार सुव्यवस्थित रिकॉर्ड होता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी कलेक्टर ने कार्यालय परिसर का भी निरीक्षण किया और साफ-सफाई पर विशेष जोर दिया उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यालय परिसर हमेशा स्वच्छ एवं व्यवस्थित दिखाई देना चाहिए। कर्मचारियों के उपयोग में आने वाले रेस्ट रूम की स्थिति पर भी उन्होंने नाराजगी जताई और आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराकर उन्हें बेहतर स्थिति में रखने के निर्देश दिए।

वहीं स्थापना शाखा की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने दो टूक शब्दों में कहा कि जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित ऐसा कोई भी विद्यालय नहीं रहना चाहिए जहां शिक्षक की पदस्थापना न हुई हो उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के सभी शिक्षकविहीन विद्यालयों की सूची तैयार कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए और 31 जुलाई तक इस समस्या का पूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की पढ़ाई किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होनी चाहिए और शिक्षा व्यवस्था में आने वाली हर बाधा को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए कलेक्टर ने छात्रावासों की व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने सहायक आयुक्त अरुण शुक्ला को निर्देश दिए कि वे स्वयं फील्ड में जाकर विभिन्न छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान केवल व्यवस्थाओं का औपचारिक जायजा लेने के बजाय छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर उनका फीडबैक लें और जो भी समस्याएं सामने आएं उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि छात्रावासों में रहने वाले बच्चों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त अरुण शुक्ला ने विभागीय निर्माण कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि जिले के 111 छात्रावासों में लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से मरम्मत एवं उन्नयन कार्य कराए जा रहे हैं। इस पर कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और तय समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी कलेक्टर ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा समय-समय पर स्थल निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की जाए उन्होंने कहा कि छात्रावासों की मरम्मत का कार्य केवल भवनों की मरम्मत तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं निरीक्षण के दौरान कलेक्टर का रुख पूरी तरह सख्त दिखाई दिया उन्होंने स्पष्ट संकेत दिए कि शिक्षा, छात्रावासों की व्यवस्था, निर्माण कार्य, न्यायालयीन प्रकरणों और जनसुनवाई जैसे संवेदनशील मामलों में अब किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं चलेगी।

पुलिस ने जब्त किए गांजा के पौधे

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन के नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत बिछिया थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए ग्राम चंदिया में अवैध गांजा की खेती का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से 107 गांजा के पौधे जब्त किए हैं जिनका कुल वजन 36.980 किलोग्राम तथा अनुमानित बाजार मूल्य करीब 2 लाख रुपये बताया गया है पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा तथा एसडीओपी बिछिया सौरव तिवारी के मार्गदर्शन में थाना बिछिया पुलिस को 18 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम चंदिया निवासी भंगी सिंह राजपूत 68 वर्ष अपने घर के पीछे स्थित बाड़ी में अवैध रूप से गांजा की खेती कर रहा है सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तत्काल दबिश देकर कार्यवाही की और मौके से 107 गांजा के पौधे बरामद किए पूछताछ के दौरान आरोपी गांजा की खेती से संबंधित कोई वैध अनुमति या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका इसके बाद पुलिस ने सभी पौधों को विधिवत जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 एवं 8(बी)20(ए)(आई)के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

पर्यावरण संरक्षण नशा मुक्ति पर चर्चा

मण्डला/नारायणगंज (स्वतंत्रमत)।

विकासखंड नारायणगंज के ग्राम चिरी में सोमवार को नवांकुर संस्था प्रगति जनकल्याण समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं नशा मुक्ति विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक सुशील बर्मन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारियों एवं ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण में पौधारोपण की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि अधिक से अधिक पौधे लगाने से जहां पर्यावरण संतुलित रहता है वहीं सागौन जैसे उपयोगी वृक्ष भविष्य में ग्रामीणों की आय का भी महत्वपूर्ण स्त्रोत बन सकते हैं। ग्रामीणों को वृक्षारोपण को जनभागीदारी का अभियान बनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान नशा मुक्ति अभियान के तहत भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में महिलाओं ने गांव में बढ़ते नशे से होने वाली सामाजिक एवं पारिवारिक समस्याओं को साझा किया। उपस्थित लोगों ने नशे के दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर समिति के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से सागौन के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मेंटर्स, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चिरी की सचिव सुषमा कुलस्ते, अध्यक्ष सुकराती बैरागी, समिति के सदस्य तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

बर्मन समाज को मिले उपयोगी बर्तन

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

निवास विधानसभा क्षेत्र के विधायक चैन सिंह वरकड़े ने सामाजिक सहयोग और जनकल्याण की भावना के तहत बर्मन समाज को सामाजिक आयोजन के लिए बर्तन सेट भेंट किया है। यह बर्तन विवाह धार्मिक एवं अन्य सामुदायिक कार्यक्रमों में उपयोगी होंगे और लोगों को परेशान नही होना पड़ेगा। इस अवसर पर विधायक श्री वरकड़े ने समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से चर्चा करते हुए कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास और जनहित से जुड़े कार्यों में उनका सहयोग निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने सामाजिक एकता और आपसी सहयोग को मजबूत बनाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष राजुल ज्योतिषी, वरिष्ठ कांग्रेसी मांगन लाल सोनी, रघुनंदन विश्वकर्मा, नरेश सोनी, जिला महामंत्री संदीप सोनी, युवा ब्लॉक अध्यक्ष प्रिंस अग्रवाल, विधानसभा अध्यक्ष रितेश सोनी, मंडलम अध्यक्ष विपिन सोनी, शहर अध्यक्ष विपिन रामकुमार सोनी, मनीष बर्मन, दीपक चक्रवर्ती, गोपाल चक्रवर्ती सहित बर्मन समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा 24 को, पुष्पवर्षा के साथ होगा स्वागत

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मंडला में जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन 24 जुलाई को किया जायेगा। सराफा बाजार स्थित श्रीराम मंदिर से भव्य रथ यात्रा नगर भ्रमण के लिये दोपहर 12 बजे निकाली जायेगी। रथ यात्रा को भव्य और सुंदर स्वरूप देने के लिये बैठक का आयोजन सोमवार को किया गया। इस बैठक में रथ यात्रा के संबंध में प्रेम अवतार दास स्वामी जी ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय कृष्णाभावनामृत संघ इस्कॉन के तत्वाधान में आयोजित होगी। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग एवं श्रीकृष्ण पाथेन्यास एवं महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने उपस्थित धर्मप्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान जगन्नाथ स्वामी की इस रथ यात्रा का यह दूसरा वर्ष है। रथ यात्रा का जगह-जगह स्वागत होगा और पुष्पवर्षा के साथ प्रसादी वितरण का कार्य भी किया जायेगा। उन्होंने धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने अपील की है।

इस्कॉन उज्जैन के चेयरमैन एवं दीक्षा गुरु पूज्य श्रीमद भक्तिप्रेम स्वामी महाराज के मार्गदर्शन में इस वर्ष मध्यप्रदेश के लगभग 70 स्थानों पर भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा का आयोजन हो रहा है। सराफा बाजार स्थित श्रीराम मंदिर में भगवान जगन्नाथ स्वामी की स्थापना होगी और पूजन पाठ करते हुए यहां से नगर भ्रमण के लिए रथ रवाना होगा। जो उदय चौक, बड़चौराहा, चिलमन चौक, बस स्टेंड, लालीपुर, बिंझिया, नेहरू स्मारक, बैगा-बैगी चौक से होते हुए कलेक्ट्रेट नगर भ्रमण के बाद कार्यक्रम स्थल इस्कॉन सेंटर जगन्नाथ हाई स्कूल के सामने पहुंचेगी। जहां पर प्रसादी वितरण के साथ भव्य महाआरती पूजन पाठ होगा। श्रृद्धालुओं से रथ की डोर खींचने, पुष्प, माला, महाप्रसाद अथवा श्रृद्धापूर्वक एक तुलसी दल अर्पित कर महाप्रभु का आशीर्वाद प्राप्त करने का अनुरोध किया गया है। वरिष्ठ समाजसेवी गणेश जसवानी ने कहा कि भगवान भाव और श्रद्धा के भूखे हैं तथा निर्मल मन से की गई सेवा ही सच्ची भक्ति है। रथयात्रा के अवसर पर सनातन परंपरा, वैदिक पंचांग आधारित उत्सव, श्रद्धा, सेवा और समर्पण का संदेश भी दिया जाएगा। आयोजन समिति ने इसे केवल धार्मिक उत्सव ही नहीं बल्कि समाज में आस्था सेवा और सनातन संस्कृति के प्रसार का महापर्व बताते हुए अधिक से अधिक श्रृद्धालुओं से सहभागिता अपील की है। बैठक में पूज्य महाराज श्रृद्धालुओं एवं कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस अवसर पर सोम्यचैतन्य दास, अक्षर गोविंद दास, अंकित नामदेव दास, प्रवीण तिवारी, सुधीर कांसकार, नीरज अग्रवाल, सुनील मिश्रा, सुशील मिश्रा, विनय मिश्रा, उमाशंकर गुड्डू सिंधिया, हरीश गुरवानी, सौरभ गुप्ता, अखिल सिहारे, शशि पटैल, भावना साहू, विकास यादव, वेद प्रकाश दुबे, अंकित ज्योतिषी, ऋषभ सिन्हा, सावन नीखर, डॉक्टर राहुल यादव, देव रजानी के साथ अन्य धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

नवीन मारूवंश को मिली पदोन्नति

मण्डला (स्वतंत्र मत)। पुलिस विभाग में उत्कृष्ट सेवाएं अनुशासित कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा का सम्मान करते हुए नैनपुर थाना में पदस्थ आरक्षक नवीन मारूवंश को पदोन्नति प्रदान कर प्रधान आरक्षक बनाया गया। पदोन्नति के इस अवसर पर नैनपुर अनुविभागीय पुलिस अधिकारी एसडीओपी मनीष राज एवं नैनपुर थाना प्रभारी मनसाराम बगेन ने उनके कंधों पर प्रधान आरक्षक की लाल पट्टी लगाकर नई जिम्मेदारी का औपचारिक रूप से अलंकरण किया तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एसडीओपी नैनपुर ने कहा कि पुलिस सेवा में पदोन्नति केवल पद परिवर्तन नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और विश्वास में वृद्धि का प्रतीक होती है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी अनुशासन समर्पण और उत्कृष्ट कार्य के आधार पर मिलने वाली यह उपलब्धि अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधान आरक्षक नवीन मारूवंश भविष्य में भी आमजन की सुरक्षा कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वहीं थाना प्रभारी नैनपुर ने कहा कि नवीन मारूवंश ने अपने सेवाकाल में सदैव निष्ठा मेहनत और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया है। उनकी पदोन्नति उनके उत्कृष्ट कार्यों का परिणाम है।

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस जागरूकता कार्यक्रम

मण्डला (स्वतंत्र मत)। अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस-2026 के अवसर पर कान्हा टाइगर रिजर्व द्वारा वन्यजीव संरक्षण एवं बाघों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। कान्हा प्रबंधन के अधिकारियों द्वारा बफर क्षेत्र के विद्यालयों के साथ-साथ नगर के विद्यालयों में बाघ संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत अधिकारी विद्यालयों में पहुंचकर आकर्षक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर उन्हें वन्यजीव संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। संवाद के दौरान विद्यार्थियों को यह समझाया जा रहा है कि बाघ अद्भुत, अद्वितीय एवं अपरिहार्य क्यों है तथा प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में उसकी क्या महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें प्रकृति एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कुल 20 बाघ संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं जिनमें 2,727 विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया गया है। इसी कड़ी में इको विकास समितियों के सदस्यों के मध्य जागरूकता बढ़ाने हेतु बघवा संगत कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से समिति सदस्यों के साथ संवाद एवं विचारों का आदान-प्रदान कर उन्हें वन एवं वन्यजीव संरक्षण में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया जा रहा है। 6 इको विकास समितियों में बघवा संगत कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं।

नगर क्षेत्र में कई स्थानों पर अवैध शराब का विक्रय

नशामुक्ति अभियान पर उठ रहे सवाल

आबकारी विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

एक ओर जहां पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देशन में एसडीओपी नैनपुर एवं थाना प्रभारी द्वारा लगातार विद्यालयों में पहुंचकर नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध शराब का कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है। यह विरोधाभासी स्थिति आमजन और जागरूक नागरिकों के बीच गंभीर चिंता का विषय बन गई है।

जानकारी के अनुसार नैनपुर नगर के लगभग प्रत्येक वार्ड तथा ग्रामीण अंचलों के अनेक गांवों में अवैध रूप से शराब बेचने का कार्य धड़ल्ले से जारी है। कई स्थानों पर तो दिन-रात शराब की बिक्री हो रही है, जिससे विशेष रूप से युवा वर्ग तेजी से इसकी गिरफ्त में आता जा रहा है। ऐसे हालात में च्नशे से दूरी है जरूरीज्ज जैसे जनजागरूकता नारों की प्रभावशीलता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगे हैं।

विद्यालयों में पुलिस एवं प्रशासन द्वारा छात्र-छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी जा रही है, उन्हें नशामुक्त जीवन जीने की शपथ भी दिलाई जा रही है। लेकिन जब उसी समाज में आसानी से अवैध शराब उपलब्ध हो रही हो, तो युवाओं के लिए इससे दूरी बनाए रखना एक चुनौती बन जाता है। यह स्थिति न केवल सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही है, बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि आबकारी विभाग की निष्क्रियता एवं कहीं न कहीं संरक्षण के चलते यह अवैध कारोबार लगातार बढ़ रहा है। साथ ही शराब ठेकेदारों के बीच प्रतिस्पर्धा भी इस समस्या को और गहरा कर रही है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध शराब के कारोबार पर तत्काल प्रभाव से कठोर कार्रवाई की जाए, नियमित छापेमारी हो तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कदम उठाए जाएं। साथ ही नशामुक्ति अभियान को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए ठोस और समन्वित प्रयास किए जाएं, ताकि युवा वर्ग को इस बुराई से बचाया जा सके।

चीतल का शिकार दो गिरफ्तार

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

कान्हा टाइगर रिजर्व के खटिया रेंज अंतर्गत बटवार बीट में वन विभाग ने वन्यजीव शिकार के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए चीतल का शिकार करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चीतल का मांस भी बरामद किया गया जानकारी के अनुसार वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बटवार बीट क्षेत्र में चीतल का शिकार किया गया है। सूचना मिलते ही एसडीओ आशीष पांडे के निर्देशन में वन अमले ने मौके पर दबिश दी कार्यवाही के दौरान दो आरोपियों को चीतल के मांस के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

देल्हा ग्राम में जमीन विवाद से खूनी संघर्ष

भाई ने बेटों के साथ मिलकर भाई को उतारा मौत के घाट, कुल्हाड़ी से की हत्या, पत्नी गंभीर

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। नैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम देल्हा में जमीन विवाद ने सोमवार को भयावह रूप ले लिया। पारिवारिक विवाद इतना बढ़ गया कि सगे बड़े भाई ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर अपने ही छोटे भाई के घर में घुसकर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला कर दिया। इस निर्मम हमले में छोटे भाई शिव दयाल जंघेला पिता गंगाराम जंघेला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बीच-बचाव करने पहुंची उसकी पत्नी आशा बाई जंघेला गंभीर रूप से घायल हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों भाइयों के बीच लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चला आ रहा था। सोमवार को यह विवाद अचानक उग्र हो गया। आरोप है कि बड़ा भाई रामगुलाम जंघेला पिता गंगा राम जंघेला अपने दोनों बेटों के साथ कुल्हाड़ी लेकर छोटे भाई के घर पहुंचा और बिना किसी चेतावनी के ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पीड़ित की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही नैनपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। घायल महिला को प्राथमिक उपचार के लिए नैनपुर सिविल अस्पताल लाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी भाई को और उनके बेटो को पुलिस ने अपनी हिरासत में ले लिया है। जबकि अन्य आरोपियों की भूमिका को लेकर भी पूछताछ जारी है। पुलिस ने हत्या सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिनदहाड़े हुई इस लोमहर्षक सनसनीखेज वारदात से ग्राम देल्हा में दहशत और शोक का माहौल है। एक मामूली जमीन विवाद ने पूरे परिवार को ऐसी त्रासदी में बदल दिया, जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई, एक महिला जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है।

संपादकीय

ऑपरेशन 'दो-तिहाई'

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का 'ऑपरेशन दो-तिहाई' लगभग अंजाम तक पहुंच चुका है और एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने 'परिसीमन संशोधन बिल' को समर्थन का संकेत देकर अपने 8 सांसदों का दलबदल बचा लिया है। संभावनाएं बन रही हैं कि पवार एनडीए में भी शामिल हो सकते हैं, लेकिन उसके लिए प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशानुसार गृहमंत्री शाह का आग्रह है कि एनसीपी के दोनों गुट आपस में विलय कर एक संगठित पार्टी बनाएं और फिर एनडीए का हिस्सा बनें। एनसीपी का जो गुट दिवंगत अजित पवार के नेतृत्व में टूटा था, वह महाराष्ट्र और केंद्र में एनडीए का हिस्सा है। चुनाव आयोग ने भी इसी गुट को 'असली एनसीपी' की मान्यता दी है, लेकिन मामला अब भी सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। बहरहाल 'ऑपरेशन दो-तिहाई' प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और भाजपा के लिए 'नाक का सवाल' है, क्योंकि बीती 17 अप्रैल को 'परिसीमन संशोधन बिल' लोकसभा में परास्त हो गया था। मोदी सरकार के कार्यकाल में यह पहली अत्यंत महत्वपूर्ण संसदीय पराजय थी, लिहाजा सरकार अब तभी यह संशोधन बिल संसद में लाएगी, जब लोकसभा में उसका दो-तिहाई बहुमत निश्चित हो जाएगा। संविधान संशोधन बिल को पारित कराने की यह संवैधानिक शर्त है कि दो-तिहाई बहुमत का समर्थन होना चाहिए। लोकसभा में फिलहाल 540 सदस्य हैं, जिसका दो-तिहाई 360 है, बिल पारित कराने की संवैधानिक, संसदीय व्यवस्था यह है कि मतविभाजन के समय जितने सांसद सदन में हैं, उनका दो-तिहाई बहुमत होना लाजिमी है, लेकिन सदन में कमोबेश 50 फीसदी सदस्य उपस्थित होने चाहिए। लोकसभा में भाजपा के 240 सांसद हैं, लेकिन एनडीए के पक्ष में कुल 293 सांसद हैं। पिछली बार छोटे दलों के 5 सांसदों ने भी संविधान संशोधन बिल के समर्थन में मतदान किया था, लिहाजा एनडीए के 298 सांसद माने जा सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस के जिन 20 सांसदों ने बगावत कर पालाबदल किया था, उसके बाद अब वे 'नेशनल सिटिजन पार्टी ऑफ इंडिया' के सांसद हैं। त्रिपुरा और बंगाल की यह बौनी-सी, गुमनाम पार्टी पहले से ही एनडीए की घटक है, लिहाजा 'ऑपरेशन दो-तिहाई' के तहत इन 20 सांसदों को गिनते हुए एनडीए को 318 सांसदों का समर्थन हो जाता है। 'असली शिवसेना' (एकनाथ शिंदे वाली) ने उद्धव गुट में सेंध लगाई और 'चाणक्य भाजपा' की सहायता से 6 सांसदों को तोड़ कर पार्टी में शामिल भी कर लिया गया। नतीजतन एनडीए के 324 सांसद हो गए। अब 'गिद्ध-दृष्टि' तमिलनाडु की प्रमुख पार्टी द्रमुक पर है। लोकसभा में उसके 22 सांसद हैं। गौरतलब यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में, तत्कालीन द्रमुक अध्यक्ष करुणानिधि की सहमति से, एनडीए और भारत सरकार में भाजपा-द्रमुक साथ-साथ रहे हैं। ऐसा कोई वैचारिक विभाजन नहीं है। दोनों के बीच कोई 'लक्ष्मण-रेखा' भी नहीं है। हालांकि द्रमुक के कुछ नेताओं ने 'सनातन' के लिए बेहद अभद्र, अश्लील, अमर्यादित शब्दों का इस्तेमाल किया था। राजनीति में ऐसे आचरण, दुर्व्यवहार अक्सर भुला दिए जाते हैं। यदि द्रमुक के 22 सांसद लोकसभा में संशोधन बिल को समर्थन देते हैं, तो एनडीए के पक्ष में 346 सांसद हो सकते हैं। शरद पवार की पार्टी के 8 सांसदों का समर्थन लगभग तय माना जा रहा है, लिहाजा सत्ता-पक्ष के 354 सांसद हो सकते हैं। यह कोई सामान्य संख्या नहीं है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ठीक ही कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी 2029 तक देश का 'राजनीतिक नक्शा' बदल देना चाहते हैं। चूंकि महिला आरक्षण कानून को लागू करने के लिए देश में परिसीमन करना अनिवार्य है, लिहाजा नए बिल में ऐसा प्रावधान हो सकता है कि सभी राज्यों की 50 फीसदी लोकसभा सीटें बढ़ाई जाएंगी। परिसीमन उसी आधार पर किया जाएगा।

खतरनाक वायरसों से निपटेगी एआई निर्मित वैक्सीन

मुकुल व्यास
लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं

हंता वायरस और इबोला जैसे खतरनाक वायरसों के मामले सामने आने के बाद लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक समग्र और प्रभावी वैक्सीन का विकास बहुत आवश्यक हो गया है। अभी दशकों से वैज्ञानिक वैक्सीन के विकास में ज्यादातर एक ही पैटर्न का अनुसरण करते आ रहे हैं। जब एक खतरनाक वायरस सामने आता है तो वैज्ञानिक उसे पहचान कर एक वैक्सीन बनाते हैं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को अब लगता है कि उन्होंने शायद वैक्सीन विकास के उस मॉडल को उलटने का एक तरीका ढूंढ़ लिया है। एक समग्र वैक्सीन की तलाश कर रहे वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से एक वैक्सीन डिजाइन की है।

शोधकर्ताओं का दावा है कि दुनिया में पहली बार एआई का इस्तेमाल करके बनाई गई पूरी तरह से नई वैक्सीन में कई तरह के वायरस के खिलाफ काम करने और दुनिया को भविष्य में होने वाली महामारी से बचाने की क्षमता है। इस वैक्सीन ने शुरुआती मानव सुरक्षा परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे उम्मीद जगी है कि भविष्य की वैक्सीन न सिर्फ जाने-पहचाने वायरसों से बल्कि उनके नए वेरिएंट और उन रोगाणुओं से भी बचा सकती हैं जो अभी सामने आने वाले हैं। यह सफलता एक ऐसी टेक्नोलॉजी पर आधारित है जो एआई का इस्तेमाल करके एक ऐसी तत्व को डिजाइन करती है जिसे शोधकर्ता 'सुपर-एंटीजन' कहते हैं। यह वैक्सीन का मुख्य हिस्सा है जो इम्यून सिस्टम को संक्रमण को पहचानने और उससे लड़ने के लिए प्रशिक्षित करता है। किसी एक वायरस की किस्म को लक्षित करने के बजाय, इस टेक्नोलॉजी का उद्देश्य वायरस के पूरे परिवारों से सुरक्षा प्रदान करना है।

अभी प्रचलित वैक्सीन आमतौर पर वायरस के मौजूदा संस्करण का इस्तेमाल करके बनाई जाती हैं। निःसंदेह इस तरीके से लाखों जानें बची हैं, लेकिन इस विधि की कुछ कमियां भी हैं। इन्फ्लूएंजा और सार्स-कोव-2 जैसे वायरस लगातार परिवर्तित होते रहते हैं, जिससे विज्ञानियों को नए स्ट्रेन के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए वैक्सीन को बार-बार अपडेट करना पड़ता है।

कैम्ब्रिज टीम ने एक अलग रास्ता अपनाया। दुनिया भर के निगरानी कार्यक्रम से इकट्ठा किए गए आनुवंशिक डेटा का इस्तेमाल करके शोधकर्ताओं ने विभिन्न कोरोनावायरस से मिली जानकारी को मशीन-लर्निंग सिस्टम में डाला। एआई ने वायरस के फीचरों का विश्लेषण किया और उन तत्वों की पहचान की जिनके रोगाणुओं के विकसित होने पर बदलने की संभावना सबसे कम थी। फिर टीम ने एक एंटीजन डिजाइन किया जो किसी एक खास स्ट्रेन के बजाय कई तरह के मिलते-जुलते वायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स उत्पन्न कर सकता है। पहले मानव परीक्षण में 39 स्वस्थ वॉलंटियर शामिल थे और इसे खास तौर पर यह पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया था कि वैक्सीन सुरक्षित है या नहीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि वैक्सीन ने कई प्रकार के कोरोनावायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किया। खास बात यह है कि परीक्षण में शामिल वॉलंटियर ने सार्स और उससे जुड़े बैट कोरोनावायरस के खिलाफ भी इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किए, जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मानना ??है कि वे भविष्य में जानवरों से इंसानों में आ सकते हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं ने चेताया है कि अब तक देखा गया इम्यून रिस्पॉन्स मामूली रहा है और असल दुनिया में सुरक्षा के बारे में कोई भी नतीजा निकालने से पहले बहुत बड़े अध्ययन की जरूरत है।

वैज्ञानिकों का एक अन्य दल वायरसों को लक्षित करने के लिए साउंड वेव का इस्तेमाल कर रहा है। ये साउंड वेव मेडिकल स्कैन में पहले से इस्तेमाल हो रही हैं। प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों में वैज्ञानिकों ने दिखाया है कि किस तरह अल्ट्रासाउंड के ब्लास्ट इन्फ्लूएंजा ए और सार्स-कोव-2 को विखंडित कर सकते हैं, जो कोविड-19 का कारण बनता है। प्रयोग से पता चला है कि अल्ट्रासाउंड वेव से होने वाले सूक्ष्म कंपन वायरस के कणों के आसपास की झिल्लियों को तोड़ने के लिए काफी हैं, जिससे वायरस निष्क्रिय हो जाते हैं। बाजील में साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की एक टीम ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है। टीम में शामिल वैज्ञानिकों को यकीन है यह तरीका एक दिन ऐसे वायरस के लिए एंटीवायरल और केमिकल डिसइंफेक्टेंट का विकल्प बन सकता है, जिनकी बाहरी झिल्ली कमजोर होती है। ये प्रयोग अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली अल्ट्रासाउंड मशीनों के साथ किए गए, जिसमें वायरस 3ङ्क20 मेगाहर्ट्ज रेंज में अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी के संपर्क में आए। शोधकर्ताओं ने भौतिक बदलावों के स्नैपशॉट लिए और फिर टेस्ट किया कि क्या ट्रीट किए गए सार्स-कोव-2 सैंपल अभी भी मेजबान कोशिकाओं के लैब मॉडल को संक्रमित कर सकते हैं। वायरस की बाहरी परत के नष्ट होने के साफ सबूत मिले और इसके बाद सार्स-कोव-2 की मॉडल मेजबान कोशिकाओं को संक्रमित करने की क्षमता तेजी से कम हो गई।

दरअसल, यह तरीका अकूस्टिक रेजोनेंस (ध्वनिक प्रतिध्वनि) पर निर्भर करता है। इसमें अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी और वायरस कणों का आकार दोनों मायने रखते हैं। इसके पीछे विचार यह है कि साउंड वेव की फ्रीक्वेंसी वायरस के आवरण की प्राकृतिक कंपन फ्रीक्वेंसी से मेल खाती है, जिससे प्रवर्धित कंपन होते हैं जो इसे नष्ट कर देते हैं। असल में सिर्फ वायरस ही साउंड वेव की एनर्जी पर रिस्पॉन्ड करता है, मेजबान कोशिकाओं पर नहीं। टेस्ट की गई कंडीशन में वायरस के कण आसपास की कोशिकाओं की तुलना में कहीं ज्यादा कमजोर दिखे। टीम को उम्मीद है कि उनका नया तरीका दूसरे वायरल इन्फेक्शन पर भी काम करेगा, और उन्होंने पहले ही यह जांच शुरू कर दी है कि डेंगू, ज़ीका और चिकनगुनिया को उसी तरह कैसे टारगेट किया जा सकता है।

अल्ट्रासाउंड आम तौर पर दर्द रहित होता है और इस्तेमाल में आसान होता है। इसे ठीक से लक्षित किया जा सकता है। इसी वजह से शोधकर्ता इसका इस्तेमाल करने के कई नए तरीके खोज रहे हैं, जिनमें दिमाग में दर्द से राहत और कैंसर का इलाज शामिल है। नई खोज रोमांचक है, लेकिन यह अभी इलाज नहीं है। अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी को और बेहतर बनाने के अलावा अभी भी बहुत काम करना बाकी है। यह स्टडी जानवरों या इंसानों पर किसी प्रयोग के बजाय लैब टेस्ट तक सीमित थी और सिर्फ दो अलग-अलग तरह के वायरसों पर की गई थी। यह महज एक शुरुआत है लेकिन इस टेक्नोलॉजी ने खतरनाक वायरसों से निपटने का एक बिल्कुल नया तरीका पेश किया है।

सिंधु की धारा में मौन सिसकी की आहट

जयसिंह रावत
वरिष्ठ पत्रकार

अमरनाथ यात्रा इस समय अपने चरम पर है, लेकिन यात्रा के पहले ही हफ्ते में बर्फानी शिवलिंग के 60 प्रतिशत तक गल जाने के कारण श्रद्धालुओं को भारी निराशा का सामना करना पड़ा है। पवित्र बर्फीले शिवलिंग के नियत समय से पहले गलने की आवृत्ति और तीव्रता पिछले कुछ सालों में अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है। वास्तव में, यह संकट केवल बर्फानी बाबा तक सीमित नहीं है, बल्कि समूचे सिंधु नदी के जल संभरण (कैचमेंट) क्षेत्र में गहराई से पैर पसार चुका है। पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की अत्यधिक भीड़, भारी निर्माण कार्यों से उड़ते धूल के गुबार और लाखों की संख्या में दौड़ते वाहनों के प्रदूषण ने इस ऐतिहासिक नदी के अस्तित्व को ही गंभीर संकट में डाल दिया है।

सिंधु नदी, जिसने 'हिंदुस्तान' और 'इंडिया' को वैश्विक पहचान दी और 'सिंधु घाटी सभ्यता' को जन्म दिया, आज अपने अस्तित्व के सबसे गंभीर संकट में है। एशिया की यह जीवनदायिनी नदी करोड़ों लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा का आधार है। करीब 11 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला यह बेसिन 'थर्ड पोल' का हिस्सा है। यहां के ग्लेशियर, जो सिंधु के 50 प्रतिशत जल प्रवाह का स्रोत हैं, तेजी से सिकुड़ रहे हैं। आईसीआईएमओडी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2000 के बाद इस क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने की गति लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 1990 से 2020 के बीच इस पूरे क्षेत्र ने अपने ग्लेशियर क्षेत्रफल का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा खो दिया।

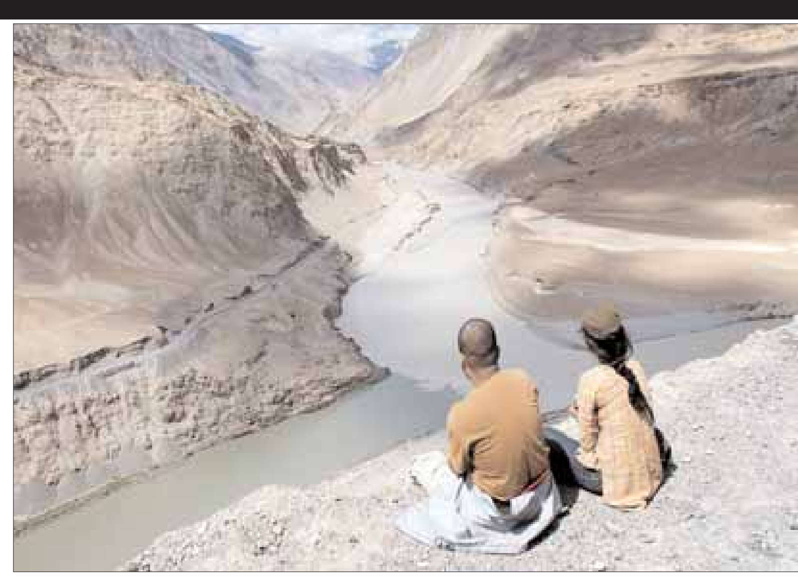

वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों का कहना है कि अब सर्दियों की भारी बर्फबारी का समय बदल रहा है। पहले जो हिमपात दिसंबर से फरवरी के बीच होता था, उसका बड़ा हिस्सा अब मार्च और अप्रैल में हो रहा है, जिससे ग्लेशियरों का प्राकृतिक पुनर्भरण लगातार कमजोर हो रहा है। सोनमर्ग से जोजिला दर्रे तक ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरी सिंध घाटी धूल और धुएं की एक घनी चादर में लिपट गई हो। पर्यटकों के वाहनों की लंबी कतारें, यात्रा की रसद में जुटे बेतहाशा ट्रक, सैन्य बलों के काफिले और मेगा सड़क तथा सुरंग निर्माण परियोजनाओं में लगे भारी अर्थ-मूविंग वाहन प्रतिदिन हजारों की संख्या में इस अत्यंत संकरी और संवेदनशील घाटी से गुजरते हैं। इन वाहनों के पीछे उठते धूल के गुबार और डीजल का काला धुआं हवा के साथ सीधे ऊपर सदियों पुराने हिमनदों की ओर बढ़ते साफ दिखाई देते हैं। सोनमर्ग के निकटवर्ती थजीवास, मचोई और बालटाल के ऊपरी क्षेत्रों में मौजूद ग्लेशियरों की उजली बर्फीली सतह पर मटमैली परत नंगी आंखों से देखी जा सकती है। कदम-कदम पर होने वाले भूस्खलन वाहनों की आवाजाही के दौरान इस धूल को और बढ़ाते हैं। विज्ञान का सीधा-सा नियम है कि स्वच्छ, सफेद बर्फ सूर्य के विकिरण का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा वापस अंतरिक्ष में परावर्तित कर देती है, जिसे अल्बीडो प्रभाव कहा जाता है। लेकिन जब इसी बर्फ की सतह पर धूल, डीजल वाहनों की कालिख या निर्माण कार्यों से उड़ने वाला ब्लैक कार्बन जम जाता है, तो बर्फ का परावर्तन गुण तेजी से घट जाता है। गहरे रंग की यह परत सूर्य की अधिक ऊष्मा को अवशोषित करने लगती है, जिससे बर्फ के पिघलने की गति सामान्य से 30 से 40 प्रतिशत तक अधिक तेज हो जाती है। कश्मीर की सिंध नदी, जो आगे चलकर झेलम और अंततः सिंधु प्रणाली का प्रमुख हिस्सा बनती है, का उद्गम इन्हीं क्षेत्रों में है।

सिंधु बेसिन के ऊपरी क्षेत्रों, विशेषकर लद्दाख, सोनमर्ग और अमरनाथ यात्रा मार्ग में अनियंत्रित पर्यटन ने पर्यावरण पर दबाव डाल दिया है। लद्दाख जैसे शीत मरुस्थल की वहन क्षमता अत्यंत सीमित है, लेकिन वहां प्रतिवर्ष लगभग 5.5 से 6 लाख पर्यटक पहुंच रहे हैं, जबकि वहां की स्थायी आबादी मात्र तीन लाख के आसपास है। पर्यटन के चरम मौसम में प्रतिदिन हजारों डीजल वाहन संवेदनशील क्षेत्रों तक पहुंचते हैं, जिससे न केवल ठोस कचरे और प्लास्टिक का संकट बड़ा हुआ है, बल्कि जल स्रोतों पर भी दबाव पड़ रहा है। जिन क्षेत्रों में कभी प्राकृतिक झरनों का जल पूरे वर्ष उपलब्ध रहता था, वहां अब गर्मियों में पानी का संकट दिखाई देने लगा है। अमरनाथ यात्रा निस्संदेह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है, और सामरिक सुरक्षा के लिए ऑल-वेदर कनेक्टिविटी सुरंगें भी राष्ट्र की प्राथमिकता हैं। लेकिन क्या हिमालय जैसे अत्यंत संवेदनशील और युवा पहाड़ की धारण क्षमता का आकलन किए बिना यह सब अनियंत्रित रूप से होना चाहिए?

वैज्ञानिक अब सिंधु नदी के भविष्य को लेकर 'पीक वाटर' की अवधारणा की चर्चा कर रहे हैं। शुरुआती दशकों में तेजी से पिघलने के कारण नदी में जल प्रवाह बढ़ता हुआ दिखाई देगा, जिससे बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी। लेकिन जैसे-जैसे हिमनद पूरी तरह सिकुड़ जाएंगे, जल प्रवाह स्थायी रूप से घटने लगेगा। इसका सबसे अधिक प्रभाव सिंचाई, पेयजल और खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। सिंधु बेसिन पहले ही विश्व के सर्वाधिक जल तनाव वाले नदी तंत्रों में शामिल है, और आगामी दशकों में यह संकट करोड़ों लोगों के अस्तित्व को दांव पर लगा सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने इस संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्ष 2025-2034 को 'क्रायोस्फेरिक साइंसेज के लिए कार्रवाई का दशक' घोषित किया है। सिंधु के संरक्षण के लिए स्थानीय स्तर पर वैज्ञानिक आधार पर पर्यटन प्रबंधन, केवल भारत स्टेज-6 या इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रवेश की अनुमति, निर्माण मलबे का वैज्ञानिक निस्तारण और प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र की वहन क्षमता के अनुरूप आगंतुकों की सीमा तय करना आवश्यक है। सिंधु आज भी बह रही है, लेकिन उसकी धारा में भविष्य की एक मौन सिसकी और गंभीर चेतावनी भी बह रही है।

कहां चला गया पुलिस के हाथों में लहराने वाला डंडा

संजय सक्सेना
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तर प्रदेश की सड़कों पर वर्षों तक एक दृश्य बेहद सामान्य हुआ करता था, जो अब केवल पुरानी यादों या पुलिस थानों की धूल फांकती फाइलों में सिमट कर रह गया है। खाकी वर्दी पहने एक पुलिस कर्मी, जिसके हाथ में एक लंबी, मजबूत और पॉलिश की हुई बेंत की लाठी होती थी, जिसे स्थानीय भाषा में हम डंडा कहते हैं। वह डंडा केवल पुलिस की वर्दी का एक अनिवार्य अंग मात्र नहीं था, बल्कि वह उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था का वह आधार स्तंभ था, जो बड़े से बड़े मनचलों और अराजक तत्वों को केवल अपनी मौजूदगी से ही अनुशासित कर देता था। एक समय था जब चौराहों पर ट्रैफिक नियंत्रित करते हुए या भीड़ भरे इलाकों में गश्त करते हुए पुलिस वाले के हाथ का वह डंडा किसी भी विवाद को पल भर में शांत करने के लिए पर्याप्त होता था। उस डंडे के प्रति अपराधियों के मन में एक स्वाभाविक और गहरा खौफ था, जो उन्हें कानून की लक्ष्मण रेखा लाँघने से पहले सोचने पर मजबूर कर देता था। लोग कहते हैं कि वह डंडा केवल लकड़ी का टुकड़ा नहीं, बल्कि राज्य के इकबाल और कानून के शासन का प्रतीक था। जब कोई उपद्रवी या अपराधी सड़क पर कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करता, तो पुलिस वाले के हाथ का वह डंडा एक मूक चेतावनी की तरह काम करता था। उस दौर में पुलिस को किसी भी स्थिति को संभालने के लिए हथियारों के प्रयोग या बल की अधिक आवश्यकता नहीं पड़ती थी, क्योंकि वह डंडा एक मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने में सक्षम था। पुलिस कर्मियों के लिए वह डंडा उनकी सुरक्षा कवच भी था और उनके काम का अभिन्न साथी भी। लेकिन समय के साथ स्थितियां बदलने लगीं और पुलिस के हाथों से यह डंडा धीरे-धीरे गायब होने लगा। इस बदलाव के पीछे कई जटिल कारण हैं, जिसमें मानवाधिकार संगठनों की बढ़ती सक्रियता और न्यायपालिका की सख्त होती टिप्पणियां प्रमुख हैं। बीते कुछ दशकों में मानवाधिकारों के प्रति वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता बढ़ी है, जिसका परिणाम यह हुआ कि पुलिस के हर कदम की बारीकी से जांच होने लगी। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने तर्क दिया कि पुलिस के हाथ में लाठी का होना अनियंत्रित बल के प्रयोग को बढ़ावा देता है, जिससे नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हो सकता है। उनके अनुसार, सभ्य समाज में पुलिस को डंडे के बल पर नहीं, बल्कि कानून के तर्क और तकनीकी कौशल के आधार पर काम करना चाहिए। इसके साथ ही, न्यायपालिका ने भी अपने विभिन्न निर्णयों में पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए और यह स्पष्ट किया कि बल का प्रयोग केवल अंतिम विकल्प के रूप में ही किया जाना चाहिए। पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार के शारीरिक बल के इस्तेमाल पर कोर्ट की निगरानी और मीडिया की पैनी नजर ने पुलिस कर्मियों को रक्षात्मक मुद्रा में ला दिया। इन परिस्थितियों ने उत्तर प्रदेश की पुलिस के भीतर एक तरह का डर पैदा कर दिया कि कहीं उनका कोई छोटा सा कदम, जो ड्यूटी के नाते आवश्यक था, उनके लिए कानूनी मुसीबत या निलंबन का कारण न बन जाए। धीरे-धीरे, पुलिस ने खुद को विवादों से बचाने के लिए अपने हाथ से वह डंडा छोड़ देना ही बेहतर समझा। आज स्थिति यह है कि सड़क पर कानून-व्यवस्था संभालने वाले हमारे पुलिस कर्मी एक अजीब सी लाचारी के दौर से गुजर रहे हैं। बिना डंडे के, वे उन उपद्रवियों और मनचलों के सामने निहत्थे से महसूस होते हैं, जो कानून का सम्मान करने के बजाय पुलिस के संयम को उनकी कमजोरी समझने लगे हैं। जब पुलिस कर्मी के हाथ में डंडा नहीं होता, तो अराजक तत्वों का मनोबल बढ़ता है क्योंकि उन्हें पता होता है कि सामने खड़ा पुलिस वाला कानूनी पचड़ों के डर से हाथ नहीं उठा सकता। यह लाचारी केवल पुलिस कर्मियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आम जनता के लिए भी एक चिंता का विषय है। अक्सर देखा गया है कि छेड़खानी के मामलों में, छोटी-मोटी मारपीट या दंगों जैसी स्थितियों में पुलिस के हाथ में मौजूद वह डंडा ही था, जो फौरन शांति स्थापित कर देता था। अब उसके न होने से पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वैकल्पिक तरीकों जैसे आंसू गैस के गोले, लाठीचार्ज के बड़े ऑपरेशन्स या अन्य बल प्रयोगों का सहारा लेना पड़ता है, जिसमें समय भी अधिक लगता है और जनहानि का खतरा भी बढ़ जाता है। डंडे के जरिए जो काम एक पल में हो जाता था, आज उसी के लिए पुलिस को लंबी प्रशासनिक प्रक्रियाओं और बल प्रयोग के आरोपों का सामना करना पड़ता है। पुलिस के हाथ से डंडा छिन जाने का मतलब केवल एक उपकरण का जाना नहीं है, बल्कि यह राज्य के इकबाल और सड़क पर पुलिस की उपस्थिति के प्रभाव में आई कमी का द्योतक है। खाकी और डंडे का जो समन्वय दशकों से चला आ रहा था, उसके टूटने से पुलिस के आत्मविश्वास पर भी असर पड़ा है। आज का पुलिस कर्मी इस दुविधा में जीता है कि वह कानून का पालन कैसे कराए, जबकि उसके पास उस डंडे का संरक्षण नहीं है, जो बिना किसी को नुकसान पहुँचाए ही अनुशासन कायम कर देता था। न्यायपालिका और मानवाधिकारों का सम्मान करना निस्संदेह आवश्यक है और पुलिस का निरंकुश होना किसी भी लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं है, लेकिन इस प्रक्रिया में उस माध्यम को पूरी तरह खत्म कर देना, जो शांति व्यवस्था बनाए रखने में सबसे अधिक प्रभावी था, एक विचारणीय प्रश्न है। क्या हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं, जहाँ पुलिस को तकनीकी और आधुनिक उपकरणों के नाम पर इतना सीमित कर दिया जाएगा कि वह सड़क पर कानून की धज्जियां उड़ाने वालों के सामने असहाय दिखेगी? समाज में अनुशासन बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि पुलिस को उचित कानूनी सुरक्षा और संसाधन मिले, ताकि वह बिना किसी अनावश्यक भय के अपना कर्तव्य निभा सके। बहरहाल, डंडे के बिना पुलिस का सड़क पर होना ऐसा ही है जैसे किसी सिपाही का बिना ढाल के युद्ध के मैदान में उतरना। आने वाले समय में नीति निर्माताओं को यह सोचना होगा कि कानून के शासन और मानवाधिकारों के बीच एक संतुलन कैसे बनाया जाए, ताकि पुलिस के हाथ का वह %प्रतीकात्मक डंडा% फिर से अपनी गरिमा और प्रभाव के साथ वापस लौट सके, जो अपराधियों के मन में डर और आम नागरिकों के मन में सुरक्षा का भाव पैदा करता था। पुलिस की इस लाचारी को खत्म करना केवल पुलिस कर्मियों के मनोबल के लिए ही नहीं, बल्कि एक सुरक्षित और अनुशासित समाज के लिए भी अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि कानून का इकबाल बना रहेगा तभी समाज में व्यवस्था का कायम रहना संभव हो सकेगा।

लखनऊ के जवाहर भवन में भीषण आग

लखनऊ (वार्ता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित जवाहर भवन में सोमवार पूर्वान्ह भीषण आग लगने से परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां और संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंच गईं तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने के बाद भवन में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दमकल कर्मी आग पर काबू पाने और उसे अन्य हिस्सों में फैलने से रोकने के प्रयास में जुटे हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। घटना में किसी के हताहत होने अथवा संपत्ति को हुए नुकसान के संबंध में भी अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है। प्रशासन ने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आग पर पूरी तरह काबू पाने के बाद ही नुकसान तथा आग लगने के कारणों का आकलन किया जाएगा।

ट्रक-कार की टक्कर में पांच लोगों की मौत

वर्धा (वार्ता)। महाराष्ट्र के वर्धा ज़िले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर सोमवार को एक ट्रक के कार को टक्कर मारने से पांच लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यह हादसा आज सुबह करीब छह बजे हुआ, जब ट्रक ने कार को पीछे से टक्कर मारी, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। एक घायल व्यक्ति को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस, हाईवे पेट्रोल के कर्मचारी और बचाव दल मौके पर पहुंचे और मलबे से पीड़ितों को बाहर निकाला और उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

कौशल विकास से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था

लखनऊ (वार्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश की सबसे बड़ी युवा शक्ति से समृद्ध उत्तर प्रदेश कौशल विकास के माध्यम से न केवल विकसित प्रदेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा, बल्कि एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को साकार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे कम से कम एक कौशल अवश्य सीखें और प्रदेश तथा समाज की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले नौ वर्षों में पारंपरिक कौशल और आधुनिक तकनीक के समन्वय पर विशेष बल दिया है। इसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज स्किल स्टेट के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे आधुनिक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और निवेश तथा रोजगार के नए अवसरों का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। योगी ने कहा कि कौशल विकास केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त साधन भी है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में तकनीकी दक्षता और व्यावसायिक कौशल की मांग लगातार बढ़ रही है। ऐसे में युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप किसी न किसी कौशल में दक्षता हासिल करनी चाहिए।

एक ही पेंटिंग पर तीसरा अंतरराष्ट्रीय विश्व रिकॉर्ड

उस अपराजिता के ज़ज्बे को भला कौन नहीं सलाम करना चाहेगा, जो ससुराल में तीसरी मंजिल से फेक दिए जाने के बाद 17 साल बिस्तर पर पड़ी रहीं और हमेशा के लिए कमर से नीचे का सुन्न होने पर भी वाकर से चल पड़ीं। वह शख्सियत हैं वाराणसी की संघर्षशील ऑर्टिस्ट पूनम राय, जिन्होंने एक छोटे-से कैनवास पर एक साथ 648 महिलाओं की विभिन्न दुखांतक मुद्राएं उकेरकर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

वाराणसी की चित्रकार पूनम राय ने रचा इतिहास

जम्मू/देहरादून

वाराणसी की सुप्रसिद्ध चित्रकार पूनम राय ने अपनी बहुचर्चित पेंटिंग 'फेजेज ऑफ फेसेज' के लिए तीसरा अंतरराष्ट्रीय विश्व रिकॉर्ड हासिल कर भारतीय कला जगत को एक और बड़ी उपलब्धि दिलाई है। पूनम राय की इस पेंटिंग को हार्वर्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, लंदन ने एक ही कैनवास पर सर्वाधिक अद्वितीय चेहरे बनाने की श्रेणी में विश्व रिकॉर्ड के रूप में दर्ज किया है। उन्होंने 80 वाय 72 इंच के विशाल कैनवास पर 648 पूर्णत: अलग-अलग और अद्वितीय चेहरे उकेरे हैं। प्रत्येक चेहरे का आकार लगभग तीन इंच है। प्रत्येक चेहरा अपनी अलग पहचान, भाव, व्यक्तित्व और विशिष्ट कलात्मक अभिव्यक्ति प्रस्तुत करता है। इस पूरी कलाकृति को उन्होंने मात्र 17 दिनों में तैयार किया। इस उपलब्धि की विशेष बात यह है कि इसी एक पेंटिंग पर पूनम राय को अब तक तीन अंतरराष्ट्रीय विश्व रिकॉर्ड प्राप्त हो चुके हैं। इससे पूर्व भी इसी कलाकृति के लिए उन्हें दो अंतरराष्ट्रीय विश्व रिकॉर्ड मिल चुके हैं। अब हार्वर्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, लंदन में नाम दर्ज होने के साथ यह उपलब्धि और भी ऐतिहासिक बन गई है। हार्वर्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड्स एक अंतरराष्ट्रीय संस्था है, जिसका मुख्यालय लंदन में स्थित है। पूनम राय ने कहा कि यह सम्मान केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय कला, सृजनशीलता और महिला कलाकारों की प्रतिभा का वैश्विक स्तर पर सम्मान है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार, शुभचिंतकों और सभी कला प्रेमियों को दिया, जिन्होंने उनकी रचनात्मक यात्रा में निरंतर सहयोग और उत्साहवर्धन किया। कला जगत के जानकारों के अनुसार, एक ही पेंटिंग पर तीन अंतरराष्ट्रीय विश्व रिकॉर्ड प्राप्त करना अत्यंत दुर्लभ उपलब्धि है। इससे न केवल पूनम राय का नाम वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठित हुआ है, बल्कि वाराणसी तथा भारत की समृद्ध कला परंपरा को भी नई पहचान मिली है। पूनम राय की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर अनेक कलाकारों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों और कला प्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए इसे भारतीय कला जगत के लिए गौरव का क्षण बताया।

संसद में जनता के मुद्दों पर हो सार्थक चर्चा: मायावती

लखनऊ (वार्ता)

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत पर केंद्र सरकार से जनहित के मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग करते हुए कहा कि देश में राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों के बीच संसद से लेकर सड़कों तक टकराव की स्थिति से बचना चाहिए।

सोमवार को सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में मायावती ने कहा कि मेडिकल समेत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों की भर्ती प्रक्रियाओं में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं से युवाओं में भारी निराशा और असंतोष है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए सरकार को तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए तथा दोषियों के साथ-साथ परीक्षा प्रणाली से जुड़े जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। बसपा प्रमुख ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अभाव के कारण निजी स्कूलों और कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता बढ़ रही है, जिससे आम परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और छात्रों-छात्राओं को आगे बढ़ाने में बाधक तत्वों पर अंकुश लगाने की आवश्यकता बताई।

सुश्री मायावती ने कहा कि युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए ताकि वे अपने पैरों पर खड़े होकर सम्मानजनक जीवन जी सकें। उन्होंने शिक्षा के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान करने और उसकी गुणवत्ता सुधारने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि इन मुद्दों पर समय रहते गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया तो युवाओं में असंतोष बढ़ेगा और विभिन्न स्थानों पर आंदोलन तेज हो सकते हैं। सरकार को संवेदनशीलता के साथ इन समस्याओं का समाधान करना चाहिए।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 11 भेड़ों की मौत

भीलवाड़ा (वार्ता)। राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के मांडल थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग -158 पर रविवार देर रात एक अनियंत्रित वाहन की चपेट में आने से सड़क पार कर रहीं 11 भेड़ों की मौत हो गई, जबकि छह भेड़ें गंभीर रूप से घायल हो गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार देर रात भेड़ों का एक झुंड सड़क पार कर रह रहा था। तभी तेज गति से आए एक अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। इससे कई भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना में पशुपालक किसान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। हादसे की सूचना पुलिस को तुरंत दे दी गई, लेकिन करीब डेढ़ घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। दुर्घटना के चलते राजमार्ग पर करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। बाद में स्थानीय लोगों ने मृत और घायल भेड़ों को सड़क से हटाकर यातायात सुचारु कराया। पुलिस ने अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

धमाकों से दहले तबरीज-चाबहार, जल उठा होर्मुज

वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव लगातार और गंभीर होता जा रहा है। अमेरिकी सेना ने लगातार नौवीं रात ईरान पर नए हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति के सीधे निर्देश पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अमेरिकी समयानुसार, शाम 7 बजे एक बार फिर ईरान के खिलाफ हवाई हमलों का नया और बड़ा मोर्चा खोल दिया।

यह लगातार 9वीं ऐसी रात है जब अमेरिकी फाइटर जेट्स और मिसाइलों ने ईरान पर भारी बमबारी की है। सेंटकॉम ने साफ किया है कि इन हमलों का एकमात्र मकसद होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक नाविकों पर हमला करने वाली ईरानी सैन्य क्षमताओं को पूरी तरह से नेस्तनाबूद करना है। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी हमलों में उत्तर-पश्चिमी शहर तबरीज समेत कई इलाकों को निशाना बनाया गया। वहीं ईरानी मीडिया ने दक्षिणी प्रांत होरमोज़गान और बुशेहर में तेज धमाकों की आवाजें सुनाई देने की पुष्टि की है। ईरान की अर्ध-सरकारी मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, दक्षिण-पूर्वी शहर चाबहार में भी कई विस्फोट हुए, जिसके बाद कोनारक क्षेत्र में ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिए गए। इस भीषण गोलाबारी के बीच ब्रिटिश सेना ने एक बेहद चिंताजनक इनपुट साझा किया है। ब्रिटिश नौसेना के मुताबिक, ओमान के तट के करीब होर्मुज में एक बड़े व्यापारिक जहाज में भीषण आग लग गई है और वह धू-धू कर जल रहा है। हालांकि आग लगने की वजह और जहाज की पहचान को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। आशंका जताई जा रही है कि यह जहाज ईरान या अमेरिका समर्थित बलों के हमले का शिकार हुआ है। इस बीच क्षेत्रीय तनाव को देखते हुए बहरीन की राजधानी मनामा स्थित अमेरिकी दूतावास ने सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। दूतावास ने कहा है कि उसे ऐसी सूचनाएं मिली हैं कि ईरान मध्य मनामा के कुछ अज्ञात स्थानों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकता है।

ट्रंप ने ब्रिटेन को गरीबी से जूझती बर्बादी बताते हुए तेल उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया

वॉशिंगटन (वार्ता)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन को गरीबी से जूझती बर्बादी करार देते हुए एक बार फिर उसे उत्तर सागर में तेल उत्पादन शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया है। इससे पहले, ब्लूमबर्ग ने खबर दी थी कि ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम उत्तर सागर में तेल उत्पादन की नयी परियोजनाओं को मंजूरी देने का इरादा रखते हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा, नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने कहा है कि वह उत्तर सागर के बेशकीमती तेल के लिए रास्ते पूरी तरह खोल देंगे, यह धरती पर अच्छी गुणवत्ता वाले तेल के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है, इसमें सैकड़ों सालों तक उत्पादन की क्षमता बाकी है, और बहुत सारा तेल तो अभी खोजा भी नहीं गया है। यह ब्रिटेन को गरीबी से जूझती बर्बादी की हालत से निकालकर दुनिया के सबसे अमीर देशों में से एक बना देगा। उन्होंने कई बार ब्रिटेन को उत्तर सागर में तेल उत्पादन बढ़ाने की सलाह दी है।

जनसंख्या बढ़ रही है, सरकार की भी सीमाएं हैं!

5 मौतों पर यूपी के मंत्री की दलील

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर स्थित फुगाना थाना क्षेत्र के हबीबपुर गांव में रविवार देर रात बारिश के कारण कच्चा मकान भरभरा कर गिर गया। इस दुखद हादसे में मलबे में दबकर पिता इस्लामुद्दीन समेत उनके पांच बच्चों की मौत हो गई, जबकि दो बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। इसके बाद घटनास्थल पर अधिकारियों और नेताओं का जमावड़ा लग गया। इन्हीं में बीजेपी नेता और मंत्री कपिल देव अग्रवाल भी शामिल थे। लेकिन उन्होंने दुखभरी घड़ी में ऐसा बयान दे दिया जिसने कई सवाल खड़े कर दिए। आपको बता दें कि हबीबपुर गांव में रविवार देर रात बारिश के चलते एक कच्चा घर अचानक गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। मलबे के नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला गया। इस हादसे में 52 वर्षीय पिता इस्लामुद्दीन, 8 माह के बेटे जीशान, 2 साल के आहद, 5 साल की बेटी अल्शिफ़ा और 12 साल की रुकसार की मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल बेटियों रुकैया और सुमैया को इलाज के लिए जिला अस्पताल भर्ती कराया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री कपिल देव अग्रवाल घायलों का हाल-चाल जानने के लिए मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों को बच्चियों के समुचित इलाज के तत्काल निर्देश दिए। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ने भी घटना का संज्ञान लिया है और जिलाधिकारी तथा एसएसपी को मौके पर भेजा गया है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को सरकार की ओर से अनुमन्य आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाएगी और प्रशासन इस दुख की घड़ी में पूरी तरह से परिवार के साथ खड़ा है। जिला अस्पताल में मीडिया से बात करते हुए मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने हादसे पर विवादित बयान दे दिया। उन्होंने संवेदना व्यक्त करने के साथ ही बढ़ती आबादी का जिक्र किया। मंत्री ने कहा कि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है और पक्के मकान मिलने के बाद नया परिवार खड़ा हो जाता है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार में नौ बच्चे हैं और सरकार की भी अपनी सीमाएं होती हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

आवाज की कशिश से गीता दत्त ने श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में गीता दत्त ने अपनी मधुर, भावपूर्ण और कशिश भरी आवाज से लाखों श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। 23 नवंबर 1930 को तत्कालीन अविभाजित भारत के फरीदपुर (अब बांग्लादेश) में जन्मी गीता दत्त का मूल नाम गीता घोष रॉय चौधरी था। जब वह लगभग 12 वर्ष की थीं, तब उनका परिवार मुंबई आकर बस गया। बचपन से ही गीता की रुचि संगीत में थी और वह गायिका बनना चाहती थीं।

उन्होंने संगीत की प्रारंभिक शिक्षा पंडित हनुमान प्रसाद से प्राप्त की। गीता दत्त को वर्ष 1946 में फिल्म 'भक्त प्रह्लाद' के लिए पहली बार गाने का अवसर मिला। इसी दौरान उनकी मुलाकात महान संगीतकार एस.डी. बर्मन से हुई। बर्मन ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें अपनी फिल्म 'दो भाई' (1947) में गाने का अवसर दिया। वर्ष 1947 में प्रदर्शित फिल्म 'दो भाई' गीता दत्त के करियर की निर्णायक फिल्म साबित हुई। इस फिल्म का गीत 'मेरा सुंदर सपना बीत गया' अत्यंत लोकप्रिय हुआ और गीता दत्त रातोंरात चर्चित पार्श्वगायिका बन गईं। इस गीत की सफलता ने उन्हें फिल्म उद्योग में स्थापित कर दिया।

वर्ष 1951 गीता दत्त के जीवन में एक नया मोड़ लेकर आया। फिल्म 'बाजी' के निर्माण के दौरान उनकी मुलाकात प्रसिद्ध निर्देशक और निर्माता गुरुदत्त से हुई। फिल्म के गीत 'तदबीर से बिगड़ी हुई तकदीर बना ले' की रिकॉर्डिंग के दौरान गुरुदत्त उनके व्यक्तित्व और प्रतिभा से प्रभावित हुए। दोनों के बीच प्रेम हुआ और वर्ष 1953 में उन्होंने विवाह कर लिया। फिल्म 'बाजी' की सफलता के साथ गीता दत्त की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ी। पचास के दशक में उन्होंने अनेक यादगार गीत गाए और हिंदी फिल्म संगीत की अग्रणी गायिकाओं में शामिल हो गईं। उनकी आवाज में दर्द, रोमांस, चंचलता और संवेदना का अद्भुत संगम था। वर्ष 1958 में प्रदर्शित फिल्म 'हावड़ा ब्रिज' में गाया गया गीत 'मेरा नाम चिन चिन चू' उनके करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुआ। संगीतकार ओ.पी. नैयर को प्रारंभ में संदेह था कि गीता दत्त इस तरह के पाश्चात्य शैली के गीत को प्रभावी ढंग से गा पाएंगी या नहीं, लेकिन गीता दत्त ने इस चुनौती को स्वीकार किया और गीत को इतनी खूबसूरती से प्रस्तुत किया कि वह आज भी लोकप्रिय है। गीता दत्त के पसंदीदा संगीतकारों में एस.डी. बर्मन का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। उनकी जोड़ी ओ.पी. नैयर के साथ भी बेहद सफल रही।

उन्होंने 'बाबूजी धीरे चलना', 'जाता कहां है दीवाने', 'वक्त ने किया क्या हसीं सितम', 'न जाओ सैंया छुड़ा के बैयां', 'आजा सजन मोहे अंग लगा लो' और 'ये लो मैं हारी पिया' जैसे कालजयी गीतों को अपनी आवाज दी। वर्ष 1957 के बाद गीता दत्त और गुरुदत्त के वैवाहिक जीवन में तनाव बढ़ने लगा। गुरुदत्त चाहते थे कि गीता केवल उनकी फिल्मों के लिए ही गाएं।

धीरे-धीरे अन्य निर्माताओं और निर्देशकों ने भी उनसे दूरी बनानी शुरू कर दी। अंतत: दोनों अलग रहने लगे। इस अलगाव ने गीता दत्त के व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को गहराई से प्रभावित किया। 10 अक्टूबर 1964 को गुरुदत्त का निधन हो गया। उनकी असामयिक मृत्यु ने गीता दत्त को गहरा आघात पहुंचाया। इस सदमे का असर उनके स्वास्थ्य और करियर पर भी पड़ा। उन्हें फिल्मों में काम कम मिलने लगा और आर्थिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ा। कुछ वर्षों बाद गीता दत्त ने अपने परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए फिर से संघर्ष शुरू किया। उन्होंने स्टेज कार्यक्रमों और बंगाली फिल्मों में गायन के माध्यम से अपनी पहचान पुन: स्थापित करने का प्रयास किया। वर्ष 1967 में प्रदर्शित बंगाली फिल्म 'बधू बरन' की सफलता से उन्हें कुछ हद तक फिर पहचान मिली। हिंदी के अलावा गीता दत्त ने अनेक बंगाली फिल्मों और गैर-फिल्मी गीतों को भी अपनी आवाज दी। उनकी गायकी का प्रभाव केवल हिंदी सिनेमा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बंगाली संगीत जगत में भी उन्हें अत्यंत सम्मान प्राप्त हुआ। सत्तर के दशक की शुरुआत में उनका स्वास्थ्य लगातार खराब रहने लगा और उन्होंने धीरे-धीरे गायन से दूरी बना ली। गीता दत्त का 20 जुलाई 1972 को मात्र 41 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

76 वर्ष के हुए नसीरुद्दीन

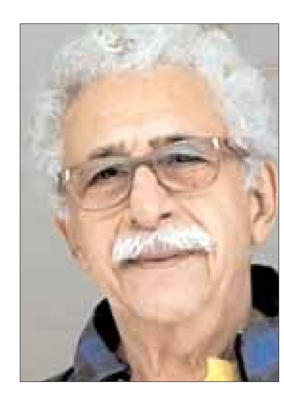

बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता नसीरुद्दीन शाह आज 76 वर्ष के हो गए। समानांतर सिनेमा से लेकर व्यावसायिक फिल्मों तक अपनी बहुमुखी अभिनय प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले नसीरुद्दीन शाह भारतीय सिनेमा के सबसे सम्मानित और प्रभावशाली कलाकारों में गिने जाते हैं।

20 जुलाई 1950 को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में जन्मे नसीरुद्दीन शाह ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अजमेर और नैनीताल में प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। अभिनय के प्रति गहरी रुचि के चलते उन्होंने वर्ष 1971 में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली में प्रवेश लिया और अभिनय की बारीकियां सीखीं। वर्ष 1975 में नसीरुद्दीन शाह की मुलाकात प्रख्यात फिल्मकार श्याम बेनेगल से हुई। उस समय श्याम बेनेगल अपनी फिल्म 'निशांत' के निर्माण की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने नसीरुद्दीन शाह की प्रतिभा को पहचानते हुए उन्हें फिल्म में अभिनय का अवसर दिया। इसके साथ ही उनके फिल्मी करियर की मजबूत शुरुआत हुई। वर्ष 1976 नसीरुद्दीन शाह के करियर का महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ। इस दौरान उनकी 'भूमिका' और 'मंथन' जैसी चर्चित फिल्में प्रदर्शित हुईं। दुग्ध क्रांति की पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म 'मंथन' में उनके अभिनय को विशेष रूप से सराहा गया। यह फिल्म भारतीय सिनेमा के इतिहास में इसलिए भी उल्लेखनीय मानी जाती है क्योंकि इसके निर्माण के लिए गुजरात के लाखों किसानों ने आर्थिक सहयोग दिया था। वर्ष 1977 में उन्होंने अपने मित्रों बेंजामिन गिलानी और टॉम ऑल्टर के साथ मिलकर एक थिएटर समूह की स्थापना की। रंगमंच के प्रति उनके समर्पण ने उन्हें अभिनय की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इसी क्रम में सैमुअल बेकेट के प्रसिद्ध नाटक 'वेटिंग फॉर गोडोट' का मंचन भी किया गया। वर्ष 1979 में प्रदर्शित फिल्म 'स्पर्श' में उन्होंने एक दृष्टिबाधित व्यक्ति की भूमिका निभाई। फिल्म में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किया गया।

रायपुर के स्कूल में रोटरी क्लब की उपस्थिति में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

शनिवार को ग्राम रायपुर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में रोटरी क्लब के पूर्व असिस्टेंट गवर्नर मिनेन्द्र डागा एवं अशोक राजपूत की अनुशंसा पर पूर्व डिस्ट्रिक्ट गर्वनर अखिल देव मिश्र द्वारा प्रदत्त वाटर कूलर का लोकार्पण, एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण, मेधावी विद्यार्थी सम्मान एवं विद्यालय के 18 वे स्थापना दिवस का आयोजन रोटरी क्लब के सदस्यों की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ वीणापानी के पूजन उपरांत अतिथियों के स्वागत से हुआ, जिसमें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय की गौरवशाली यात्रा शून्यता से दिव्यता के मूल मंत्र पर चलकर विद्यालय की उपलब्धियों पर विद्यालय के शिक्षक अम्बर शर्मा द्वारा प्रभावी प्रकाश डाला गया। इस शुभ अवसर पर रोटरी क्लब गाडरवारा द्वारा विद्यालय को प्रदान किए गए वाटर कूलर का लोकार्पण रोटरी क्लब के समस्त पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न कर समस्त अतिथियों के करकमलों से एक पेड़ मां के

नामज्ज अभियान के तहत विविध प्रजाति के बहुमूल्य 21 पौधे विभिन्न प्रजातियों के बहुमूल्य पौधों का पवित्र पौधारोपण कार्य संपन्न किया गया। तत्पश्चात सभागार में गुरुपूर्णिमा पखवाड़े की दिवस वार निर्धारित अवधारणा से रोटरी क्लब गाडरवारा के अध्यक्ष शरद मौलासरिया ने गुप्त नवरात्रि के पावन पर्व को प्रकाशित कर गुरु शिष्य परंपरा , विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, विद्यालय की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं एवं अनुशासित वातावरण की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं परिश्रम के माध्यम से आगामी परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने के लिए अत्यंत प्रभावी मार्गदर्शन प्रदान किया। इस संपूर्ण कार्यक्रम के प्रेरणास्त्रोत मार्गदर्शक रोटरी क्लब के पूर्व ए.डी.जी. मिनेंद्र डागा ने विद्यार्थियों को प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि च्च्प्रणाम से परिणाम बदलते हैं और संगत से रंगत बदलती है ञ्ज उन्होंने विद्यार्थियों को श्रेष्ठ संस्कार, सकारात्मक सोच एवं अच्छी संगति अपनाने का संदेश दिया और अपनी उत्कृष्ट सहज सरल शैली, सौम्य व्यवहार और अपने ओजस्वी उद्बोधन से समस्त विद्यार्थियों को जीवन जीने के मूल मंत्र से लेकर विद्यार्थी धर्म के पालन का संदेश दिया। उन्होने कैरियर मार्गदर्शन के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्हें उनके उज्जवल भविष्य निर्माण हेतु लक्ष्य पर केंद्रित कर मातृभूमि की सेवा के भाव का ध्येय धारित कर शुभकामनाएं प्रदान की ।कार्यक्रम के एक दिवसीय आयोजन में बाल सभा की अवधारणा को समाहित कर गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रतिभा सम्मान के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान , संस्था प्राचार्य गजेंद्र कौरव का सम्मान एवं कुशल मंच संचालक शिक्षक अम्बर शर्मा एवं संस्था के लिए समर्पित सेवक नारायण भैया को समस्त पदाधिकारियों के द्वारा सम्मानित किया गया। उक्त समस्त कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अंत में विद्यालय के प्राचार्य श्री कौरव ने सभी अतिथियों, रोटरी क्लब गाडरवारा के सदस्यों, अभिभावकों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यालय के सर्वांगीण विकास में निरंतर सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। कार्यक्रम विद्यालय के समस्त शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कन्या नवीन स्कूल में सेमिनार आयोजित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

शनिवार को स्थानीय पीएमश्री शासकीय कन्या नवीन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में माहेश्वरी महिला मंडल गाडरवारा द्वारा बाल एवं किशोरी विकास समिति के अंतर्गत एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मार्गदर्शक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माँ सरस्वती पूजन से शुरू हुए कार्यक्रम में आज के बदलते परिवेश में बच्चों के सही मानसिक विकास और अभिभावकों के सही मार्गदर्शन के लिए विशेष केरियर काउंसलिंग एवं अवेयरनेस सेमिनार मुख्य वक्ता नागपुर से आई काउंसलर मनीषा देशमुख ने किशोरावस्था की मानसिक एवं भावनात्मक चुनौतियां एवं समाधान विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने छात्राओं से विभिन्न प्रश्न पूछे एवं संवाद करते हुए कहा कि वर्तमान परिवेश में मोबाइल का उपयोग सिर्फ अध्ययन हेतु करना चाहिये।

किशोरावस्था के समय में कभी कभी भटकाव हो है लेकिन हमें अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए जीवन में आगे बढ़ना चाहिये। माहेश्वरी महिला मंडल की स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती अनुराधा काबरा ने बताया कि युवा वर्ग को आज के दौर में इस प्रकार के समस्या समाधान शिवरों की अति आवश्यकता है और माहेश्वरी महिला मंडल हमेशा इस तरह के सामाजिक कार्यों को गति प्रदान करता रहेगा। इस अवसर पर कार्यक्रम में प्राचार्य सतीश नाईक ने कहा कि इस सेमिनार से छात्राओं को नया सीखने को मिला है। कार्यक्रम में माहेश्वरी महिला मंडल की समस्त सदस्य एवं स्कूल स्टॉफ के सदस्य व छात्राएँ उपस्थित रही ।

अमृता कोचिंग सेंटर में 10 वर्ष पूरे होने पर अमृता श्रीवास्तव द्वारा मेधावी छात्रों का सम्मान

नरसिंहपुर।

जरजोला रोड़ पर स्थित अमृता कोचिग सेन्टर में मेधावी छात्रों के जीवन पर प्रकाश डालकर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमतीं नीना बुधौलिया रही एवम विशिष्ट अतिथि श्रीमतीं विभा दुबे,श्रीमती अंजू साहू एवम अनुराधा नामदेव रहीं।कार्यक्रम में श्रीमतीं अमृता द्वारा बच्चों के उज्वल भविष्य एवम बच्चे को प्रोत्साहित करने हेतु शील्ड एवम मैडल देकर सम्मानित किया गया। संस्था में सुविधाएं देकर बच्चों को सामान्य शुल्क एवम प्रतियोगिता द्वारा निशुल्क अध्ययन कराया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च अध्ययन एवम हाई परसेंटेज हेतु मोटिवेट करना था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सी बी एस सी के रुद्र लोधी,मान्या साहू,हुदा शिराज़ी,प्रिंस मेहरा,आराध्या श्रीवास्तव एवम मध्यप्रदेश बोर्ड के आदर्श उमरे, प्रवीण मेहरा ,अमित प्रजापती, एकांश लोधी,महिमा साहू,सिद्धि विश्वकर्मा को सम्मानित किया गया।

दीपाली साहू एवम निकिता पटेल,अमृता श्रीवास्तव को इस काम में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरणा एवं प्रोत्साहन श्रीजी संस्थान के द्वारा किया गयाद्य मैडम को कोचिंग के संचालन में विशेष सहयोग हेतु कार्यक्रम के माध्यम से श्रीमतीं श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद दिया गया।

25 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का सफल समापन

उजाले के मुसाहिब का हुआ सफल मंचन

नरसिंहपुर।

मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय (संस्कृति संचालनालय, मध्य प्रदेश शासन, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर से संबद्ध) एवं रंगसरोकार नाट्य समिति, एवं द्वद्बद्व कॉलेज,नरसिंहपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 25 दिवसीय नाट्य कार्यशाला का शनिवार, 18 जुलाई 2026 को सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यशाला का समापन प्रशिक्षु कलाकारों द्वारा सुप्रसिद्ध साहित्यकार विजयदान देथा की कहानी पर आधारित नाट्य प्रस्तुति उजाले के मुसाहिब के

प्रभावशाली मंचन के साथ किया गया। नाटक का निर्देशन वरुण शर्मा (मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय) ने किया।

25 दिनों तक चले इस प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभागियों को अभिनय, वाचिक एवं आंगिक अभिव्यक्ति, स्वर एवं शारीरिक प्रशिक्षण, मंच अनुशासन, चरित्र निर्माण, समूह समन्वय, रंग-अभ्यास तथा नाट्य प्रस्तुति की व्यावहारिक विधियों का गहन प्रशिक्षण दिया गया। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने नियमित अभ्यास कर रंगमंच की विभिन्न विधाओं का अनुभव प्राप्त किया।

समापन अवसर पर प्रस्तुत नाटक उजाले के मुसाहिब ने अपनी सशक्त प्रस्तुति, प्रभावी अभिनय, प्रकाश योजना, संगीत तथा मंच संयोजन से दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। प्रस्तुति के उपरांत दर्शकों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी मुक्तकंठ से सराहना की।

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ रंगकर्मियों, साहित्यकारों, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, कला प्रेमियों एवं ,बड़ी संख्या में नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशेष रूप से जबलपुर से विवेचना रंग मंडल के आए रंग साथी भी उपस्थित रहे,,अतिथियों ने कहा कि इस प्रकार की नाट्य कार्यशालाएँ युवाओं के व्यक्तित्व विकास, रचनात्मक सोच, सांस्कृतिक चेतना तथा सामाजिक संवेदनशीलता को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

आयोजकों ने कार्यशाला की सफलता का श्रेय मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय के मार्गदर्शन, विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के समर्पित सहयोग, स्थानीय प्रशासन, सहयोगी संस्थाओं, मीडिया प्रतिनिधियों तथा सभी प्रत्यक्ष एवं परोक्ष सहयोगियों को देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी ऐसे रचनात्मक आयोजन निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे प्रदेश में रंगमंच की समृद्ध परंपरा को नई ऊर्जा और दिशा मिल सके। उक्त जानकारी संस्था के पुनीत त्रिवेदी ने दी।

एनटीपीसी विंध्याचल राजभाषा अनुभाग द्वारा सीएचपी एवं रसायन विभाग मे हिंदी कार्यशाला किया गया का आयोजन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन एवं कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रसायन विभाग एवं सीएचपी विभाग में विभागीय हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। दिनांक 20 जुलाई 2026 को प्रात: 10ञ्00 बजे रसायन विभाग में विभागीय कर्मचारियों के लिए हिंदी कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में राजभाषा विभाग द्वारा राजभाषा नियम, 1976 के सभी 12 नियमों एवं राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के महत्वपूर्ण प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को तकनीक के माध्यम से सरल बनाने हेतु प्रतिभागियों को ई-टूल्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस दौरान लीला सॉफ्टवेयर एवं कंठस्थ 2.0 जैसे भारतीय भाषा आधारित सॉफ्टवेयरों के उपयोग एवं उनके लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई। रसायन विभाग की कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष श्री टी.एन. सीतारमण ने हिंदी को अत्यंत सरल एवं व्यवहारिक भाषा बताते हुए कहा कि इसे अपनाने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं है। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यालयीन कार्यों में अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी का प्रयोग करने तथा राजभाषा संबंधी सभी संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया। दोनों कार्यशालाएं सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुईं। अंत में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा राजभाषा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का संकल्प लिया। इसी क्रम में दिनांक 14 जुलाई 2026 को भी सीएचपी विभाग के वर्कशॉप सभागार में आयोजित हिंदी कार्यशाला में महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री एम. सुरेश, विभागाध्यक्ष(सीएचपी) श्री शिवा प्रसाद एसपी सहित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री एम. सुरेश मणिकम ने हिंदी को लोकप्रिय एवं जनप्रिय भाषा बताते हुए कार्यालयीन कार्यों में इसके अधिकाधिक प्रयोग तथा राजभाषा नीति के प्रभावी अनुपालन पर बल दिया।

लापरवाह अधिकारियों पर जुर्माना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का गंभीरता और गुणवत्ता के साथ समय पर निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने नॉन अटेंडेड शिकायतों को लेकर 18 अधिकारियों पर 11-11 सौ रूपए का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए बैठक में कलेक्टर ने कहा कि नामांतरण सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध पंजीयन एवं निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा आवेदन आने के साथ ही आरसीएमएस पोर्टल पर उसे दर्ज किया जाए। साथ ही आरसीएमएस पोर्टल पर नामांतरण प्रकरण दर्ज न किए जाने पर मोहगांव नायब तहसीलदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए बैठक में मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि बायोफ्लॉक तकनीक से मत्स्य पालन के लिए 53 नए हितग्राहियों की बैंक प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। बैठक में मंडला की कला वीथिका के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार पर भी चर्चा की गई।

लोक अदालत आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देश तथा मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कमल जोशी के निर्देशन में शनिवार को जिला न्यायालय एवं तहसील न्यायालय नैनपुर निवास तथा बिछिया में धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 के प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया अदालत में कुल 22 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

हिंदी सेवा की मासिक गोष्ठी

मण्डला (स्वतंत्र मत)। विगत दिनों तुलसी साहित्य अकादमी अखिल भारतीय हिंदी सेवा समिति मध्य प्रदेश एवं राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के संयुक्त तत्वाधान में पावस पर आधारित ऑनलाइन मासिक गोष्ठी का आयोजन संपादक गीत पराग डॉ गीता गीत के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

जय कुमार पांडे बने एएसआई

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस विभाग में उत्कृष्ट सेवाएं अनुशासित कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा का सम्मान करते हुए बीजाडांडी थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक जय कुमार पांडे को पदोन्नति प्रदान कर सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) बनाया गया। पदोन्नति के इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार रघुवंशी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा ने कार्यालय में कंधों पर स्टार लगाकर एएसआई की नई जिम्मेदारी का औपचारिक रूप से अलंकरण किया तथा उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस सेवा में पदोन्नति केवल पद परिवर्तन नहीं बल्कि जिम्मेदारियों और विश्वास में वृद्धि का प्रतीक होती है। उन्होंने कहा कि ईमानदारी अनुशासन समर्पण और उत्कृष्ट कार्य के आधार पर मिलने वाली यह उपलब्धि अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने विश्वास जताया कि सहायक उपनिरीक्षक जय कुमार पांडे भविष्य में भी आमजन की सुरक्षा कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा ने कहा कि सहायक उपनिरीक्षक जय कुमार पांडे ने अपने सेवाकाल में सदैव निष्ठा मेहनत और जिम्मेदारी के साथ कार्य किया है। उनकी पदोन्नति उनके उत्कृष्ट कार्यों का परिणाम है। पदोन्नति पर मित्र परिजन व अधिकारी कर्मचारियों ने श्री पांडे को बधाई प्रेषित की है।

राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई द्वारा पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित

नरसिंहपुर।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नरसिंहपुर के प्राचार्य डॉ. आर.बी. सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में हरित प्रदेश अभियान के अंतर्गत पौधारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रानी कुमारी, वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष (एचओडी) डॉ. शोभा मिश्रा, आलोक तिवारी, अर्पित सक्सेना, हेमंत अहिरवार, महाविद्यालय के अन्य प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर

पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस कार्यक्रम में ईको क्लब, स्वच्छ भारत मिशन, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की भी भागीदारी रही। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण बढ़ाना तथा समाज में स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के प्रति जनजागरूकता विकसित करना था। इस अवसर पर उपस्थित सभी स्वयंसेवकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा संकल्प लिया कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएंगे, उनकी नियमित देखभाल करेंगे और अपने आसपास के लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान हरित एवं स्वच्छ मध्यप्रदेश के निर्माण का संदेश भी दिया गया।

चड्ढा कंपनी के कर्मचारी पर पैसे लेकर नौकरी देने के लग रहे गंभीर आरोप

सिंगरौली। एनसीएल की जयंत व दूधिचूआ परियोजना मे ओबी का कार्य कर रही चड्ढा कंपनी का मैनेजमेंट का कार्य देख रहा बबलू मिश्रा इस समय सुर्खियों मे छाया हुआ है, ज्ञातव्य हो बबलू मिश्रा लोकल दलालो के माध्यम से दो से तीन लाख रूपये लेकर भर्ती कर रहा है। इसके ऊपर कई जनप्रतिनिधिओ,समाजसेवियों के द्वारा भी पैसे लेकर भर्ती करने का आरोप लगाये जा चुके है। बबलू मिश्रा चड्ढा कंपनी के मालिक को गुमराह करके दलालो के माध्यम से लम्बे पैसे लेकर कर रहा भर्ती। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बबलू मिश्रा शाम होते ही दलालो के यहाँ रंगरेलिया मनाने पहुँच जाता है और शराब कबाब का मजा लेता है और सुबह होते ही चड्ढा के मालिक को इधर उधर कि बातो मे उलझाकर गुमराह करके भर्ती करता है।

बबलू मिश्रा के करोड़ों रूपये के भ्रष्टाचार के जाँच की उठी माँग

बबलू मिश्रा जो कि खुद एक दलाल है,लोकल दो चार दलालो से मिलकर करोड़ों रूपये कि बेमानी संपत्ति अर्जित कि है जिसको अपने परिवार के लोगो के नाम ट्रांसफर कर दी है जल्द ही इसके भ्रष्टाचार कि शिकायत लोकायुक्त मे की जायेगी जिसमे दुध का दुध और पानी का पानी हो जायेगा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जब ये चड्ढा कंपनी मे नौकरी करने आया था तो इसके पास कुछ नही था लेकिन दो चार सालो मे करोड़ो रूपये का अबैध संपत्ति मालिक बन चुका है। कई लोगो ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि और कई प्रकार के भ्रष्टाचार है जो कि अगले अंक मे प्रसारित किये जायेंगे।

नौकरी मांगने वाले विस्थापितो के साथ दलालो को आगे खड़ा करके करवाता है गाली गलौज व मारपीट-जिनकी एनसीएल ने जमीने ली है ऐसे गरीब विस्थापित परिवार अगर नौकरी मांगने जाते है तो सबसे पहले दलालो को आगे खड़ा करके गाली गलौज मारपीट पर करवाता है जिससे कई विस्थापित परिवार जिनकी जमीने कटिंग एरिया मे है ओ आज भी नौकरी के लिए तरस रहे है।

मोरवा थाना प्रभारी व तहसीलदार कंपनी का एजेंट बनकर रहते है तैयार-चड्ढा कंपनी मे कोई विस्थापित, प्रभावित, स्थानीय या कोई राजनितिक पार्टी जो विस्थापितों के लिए नौकरी की माँग करने जाती है उसके पहले ही थाना प्रभारी मोरवा अपनी पुरी थाने की फोर्स लेकर कंपनी की सेवा मे हाजिर हो जाते है इसी प्रकार तहसीलदार अभिषेक यादव किसी कंपनी मे आंदोलन की सूचना भर दे दीजिये सारे प्रशासनिक कार्य छोड़कर कंपनी की सेवा मे हाजिर रहते है। इन्ही सब की वजह से भ्रष्ट बबलू मिश्रा का मनोबल बढ़ा हुआ है।

युवा कांग्रेस ने दिया था मुहतोड़ जवाब

युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिसोदिया (सोनू),व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मोरवा के अध्यक्ष व पार्षद शेखर सिंह ने विस्थापितों की नौकरी की माँग लेकर आंदोलन किया था मौके पर बबलू मिश्रा के न आने से नाराज सभी युवा कांग्रेस के युवाओं ने कैम्प मे जाकर बबलू मिश्रा जमकर लताड़ लगाई थी, स्थानीय लोगो ने कहाँ ऐसे ही भ्रष्ट दलाल बबलू मिश्रा को लताड़ की जरुरत है तभी ए सुधरेगा।

कलेक्टर के आदेश की अवहेलना कर रही चड्ढा कंपनी

ओबी कम्पनियो मे रोजगार के आये दिन आंदोलन होते रहते थे तब तत्कालीन कलेक्टर ने स्थायी समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों से मिलकर एक आदेश निकाला था कि जो नई कंपनी ओबी कार्य करने आएगी वो पुराने कंपनी मे कार्य कर रहे सभी पुराने कर्मचारियों को रोजगार देगी इस हिसाब से रामकृपाल कंपनी के सारे कर्मचारियों को चड्ढा कंपनी के द्वारा रोजगार देना चाहिए लेकिन एक भी व्यक्ति को रोजगार नही दिया गया जिससे आये दिनो मे बड़े आंदोलन होने कि सम्भावना है।

दूधिचूआ परियोजना के जीएम व पीओ तथा एसओपी को खुलेआम देता है गाली

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बबलू मिश्रा जो कि चड्ढा कंपनी के भर्ती प्रक्रिया का सर्वे सर्वा बना हुआ है वो आये दिन एनसीएल दूधिचूआ परियोजना के जीएम,पीओ, एसओपी को लोगो के सामने खुलेआम गाली देता है आखिर क्या मजबूरी है कि बड़े बड़े अधिकारी इसके भ्रष्टाचार मे चुप चाप बैठे है। चड्ढा कंपनी के खिलाफ जल्द ही कई सामाजिक, राजनैतिक संगठन बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दिए है।

महापौर, ने जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विकास परियोजनाओं की रखी आधारशिला

हर वार्ड तक विकास का संकल्प, दो क्षेत्रों में शुरू हुए महत्वपूर्ण निर्माण कार्य

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर के श्री रामजानकी हनुमान वार्ड क्रमांक 18 एवं शिवाजी वार्ड में लगभग 76.50 लाख की लागत से विभिन्न जनहितैषी विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद रागिनी मनोज गुप्ता एवं प्रभा गुप्ता सहित जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति में पूजा-अर्चना कर विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से दोनों वार्डों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

श्री रामजानकी हनुमान एवं शिवाजी वार्ड में लगभग 76.50 लाख से अधिक के विकास कार्यों का शुभारंभ

दोनों वार्डों में विभिन्न विकास कार्यों की रखी गई आधारशिला

भूमिपूजन कार्यक्रम के अंतर्गत श्री रामजानकी हनुमान वार्ड क्रमांक 18 में प्रेमनगर के पास लगभग 14.11 लाख की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण एवं 13 लाख की लागत से आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। वहीं शिवाजी वार्ड में राधा रम्यानी कॉलोनी में लगभग 49.39 लाख की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया।

आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से नागरिकों को मिलेगा सीधा लाभ

निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर सड़क, सुरक्षित आवागमन, सामुदायिक गतिविधियों के लिए आधुनिक भवन तथा बच्चों एवं महिलाओं के लिए सुसज्जित आंगनवाड़ी भवन की सुविधा प्राप्त होगी। इन कार्यों से दोनों वार्डों के अधोसंरचनात्मक विकास को मजबूती मिलेगी और नागरिकों के दैनिक जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाया जा सकेगा।

हर वार्ड बने सुविधा संपन्न, यही निगम की कार्ययोजना- महापौर

महापौर ने कहा कि नगर निगम शहर के प्रत्येक वार्ड में आवश्यकता आधारित विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ा रहा है। सड़क, नाली, सामुदायिक भवन तथा अन्य सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार इसी सोच का हिस्सा है, ताकि नागरिकों को अपने क्षेत्र में ही बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि नगर निगम का प्रयास प्रत्येक वार्ड का संतुलित, समावेशी एवं योजनाबद्ध विकास सुनिश्चित करना है।

क्षेत्रीय पार्षदों ने व्यक्त किया आभार

क्षेत्रीय पार्षद रागिनी मनोज गुप्ता एवं प्रभा गुप्ता ने वार्डों में विकास कार्यों के शुभारंभ पर महापौर एवं नगर निगम प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को लंबे समय से अपेक्षित सुविधाएं प्राप्त होंगी तथा दोनों वार्डों के विकास को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम में मेयर-इन-काउंसिल सदस्य डॉ रमेश सोनी, सुभाष शिब्बू साहू, सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, मनोज गुप्ता सहित स्थानीय नागरिकों में पिंकी चौधरी, लक्ष्मी रैदास, सुदर्शन पटेल, सरोज पटेल, रामकृपाल सूर्यवंशी, गीता चौधरी, राजकुमारी चौधरी, दीपा गुप्ता, रुक्मणी ठाकुर, मीनाक्षी आशीष पाली सहित अन्य जनों की मौजूदगी रही।

कॉम्बिंग गश्त : कटनी पुलिस की प्रभावी कांबिंग गश्त में सख्त कार्यवाही

कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिला कटनी में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया, एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चर्तुवेदी, एसडीओपी विजयराघवगढ़ वीरेन्द्र धार्वे, डीएसपी हेडक्वार्टर रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में विशेष कांबिंग गश्त अभियान चलाया गया।

गश्त के दौरान प्रमुख कार्रवाई - स्थाई वारंटी- कटनी पुलिस द्वारा काम्बिग गस्त अभियान में न्यायालय द्वारा विभिन्न प्रकरणों के जारी कुल 17 स्थाई वारंटी गिरफ्तार किए गए। गिरफ्तारी वारंटी- काम्बिग गस्त के दौरान विभिन्न न्यायालय द्वारा जारी विभिन्न प्रकरणों के 49 वारंटी गिरफ्तार किए गए। गुंडा चेकिंग- पुलिस द्वारा अपराधियों के घर जाकर कुल 36 गुंडा चेक किए गए। निगरानी बदमाश- कटनी पुलिस द्वारा अचानक दबिश देकर निगरानी बदमाशों के घर जाकर 32 निगरानी बदमाश चेक किए गए। अवैध शराब परिवहन एवं विक्रय एवं सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन करने पर प्रतिबंध लगाने हेतु कटनी पुलिस ने काम्बिंग गस्त के दौरान 15 प्रकरण आबकारी एक्ट के तहत दर्ज किए गए। सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वाले 15 वाहन चालकों के विरुद्ध 185 एमवी एसीटी के तहत कार्रवाई की गई। जमानती वारंट- कटनी पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए संमस व 31 जमानती वारंट गस्त के दौरान तामील किए गए।

112 से अधिक गुंडे, निगरानी बदमाश, आदतन अपराधी, जेल रिहाई को किया गया चेक

समंस- कटनी पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए 15 संमस गस्त के दौरान तामील किए गए। जुआ एक्ट के तहत 02 प्रकरण दर्ज किये गये। अवैध मादक पदार्थो पर कार्यवाही करते हुए 01 प्रकरण दर्ज किया गया। धारा 170 बीएनएसएस की कार्यवाही- परिशांति भंग करना पाये जाने पर 01 आरोपी के विरूद्ध धारा 170 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गयी।

धारा 126,135 बीएनएसएस की कार्यवाही- परिशांति कायम रखने हेतु 52 व्यक्तियों के विरूद्ध धारा 126,135 बीएनएसएस के तहत कार्यवाही की गयी। जिलाबदर चेकिंग- कांबिंग गस्त के दौरान जिला बदर किए गए 03 बदमाश को चेक किया गया। मुसाफिर चेक- कांबिंग दस्त के दौरान रात्रि में आने जाने वाले 54 मुसाफिरों को चेक कर रजिस्टर में इंद्राज किया गया।

जगन्नाथ महाप्रभु की रथ यात्रा का आहना की समाज सेविकाओं ने किया स्वागत

जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना की तरफ से किया शर्बत वितरण

कटनी (स्वतंत्रमत)। भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की विश्व विख्यात 144 वां रथ महोत्सव कटनी के जगन्नाथ चौक स्थित मंदिर परिसर से निकाली गई। इस भव्य रथ यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महाआरती के बाद यात्रा शहर में भ्रमण के लिए रवाना हुई जगह-जगह पुष्प वर्षा से श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ माता सुभद्रा और बलभद्र भगवान का अभिवादन किया। इसी दौरान जायंट्स ग्रुप ऑफ कटनी आहना की समाज सेविकाओं ने हर्षोल्लास से जगन्नाथ महाप्रभु की यात्रा का स्वागत किया। साथ ही यात्रा में शामिल हजारों श्रद्धालुओं की प्यास बुझाने के लिए मीठे पानी का वितरण भी किया। इस पुनीत कार्य में जायंट्स ग्रुप का अहाना कटनी की अध्यक्ष वाणी गट्टानी, निशा गुप्ता, स्वाति नायक, लक्ष्मी, सुनीता नायक, सुषमा नायक, शिखा गुप्ता, अनीता नायक, मंजूषा नायक, उपासना, वंदना नायक, रश्मि गट्टानी और रिचा के साथ-साथ अन्य श्रद्धालु जनों का सहयोग रहा।

बारिश से पहले जर्जर स्कूल भवनों पर चला बुलडोजर

कटनी (स्वतंत्रमत)। मानसून के दौरान जर्जर भवनों से संभावित दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए नगर निगम ने पुराने और अनुपयोगी शासकीय विद्यालय भवनों को हटाने की कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में पहरुआ स्थित ईपीएस शासकीय माध्यमिक शाला के जर्जर भवन को जेसीबी मशीन की सहायता से ध्वस्त किया गया। नगर निगम ने बताया कि यह कार्रवाई विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए की जा रही है। भवन को हटाने के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन किया गया और पूरा क्षेत्र सुरक्षित रखने के बाद डिस्मेंटल की प्रक्रिया पूरी की गई। निगम प्रशासन के अनुसार जनपद शिक्षा केंद्र एवं समग्र शिक्षा अभियान से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर चिन्हित अन्य जर्जर शासकीय विद्यालय भवनों पर भी चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि वर्षाकाल में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या जनहानि की संभावना को रोका जा सके।

संघ ने जिला कलेक्टर से मुलाकात कर उचित समाधान हेतु पत्र एवं ज्ञापन सौंपा

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा कटनी के जिलाध्यक्ष पूर्णेश उइके एवं मीडिया प्रभारी अनिल पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 15 जुलाई को संघ के द्वारा जिला कलेक्टर से मुलाकात कर समस्त विभागों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा जारी नवीन पदोन्नति नियम 2025 के अनुपालन में कटनी जिले के चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के पदोन्नति आदेश शीघ्र जारी करने ई अटेंडेंस के संबंध में उचित समाधान हेतु समस्त विभागों में वरिष्ठता सूची जारी करने जाने जिला स्तरीय संयुक्त परामर्शदात्री बैठक आयोजित करने एवं

विभागीय स्तर की समस्याओं के उचित समाधान हेतु मांग पत्र ज्ञापन सौंपा गया जिला कलेक्टर ने अति शीघ्र निराकरण कराने हेतु सहयोग आश्वासन दिया है उक्त मुलाकात करने में संघ के पदाधिकारी अजय गौतम, उप प्रांताध्यक्ष राकेश जसूजा, कार्यकारी अध्यक्ष अजीमुद्दीन शाह, नीलेश धर्मेंद्र राज, राकेश पांडेय, अभिषेक सिंह, आयुष पांडेय, नरेश राठौर, सुशील यादव अन्य उपस्थित रहे।

पेपर लीक के विरोध में कटनी में धरना

केंद्र सरकार को बर्खास्त करने की उठी मांग

कटनी (स्वतंत्रमत)।

स्थानीय कचहरी चौराहे में नगर के विभिन्न जागरूक एवं समाजसेवी लोगों के द्वारा पेपर लीक एवं सरकार की तानाशाही के विरोध में छात्रों के समर्थन मे दिल्ली में किये जा रहे आंदोलन के समर्थन में कटनी में भी धरना देकर केंद्र सरकार को बर्खास्त किए जाने की मांग की गई एवं महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन एसडीएम कटनी के माध्यम से दिया गया। वर्तमान में देश की जो स्थिति है वह आम जनता के हित में नहीं दिख रही लगातार शिक्षा बद से बदतर हो रही है, शासकीय संस्थाओं को निजी हाथों में सोपा जा रहा है रोजगार के अवसर नौजवानों को मिल नहीं रहे केंद्र की सरकार हर स्थिति में असफल है जो आम जनता के हित में कुठाराघात कर रही है ऐसी स्थिति में केंद्र की सरकार को पद में बने रहने का अधिकार नहीं है इन्हें तत्काल बर्खास्त किया जाए, और नए चुनाव कराए जाकर लोकतांत्रिक सरकार का गठन किया जाए साथ ही ईवीएम मशीन से चुनाव प्रतिबंधित किए जाएं धरने में मुख्य रूप से विन्देश्वरी पटेल, सचिन शर्मा, श्रावण सोनी, रामलोचन तिवारी, शिव प्रसाद पटेल, सुशील पटेल, लेखराज सिंह राजू, राजा मनोज निगम, रघुवीर प्रसाद, श्रीकांत शर्मा, ठाकुर हरबंस सिंह, प्रभात पांडे सहित विभिन्न लोग धरने में सम्मिलित हुए और अपनी बात रखी।

महाविद्यालय में 20 केवी सौर ऊर्जा संयंत्र हेतु विद्युत क्रय अनुबंध संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर, जिला कटनी एवं मुड़वारा विधायक संदीप प्रसाद जायसवाल के विशेष सहयोग एवं मार्गदर्शन तथा प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के कुशल नेतृत्व में शासकीय कन्या महाविद्यालय ने हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। महाविद्यालय ने मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के समन्वय में मेसर्स टंकारा एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ 20 केवी ग्रिड-कनेक्टेड फ्रूटॉप सोलर पीवी सिस्टम से सौर ऊर्जा क्रय हेतु दीर्घकालिक विद्युत क्रय अनुबंध संपन्न किया है। यह परियोजना आरईएससीओ मॉडल के अंतर्गत संचालित की जाएगी। इस परियोजना के माध्यम से महाविद्यालय परिसर में स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा, जिससे विद्युत व्यय में कमी आने के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आएगी। यह पहल ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं सतत विकास के प्रति महाविद्यालय की प्रतिबद्धता को सशक्त बनाएगी तथा छात्राओं को हरित ऊर्जा के महत्व एवं उसके व्यावहारिक उपयोग के प्रति प्रेरित करेगी। महाविद्यालय परिवार इस महत्वपूर्ण परियोजना को साकार करने में कलेक्टर, जिला कटनी, मुड़वारा विधायक संदीप प्रसाद जायसवाल, मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड तथा मेसर्स टंकारा एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त करता है। यह पहल भविष्य में महाविद्यालय को ऊर्जा आत्मनिर्भर, पर्यावरण-अनुकूल एवं सतत विकास के आदर्श संस्थान के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगी।

दो आरोपियों को 2 किलो गांजा के साथ किया गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी द्वारा मादक पदार्थों के व्यापार में लगे व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु आदेशित किया गया था जिसके पालन में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के मार्ग दर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य व एसडीओपी आंकाक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन मे थाना प्रभारी ढीमरखेडा महिमा रघुवंशी के नेतृत्व में अवैध मादक पदार्थ गांजा के व्यापार में लगे दो व्यक्ति को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। 19 जुलाई को हमराह स्टाफ ढीमरखेडा पुलिस ग्राम खमतरा बिचुआ मोड मेनरोड में दो व्यक्ति अपनी अपनी गाडी लेकर खडे दिखे जो पुलिस को पास आते आचनक भागने लगा जो उसके संदेहस्पद होने से स्टाफ की मदद से घेराबंदी कर पकडा गया कर उससे उनका नाम पता पूछा जो अपना आरोपी मुकेश पिता पांडू बैगा उम्र 28 साल निवासी ग्राम ताला थाना चंदिया का होना बताया जिसके कब्जे से 1 किलो 240 ग्राम एक पल्सर मोटर सायकिल एंव प्रकाश राय पिता राजकुमार राय उम्र 21 साल निवासी ग्राम बडखेरा का होना बताया जिसके कब्जे से 1 किलो 327 ग्राम एक स्कूटी कुल मादक पदार्थ 2 किलो 567 ग्राम किमती 33000 रूपये एंव अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया है। आरोपियों के विरूद्ध अपराध क 406/26 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का कायम कर विवेचना मे लिया गया।

टीईटी के बाद ही शिक्षकों को मिलेगा प्रमोशन

शिक्षकों की पदोन्नति को लेकर नया विवाद, नए नियम से असमंजस में शिक्षक

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शिक्षकों की पदोन्नति को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। भोपाल संभाग में जारी एक आदेश के बाद शिक्षकों में हड़कंप मच गया है। इस आदेश से प्रदेश भर के शिक्षकों में यह आशंका गहरा गई है कि भविष्य में केवल शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी उत्तीर्ण शिक्षकों को ही पदोन्नति का लाभ दिया जाएगा। हालांकि लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक आदेश या स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है। इसके बावजूद आदेश को लेकर शिक्षकों और शिक्षक संगठनों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। भोपाल स्थित सूत्रो ने बताया कि आदेश में लिखा है कि आयुक्त अभिषेक सिंह वीडियो कांफ्रेसिंग के बाद मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम- 2025 के तहत भोपाल संभाग के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी किया गया, इसमें टीईटी उत्तीर्ण सहायक शिक्षकों और प्राथमिक शिक्षकों का विस्तृत विवरण मांगा गया है। साथ ही विषयवार एवं संवर्गवार रिक्त पदों और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के रिक्त पदों की प्रमाणित जानकारी भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश सामने आने के बाद शिक्षकों में यह चर्चा तेज हो गई कि कहीं पदोन्नति के लिए टीईटी को अनिवार्य पात्रता तो नहीं बनाया जा रहा। यदि ऐसा हुआ तो बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षक, जिन्होंने टीईटी उत्तीर्ण नहीं किया है, पदोन्नति से वंचित हो सकते हैं। अलग-अलग जिलों में अलग तरीके से जानकारी मांगे जाने से भ्रम और अधिक बढ़ गया है।

शिक्षकों ने उठाए सवाल

शिक्षकों ने कहा कि यदि पदोन्नति में टीईटी को अनिवार्य बनाया जा रहा है तो इसका कानूनी और प्रशासनिक आधार सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने यह भी पूछा है कि यह नियम किन-किन शिक्षक संवर्गों पर लागू होगा। संगठन का कहना है कि जब तक विभाग स्पष्ट आदेश जारी नहीं करता, तब तक टीईटी के नाम पर अतिरिक्त जानकारी मांगने से बचना चाहिए। पदोन्नति के लिए सामान्य जानकारी मांगी गई है। इसमें टीईटी संबंधी जानकारी केवल प्रशासनिक रिकार्ड के लिए मांगी गई है या भविष्य में इसे पदोन्नति की अनिवार्य शर्त बनाया जाएगा। इस संबंध में विभाग से कोई निर्देश नहीं मिले हैं।

केरल से पूरे भारत में नशे के विरुद्ध जनजागरण कर रहीं बाइक राइडर सायनी पहुँचीं कटनी

पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने किया अभिनंदन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत केरल से बाइक द्वारा संपूर्ण भारत की यात्रा कर नशे के विरुद्ध जनजागरण अभियान चला रहीं सायनी द राइडर कटनी जिले पहुँचीं। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा ने सायनी का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया तथा उनके इस प्रेरणादायी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने की दिशा में उनका यह प्रयास अत्यंत सराहनीय एवं प्रेरणास्पद है। सायनी ने आमजन, युवाओं एवं विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि जिस प्रकार बाइक का एक्सीलरेटर बढ़ाने पर उसकी गति तेज हो जाती है, उसी प्रकार नशा करने के बाद व्यक्ति का शरीर और दिमाग अनियंत्रित हो जाता है। लेकिन जैसे वाहन को सुरक्षित चलाने के लिए ब्रेक आवश्यक होता है, वैसे ही नशा व्यक्ति के जीवन से नियंत्रण, विवेक और संतुलन छीन लेता है। अंततः उसका जीवन शून्य की ओर बढ़ जाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को नशे से दूर रहना चाहिए।

स्पेन के दबदबे के बीच रोड्री ने विश्व कप का गोल्डन बॉल जीता

न्यूयॉर्क (वार्ता)।

स्पेन ने रविवार को न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर अपना दूसरा पुरुष विश्व कप खिताब जीतकर व्यक्तिगत पुरस्कारों की हैट्रिक अपने नाम की । स्पेन फुटबॉल टीम के कप्तान और मिडफील्डर रोड्रिगो हर्नांडेज कैस्केन्टे (रोड्री) ने टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में गोल्डन बॉल का पुरस्कार जीता, उनाई सिमोन ने गोलकीपर के रूप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए गोल्डन ग्लव जीता, और पाउ कुबार्सी ने अपने साथी 19 वर्षीय टीम के साथी लामिन यामल को हराकर सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार अपने नाम किया । अर्जेंटीना के स्टार लियोनेल मेसी टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के रूप में रिकॉर्ड तीसरी बार गोल्डन बॉल जीतने की उम्मीद कर रहे थे। 1978 में पहली बार दिए जाने के बाद से यह पुरस्कार कई बार जीतने वाले वह एकमात्र खिलाड़ी हैं और 39 वर्ष की आयु में अर्जेंटीना को लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचाने में उनके योगदान ने उन्हें एक और पुरस्कार जीतने का मजबूत दावेदार बना दिया। लेकिन स्पेन को दूसरी

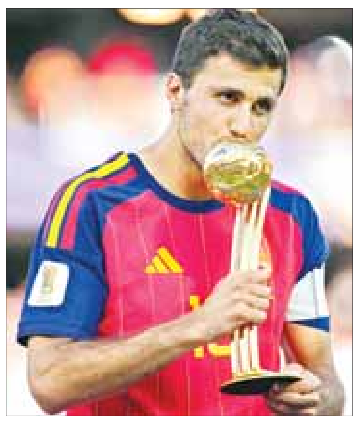

बार विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले कप्तान रोड्रिगे को यह पुरस्कार मिला। मेसी को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि फ्रांस के किलियन एमबापे को कांस्य पदक से नवाजा गया। पुरस्कार के बाद रोडी ने कहा, यह टीम अविश्वसनीय है। हम दो बार विश्व चैंपियन बने हैं। यह एक कठिन उपलब्धि है, जिसे हासिल करना सबसे मुश्किल है। और हमने अर्जेंटीना जैसी टीम के खिलाफ यह खिताब जीता। उन्होंने कहा, मुझे गर्व है और मैं चाहता हूं कि आने वाली पीढ़ियां देखें कि यह संभव है। एक खिलाड़ी जो आसमान छूता है और फिर नीचे में गिर जाता है, वह फिर से उठने में भी सक्षम होता है। यह विपरीत परिस्थितियों पर विजय पाने का एक उदाहरण है, और आपको विश्वास रखना होगा। सच कहूं तो, यह अविश्वसनीय है। मैनचेस्टर सिटी के इस मिडफील्डर ने टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं किया, लेकिन उनके पास देने और गेंद पर नियंत्रण रखने की क्षमता स्पेन की खेल शैली का अहम हिस्सा है। वे विश्व कप, यूईएफए चैंपियंस लीग और बैलोन डी ओर जीतने वाले सिर्फ 11वें खिलाड़ी बने।

स्पेशल ओलंपिक्स भारतीय फुटबॉल टीम ने गोथिया कप 2026 में जीता कांस्य पदक

नयी दिल्ली (वार्ता)।

बेयरिंग और मोबिलिटी सॉल्यूशन की एक जानी-मानी ग्लोबल प्रोवाइडर, एसकेएफ इंडिया लिमिटेड ने आज एक खास समारोह में स्पेशल ओलंपिक्स भारत फुटबॉल टीम को सम्मानित किया। यह समारोह स्वीडन में 2026 में हुए गोथिया कप में टीम के शानदार प्रदर्शन का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था। इस इवेंट में एथलीट, कोच, अधिकारी, पार्टनर और जाने-माने लोग ग्लोबल स्टेज पर टीम की शानदार कामयाबी का सम्मान करने के लिए एक साथ आए। भारत के कैंपेन की सबसे खास बात स्पेशल ओलंपिक्स भारत बॉयज़ फुटबॉल टीम का शानदार प्रदर्शन था, जिसने दुनिया के सबसे बड़े और सबसे प्रतिष्ठित इंटरनेशनल यूथ फुटबॉल टूर्नामेंट में से एक, गोथिया कप 2026 में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। इस कामयाबी ने एथलीटों के पक्के इरादे, हिम्मत और खेल में बेहतरीन होने को दिखाया, साथ ही ग्लोबल स्टेज पर सबको साथ लेकर चलने वाले खेलों में भारत की बढ़ती मौजूदगी को भी मज़बूत किया। इस मौके पर बोलते हुए, एसकेएफ इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, शैलेश शर्मा ने कहा, हमें स्पेशल ओलंपिक्स भारत बॉयज़ फुटबॉल टीम पर बहुत गर्व है कि उन्होंने गोथिया कप 2026 में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। उनकी यह कामयाबी लगन, अनुशासन और टीम वर्क की ताकत का सबूत है। एसकेएफ इंडिया में, हमारा मानना है कि होनहार खेल में इंसानियत को बिना किसी भेदभाव के समावेशी जीवन जीने में मदद करने की काबिलियत है, ऐसी कोशिशें जो एथलीटों को बड़े सपने देखने और ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर आगे बढ़ने के बराबर मौके देती हैं।

किलियन एमबापे ने जीता गोल्डन बूट

लियोनेल मेसी के रविवार को स्पेन के खिलाफ फाइनल में गोल करने में विफल रहने के बाद किलियन एमबापे ने विश्व कप गोल्डन बूट बरकरार रखा है । उन्होंने 2026 विश्व कप में शानदार 10 गोल और 4 असिस्ट के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर यह ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की है। फ्रांस और रियल मैड्रिड के स्ट्राइकर एमबापे ने तीसरे स्थान के प्लेऑफ में इंग्लैंड के खिलाफ 6-4 की हार में दो गोल किए, जिससे टूर्नामेंट में उनके गोलों की कुल संख्या 10 हो गई, और वह दो विश्व कप (2022, 2026) में गोल्डन बूट जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। एमबापे ने अर्जेंटीना के मेस्सी (आठ गोल), नॉर्वे के एर्लिंग हालैंड (सात),

इंग्लैंड के जूड बेलिंघम (सात) और हैरी केन (छह) और टीम के साथी उस्मान डेम्बेले (छह) से प्रतिस्पर्धा को मात दी । फ्रांस के पहले मैच में, सेनेगल के खिलाफ 3-1 की जीत में, एमबापे ने दो गोल किए और फिर इराक के खिलाफ 3-0 की जीत में भी दो गोल किए । उन्होंने नॉर्वे के खिलाफ 4-1 की जीत में कोई गोल नहीं किया, लेकिन राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 3-0 से जीत में दो गोल किए। पैराग्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में पेनल्टी से किया गया उनका गोल ही एकमात्र गोल था और क्वार्टरफाइनल में मोरक्को के खिलाफ 2-0 की जीत में उन्होंने एक गोल दागा था। सेमीफाइनल में फ्रांस, स्पेन से 2-0 से हार गया, लेकिन तीसरे स्थान के लिए खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ एमबापे ने दो और गोल दागे। हाफ टाइम तक 4-0 से पीछे चल रही उनकी टीम ने ब्रेक के बाद शानदार वापसी की। चार साल पहले, अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में हैट्रिक लगाकर मेसी को पछाड़ते हुए एमबापे ने गोल्डन बूट जीता था।

मेसी की हार के बावजूद स्कालोनी को टीम पर गर्व

अर्जेंटीना के मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने स्वीकार किया कि स्पेन विश्व कप जीतने का हकदार था, लेकिन हार के बावजूद उन्हें अपनी टीम पर गर्व है। गत चैंपियन ने अपने पिछले चार नॉकआउट मैचों में से प्रत्येक को जीतने के लिए देर से गोल किए थे, लेकिन न्यूयॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम में एक और नाटकीय खेल से बचने में असमर्थ रहे। मैच के बाद स्कालोनी ने कहा, मुझे दुख हो रहा है। कोई इस बारे में बहुत कुछ कह सकता है कि हम यहां तक कैसे पहुंचे, लेकिन यह इसके लायक नहीं है। मैं बस इन खिलाड़ियों को अपना अनंत धन्यवाद देना चाहता हूं जो एक बार फिर हमें फाइनल में ले गए। वे (स्पेन) बेहतर थे, यह सच है,

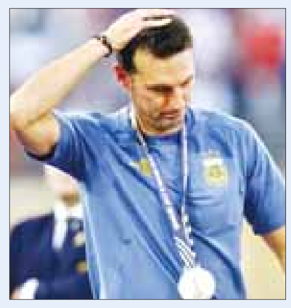

लेकिन मेरे खिलाड़ियों ने जो हासिल किया उसकी जबरदस्त यादें मेरे पास रहेंगी। हम जीत में महान हैं और हार में भी ऐसा ही होना चाहिए।

आज रात, हम दिखाते हैं कि हम हारना जानते हैं। हम हार गए और हमने इसे स्वीकार कर लिया। अगर वे सब कुछ वैसे ही देते हैं जैसे उन्होंने आज किया, तो यह लोगों और हमारे देश के लिए एक महान उदाहरण स्थापित करता है। आपको खुद को फिर से चुनना होगा। जब आप सब कुछ वैसे ही छोड़ देते हैं, तो किसी भी चीज़ में दोष ढूंढना बहुत मुश्किल होता है। स्पेन ने मैच पर कब्ज़ा जमाया और बमुश्किल अर्जेंटीना को अपने आक्रमणकारी स्थान पर आने दिया।

लेकिन अपने प्रभुत्व के बावजूद, मौजूदा यूरोपीय चैंपियन ने तब तक बढ़त नहीं बनाई जब तक कि स्थानापन्न फेरान टोरेस ने 106वें मिनट में गोल नहीं कर दिया। सामान्य समय के अंत में दूसरे पीले कार्ड के लिए एंज़ो फर्नांडीज के आउट होने से एल्बीसेलेस्टे का मामला और अधिक कठिन हो गया था।

नंबर 1 रैंक वाली टीम को हराना शानदार कामयाबी: हैरी ब्रूक

लंदन (वार्ता)।

लॉर्ड्स में तीसरे वनडे से पहले रोहित शर्मा और उनके रिटायरमेंट को लेकर बड़े पैमाने पर अटकलें लोगों की बातचीत का विषय बनी हुई थीं, आईसीसी वनडे रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज़ इंग्लैंड ने टॉप रैंक वाली भारत को हराकर और सीरीज़ अपने नाम करके सबका दिल जीत लिया। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने मैच के बाद कहा, मुझे लगा कि हमने कड़ी टक्कर दी और बहुत अच्छे से बातचीत की, ठीक वैसे ही जैसे हमने पूरे टी 20 में किया था। दुनिया की नंबर 1 टीम के ख़िलाफ़ सीरीज़ जीतना एक शानदार कामयाबी है। इंग्लैंड का पहली पारी का 387 रन का बड़ा स्कोर जैकब बेथेल और बेन डकेट के बीच 192 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की वजह से बना था। ब्रूक ने अपने ओपनर्स की तारीफ करते हुए कहा, हमने उस टेम्पलेट के बारे में बहुत बात की जिसके

साथ हम खेलना चाहते थे। जिस तरह से बेथ (बेथेल) और डकी (डकेट) ने पारी की शुरुआत की, वह शानदार था। 20 या 30 ओवर के बाद कोई विकेट नहीं गिरना, बिना ज़्यादा रिस्क लिए, एक शानदार पार्टनरशिप थी। फिर रूटी (जो रूट) ने वही किया जो रूटी करते हैं, और जिस तरह से जोस (बटलर) ने पारी खत्म की, वह देखना बहुत बढ़िया था। यह एक बहुत, बहुत अच्छा ऑल-राउंड बैटिंग परफॉर्मेंस था। भारत के जोश भरे चेज़ की अगुवाई रोहित शर्मा के ज़बरदस्त शतक ने की, लेकिन बेथेल और सैम करेन के एक साथ टाइट स्पेल डालने से पारी की रफ़्तार धीमी पड़ गई। मैं असल में एक ओवर के लिए बाहर आया और बाज़ (मैकुलम) से बात की। सच कहूँ तो, यह बातचीत पर वापस आता है। ब्रूक ने कहा, इस पूरी सीरीज़ और टी 20 में यह शानदार रहा है। हमने जैकब (बेथेल) के साथ बने रहने का फैसला किया, और उसने लगातार सात या आठ ओवर फेंके। खैर, हमने लड़ाई लड़ी, हमने जितना हो सका उतना बचाया। यह कई बार मुश्किल था, लेकिन हमने काम पूरा कर लिया। जो रूट, जिन्होंने 99, 76 और 74 के स्कोर के लिए प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का अवॉर्ड जीता, का मानना था कि यह सीरीज़ इंग्लैंड के विकास में एक और कदम थी। मुझे लगता है कि जब आपको दुनिया की नंबर एक टीम को हराने और पहले गेम से उसी तरह वापसी करने का मौका मिलता है, जैसा हमने किया है, तो यह सबसे अच्छी बात होती है। उन्होंने आगे कहा, श्रीलंका के खिलाफ शानदार सीरीज़ जीतकर हमने आगे बढ़ना शुरू किया, और अब यह सीरीज़ जीतना, यह दिखाता है कि हम आगे बढ़ रहे हैं। यह दिखाता है कि हम सही दिशा में जा रहे हैं और वर्ल्ड कप में आगे बढ़ने के लिए हम बहुत पॉजिटिव तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। तो, बहुत सारे अच्छे संकेत हैं। योगदान देना और आखिरकार डेवलप करना अच्छा लगा, अच्छी टीम, यह बहुत अच्छा है कि हम बेहतर हो रहे हैं।

निवा बूपा बना ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स का ऑफिशियल हेल्थ इंश्योरेंस प्रिंसिपल पार्टनर

नयी दिल्ली (वार्ता)।

निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस ने ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के ऑफिशियल हेल्थ इंश्योरेंस प्रिंसिपल पार्टनर बनने की आज घोषणा की। इस साझेदारी के साथ ही कंपनी ने अपना ब्रांड अभियान - 'सेटबैक से कमबैक तक' शुरू किया, जो ऐसे व्यक्तियों की दृढ़ता का उत्सव मनाता है, जिन्होंने स्वास्थ्य संबंधी बाधाओं को पार कर दमदार वापसी की है। यह अभियान दृढ़ता, स्वास्थ्य सुधार और समग्र देखभाल के प्रति निवा बूपा के समर्पण का प्रतीक है।

मैचों में चोटिल हो रहे खिलाड़ियों की समस्या से निजात पाना होगा: गिल

लंदन (वार्ता)।

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा है 2027 एकदिवसीय विश्व कप का मजबूत दावेदार बनने के लिए टीम को मैच के दौरान चोटिल हो रहे खिलाड़ियों की समस्या से निजात पाना होगा। लॉर्ड्स में रविवार को तीसरे और आखिरी वनडे में हार के बाद गिल ने कहा कि एक समुह के तौर पर जिसमें खिलाड़ी और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) मेडिकल टीम शामिल है को आगे बढ़ते हुए फिटनेस सुधारने पर ध्यान देना होगा।मूल 15 सदस्यीय टीम के कई खिलाड़ियों के चोट के कारण उपलब्ध न होने के कारण भारत लॉर्ड्स में अपनी सर्वश्रेष्ठ प्लेइंग इलेवन नहीं उतार सका। उन्होंने कहा कि चोटों के कारण भारतीय थिंक टैंक को टीम कॉम्बिनेशन बदलने पर मजबूर होना पड़ा, कई

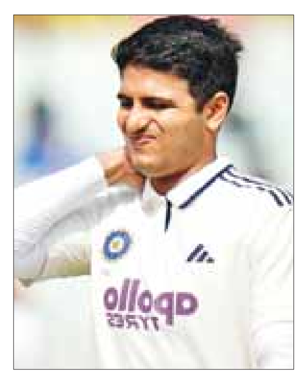

बार तो आखिरी पलों में भी बदलाव करने पड़े। उन्होंने कहा,अगर आप इंग्लैंड वनडे सीरीज़ के लिए घोषित की गई हमारी पहली टीम को देखें, तो उसमें से कम से कम पांच खिलाड़ी यह मैच नहीं खेल रहे थे। अगर एक खिलाड़ी चोटिल होता है तो आप दूसरे कॉम्बिनेशन पर विचार करते हैं, दो खिलाड़ी चोटिल होते हैं तो आप किसी और कॉम्बिनेशन को आजमाते हैं, लेकिन अगर हर मैच के बाद कोई न कोई खिलाड़ी बाहर हो रहा हो, तो कहीं न कहीं हम चूक कर रहे हैं। अगर आप विश्व कप को अपना लक्ष्य मानकर चल रहे हैं जहां हमें लगातार 11 मैच खेलने हैं, और यहां हमारे खिलाड़ी दो से तीन मैचों की सीरीज़ भी पूरी नहीं कर पा रहे हैं। तो यह एक बड़ी समस्या है जहां हमारे खिलाड़ी लगातार खेलने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं, वे एक या दो मैच खेलते हैं, उन्हें कोई छोटी चोट लग जाती है और फिर हमें एक अलग कॉम्बिनेशन के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ता है जिसकी हमने मूल रूप से योजना भी नहीं बनाई थी। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए यह थोड़ा मुश्किल हो जाता है कि आप सुबह मैदान पर आते हैं और आपको पता चलता है कि किसी खिलाड़ी को कोई समस्या है, तो यह लगभग ऐसा होता है कि क्या आप जोखिम उठाना चाहते हैं।

नौ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर जून में बढ़कर पांच प्रतिशत हुई

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश के नौ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर जून में बढ़कर पांच प्रतिशत पर पहुंच गयी है। यह जनवरी 2026 के बाद का उच्चतम स्तर है। इस साल मई में प्रमुख उद्योगों का सूचकांक 3.2 प्रतिशत और अप्रैल में 2.7 प्रतिशत बढ़ा था। वहीं, जून 2025 में सालाना वृद्धि दर 1.1 प्रतिशत रही थी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को पहली बार 2022-23 को आधार वर्ष बनाते हुए प्रमुख उद्योगों के आंकड़े जारी किये गये हैं। साथ ही, पहली बार लौह अयस्क को भी प्रमुख उद्योगों में शामिल किया गया है। पहले आठ प्रमुख उद्योगों के आधार पर ये आंकड़े जारी होते थे। अब यह संख्या बढ़कर नौ हो गयी है। जून में नौ में से पांच सेक्टरों में वृद्धि दर्ज की गयी है। इनमें लौह अयस्क, सीमेंट, बिजली, इस्पात और कोयला सेक्टर शामिल हैं। वहीं, प्राकृतिक गैस, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पादों और उर्वरक सेक्टरों में गिरावट रही। लौह अयस्क का सूचकांक एक साल पहले के मुकाबले 43.9 प्रतिशत ऊपर रहा। सीमेंट तथा बिजली क्षेत्रों में 9.8 प्रतिशत, इस्पात में 4.6 प्रतिशत और कोयला सेक्टर में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

रुपया छह पैसे टूटा

मुंबई (वार्ता)। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया सोमवार को छह पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 96.36 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा इससे पहले लगातार तीन दिन मजबूत हुई थी। पिछले कारोबारी दिवस पर यह 12 पैसे की बढ़त के साथ 96.30 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। कारोबारियों ने बताया कि विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) के भारतीय पूंजी बाजार में पैसा लगाने से रुपये को मजबूती मिली है। एफपीआई ने आज 56 करोड़ डॉलर से अधिक की शुद्ध लिवाली की। विशेष रूप से उन्होंने डेट में निवेश किया जिससे रुपये को समर्थन मिला। रुपया 23 पैसे की गिरावट में 96.53 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिन का निचला स्तर रहा। यह ऊपर 96.35 रुपये प्रति डॉलर तक जाने के बाद 96.36 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आज नरमी रही। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 0.34 प्रतिशत टूटकर 87.80 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इससे रुपये की गिरावट सीमित रही।

बिकवाली से लुढ़के शेयर बाजार

मुंबई (वार्ता)। निजी बैंकों तथा वित्तीय क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांकों में गिरावट रही। बीएसई के 30 शेयरों वाले संवेदी सूचकांक सेंसेक्स की शुरुआत 78,151.45 अंक पर पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही हुई। खुलते ही हालांकि यह लुढ़क गया। बीच कारोबार में एक बार यह 783 अंक तक गिर गया था। अंत में 442.93 अंक (0.57 प्रतिशत) टूटकर 77,708.52 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी-50 सूचकांक का ग्राफ भी लगभग इसी तरह रहा। यह 95.80 अंक यानी (0.39 प्रतिशत) उतरकर

24,238.50 अंक पर बंद हुआ। प्रमुख सूचकांकों के विपरीत वृहत बाजार में लिवाली का जोर रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.61 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.16 प्रतिशत ऊपर रहा। निजी बैंकों और वित्तीय क्षेत्रों की कंपनियों के अलावा आईटी तथा ऑटो सेक्टरों के सूचकांक भी लाल निशान में बंद हुए। सार्वजनिक बैंकों, फार्मा, स्वास्थ्य, रसायन, तेल एवं गैस, धातु, एफएमसीजी और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों के सूचकांक बढ़त में बंद हुए। एनएसई में जिन 3,390 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,778 कंपनियों के शेयर हरे निशान में और 1,501 के लाल निशान में रहे। अन्य 111 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 19 के शेयरों में तेजी रही। ट्रेंट का शेयर 2.98 फीसदी चढ़ा। पावरग्रिड में 1.82 प्रतिशत, भारती एयरटेल में 1.68, एनटीपीसी में 1.57, भारतीय स्टेट बैंक में 1.51, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.47, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.42, आईसीआईसीआई बैंक में 1.27 और सनफार्मा में 1.20 प्रतिशत की बढ़त रही। बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, आईटीसी, टेक महिंद्रा और अडानी पोर्ट्स के शेयर भी मजबूत हुए। नुकसान उठाने वालों में एक्सिस बैंक का शेयर 5.48 प्रतिशत लुढ़क गया।

डेंगू के पहले स्वदेशी टीके को मिली बाजार में उतारने की मंजूरी

नयी दिल्ली (वार्ता)।

डेंगू के पहले स्वदेशी टीके को बाजार में उतारने के लिए भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) की मंजूरी मिल गयी है। क्यूडेंगा नाम का यह टीका टाकेडा बायोफार्मास्युटिकल्स इंडिया ने बनाया है। डीसीजीआई ने न्यू ड्रग्स एंड क्लीनिकल ट्रायल्स (एनडीसीटी) नियम, 2019 के सीटी-20 प्रावधान के तहत चार से 60 वर्ष के लोगों में डेंगू की रोकथाम के लिए इस टीके को बाजार में उतारने की मंजूरी दी है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि क्यूडेंगा को मिली यह मंजूरी देश

में डेंगू की रोकथाम को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह देश में मंजूरी पाने वाला डेंगू का पहला टीका है। किसी को पहले डेंगू का संक्रमण हुआ हो या नहीं, उसे यह टीका लगाया जा सकता है। डेंगू मच्छरों के जरिये फैलने वाला एक वायरसजनित रोग है। दुनिया के 125 से अधिक देशों में यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। दुनिया में डेंगू के कुल मामलों का लगभग एक-तिहाई हिस्सा अकेले भारत में है। वर्ष 2025 में देश में डेंगू के 1.13 लाख से अधिक मामले दर्ज किये गये थे। अनुमान है कि इससे कहीं अधिक मामलों में बीमारी की पहचान नहीं हो पाती।

टाकेडा में इंटरकॉन्टिनेंटल मार्केट्स के प्रमुख महेंद्र नायक ने कहा, क्यूडेंगा के सात वर्षों के नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि यह टीका डेंगू संक्रमण और डेंगू के कारण अस्पताल में भर्ती होने के जोखिम से लगातार सुरक्षा प्रदान करती है। यह डेंगू के चारों वायरस सीरोटाइप पर प्रभावी है।

एयर इंडिया को डिजिटल लीडरशिप के लिए एयरलाइन स्ट्रैटेजी अवॉर्ड

नयी दिल्ली (वार्ता)।

देश की अग्रणी विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया को फ्लाइटग्लोबल ने एयरलाइन स्ट्रैटेजी अवॉर्ड फॉर डिजिटल लीडरशिप से सम्मानित किया है। फ्लाइटग्लोबल विमानन एवं एयरोस्पेस उद्योग की प्रतिष्ठित ब्रिटेन-आधारित समाचार एवं डेटा संस्था है। यह पुरस्कार एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन तथा मुख्य डिजिटल एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी सत्य रामास्वामी ने लंदन में आयोजित एक समारोह में प्राप्त किया। कार्यक्रम का आयोजन फ्लाइटग्लोबल ने प्रबंधन परामर्श कंपनी कॉर्न फेरी के सहयोग से किया था। टाटा समूह की कंपनी एयर इंडिया ने सोमवार को बताया कि एयरलाइन स्ट्रैटेजी अवॉर्ड विमानन क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कारों में से एक माना जाता है। यह विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट नेतृत्व और उपलब्धियों को सम्मानित करता है। पुरस्कार विजेताओं का चयन उद्योग विश्लेषकों, सलाहकारों और पूर्व एयरलाइन अधिकारियों सहित स्वतंत्र विशेषज्ञों के पैनल द्वारा किया जाता है। इस वर्ष इस पुरस्कार की एकमात्र विजेता एयर इंडिया रही। पिछले साल यूनाइटेड एयरलाइंस और रेयांग एयर ने सम्मान हासिल किया था। श्री विल्सन ने फ्लाइटग्लोबल से मिले इस पुरस्कार को गर्व की बात करार देते हुए कहा, यह सम्मान टाटा

समूह में वापसी के बाद एयर इंडिया द्वारा हासिल की गयी प्रगति का प्रमाण है और हमारे परिवर्तन अभियान को आगे बढ़ाने वाले सभी कर्मचारियों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारी डिजिटल पहलें ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने, कर्मचारियों को सशक्त बनाने और परिचालन उत्कृष्टता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। विमानन उद्योग की सबसे सम्मानित संस्थाओं में से एक द्वारा हमारी डिजिटल यात्रा के पैमाने, गति और प्रभाव को मान्यता मिलना हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। इससे हमारा यह विश्वास और मजबूत होता है कि तकनीक एयर इंडिया को विश्वस्तरीय वैश्विक एयरलाइन बनाने की हमारी महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी। श्री रामास्वामी ने कहा, आज डिजिटल तकनीकें, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), किसी भी एयरलाइन की परिचालन प्रणाली का अभिन्न और महत्वपूर्ण आधार बन चुकी हैं। टाटा समूह में वापसी के समय एयर इंडिया के पास केवल कुछ ही तकनीकी प्रणालियां थीं, लेकिन आज हमने 140 से अधिक आधुनिक डिजिटल प्रणालियों का व्यापक नेटवर्क तैयार कर लिया है। हमारे यात्री आज हमारी पुरस्कार विजेता मोबाइल ऐप सहित विश्वस्तरीय डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। वहीं कर्मचारियों को भी आधुनिक एंटरप्राइज सिस्टम और उपयोगकर्ता-अनुकूल इंटरफेस उपलब्ध कराये गये हैं।

गुरु पूर्णिमा पर प्रदेश में मनाया जाएगा महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने की गुरु पूर्णिमा महोत्सव आयोजन की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुरुजन सदैव पूजनीय है, वंदनीय हैं। गुरु ही हमें गु (अज्ञान के अंधकार) से रु (ज्ञान-विज्ञान की रश्मि/प्रकाश) की ओर ले जाते हैं। गुरु पूर्णिमा अपने गुरुजनों की सेवा, वंदना और उनका आशीर्वाद पाने का प्रमुख उत्सव है। उन्होंने कहा कि राष्टीय शिक्षा नीति - 2020 के उद्देश्यों को बढ़ावा देते हुए पुरातन भारतीय ज्ञान परम्परा तथा भारतीय गुरु-शिष्य परम्परा के आदर्शों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाली गुरु पूर्णिमा पर प्रदेशव्यापी महर्षि सांदीपनि श्रृद्धा पर्व का आयोजन किया जाये। इसमें स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा विभाग के साथ-साथ निजी शिक्षण संस्थानों तथा खेल, नाटक, चित्रकला, संगीत एवं अन्य कला संस्थानों की भी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवारको मध्यप्रदेश विधानसभा के समिति कक्ष क्रमांक-1 में आगामी गुरु पूर्णिमा महोत्सव के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अभी प्रदेश में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा चल रहा है। प्रदेश में जितने भी सांदीपनि विद्यालयों का लोकार्पण होना शेष है, उनका लोकार्पण गुरु पूर्णिमा से पहले करा लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि

सांदीपनि योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के गुरु थे। उन्होंने तत्समय अमीर और गरीब सभी छात्रों को विद्या दान देकर राष्ट्र भक्ति का परिचय दिया। वहीं देश में गुरुकुल शिक्षा पद्धति को व्यवस्थित करने में प्रभावी योगदान दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महर्षि सांदीपनि के जीवन चरित्र एवं गुरुकुल शिक्षा पद्धति के प्रसार में उनके वैशिष्ट्य और योगदान पर केंद्रित एक लघु पुस्तिका का प्रकाशन करायें और सभी विद्यालयों में वितरित करायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में गुरू-पूजन आयोजन किया जाये। इसमें स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाये। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष विद्यालयों में मनाये जाने वाले मित्रता दिवस पर श्रीकृष्ण-सुदामा के जीवन चरित्र के बारे में बताया जाये।

गुरू पूर्णिमा को जनभागीदारी का उत्सव बनाये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व को जनभागीदारी का उत्सव बनाया जाए, जिससे विद्यार्थियों और युवाओं में अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति आस्था सुदृढ़ हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के साथ-साथ निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को भी इस आयोजन से जोड़ने के निर्देश दिए। गुरु पूर्णिमा को सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाए, ताकि गुरु-शिष्य परम्परा का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचे और इसे नई पीढ़ी तक सशक्त रूप से पहुंचाया जा सके। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, कार्यक्रमों के स्वरूप तथा विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए दिशा निर्देश जारी

अपर मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन, संस्कृति एवं धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व श्री शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि गुरु पूर्णिमा (29 जुलाई) के दिन शैक्षणिक संस्थाओं में होने वाले कार्यक्रमों में सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा/चित्र पर माल्यार्पण, सरस्वती वंदना, गुरुजनों का स्वागत-सत्कार-सम्मान, व्याख्यान/उद्बोधन, छात्र-शिक्षक संवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी शैक्षणिक संस्थान विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए दिशा निर्देश जारी किए जा रहे हैं। सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में साहितियक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों द्वारा ही किए जायें, ऐसे निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि गुरु पूर्णिमा और महर्षि सांदीपनि श्रद्धा पर्व के आयोजन से समाज की भी सक्रिय सहभागिता के प्रयास किए जा रहे हैं।

बैठक में जनजातीय कार्य, लोक परिसंपत्ति प्रबंधन तथा भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री गौतम टेटवाल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन, सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल, मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी, संचालक संस्कृति एन.पी. नामदेव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

टैलेंट सर्च में एथलेटिक्स का दमदार आगाज

400 से अधिक खिलाड़ियों ने दिखाई रफ्तार और हुनर

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश के उभरते एथलीटों के लिए टैलेंट सर्च 2026-27 का पहला दिन उत्साह, ऊर्जा और प्रतिस्पर्धा से भरपूर रहा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा टी.टी. नगर स्टेडियम में आयोजित एथलेटिक्स चयन ट्रायल्स के पहले दिन लगभग 400 बालक एवं बालिका खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूरे दिन स्टेडियम में खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बना, जहां प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे युवा खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल से चयनकर्ताओं को प्रभावित करने का प्रयास किया। पहले दिन आयोजित चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों ने दौड़, लॉन्ग जंप, हाई जंप, पोल वॉल्ट, शॉटपुट सहित विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं में भाग लिया। प्रत्येक स्पर्धा में खिलाड़ियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन निर्धारित तकनीकी मानकों के आधार पर विशेषज्ञों द्वारा किया गया, ताकि उत्कृष्ट प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें विभाग की खेल अकादमियों एवं उच्च स्तरीय प्रशिक्षण से जोड़ा जा सके। टैलेंट सर्च 2026-27 केवल चयन प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। टैलेंट सर्च का उद्देश्य ऐसी खेल प्रतिभाओं की पहचान करना है, जिन्हें आधुनिक खेल सुविधाएं, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और अनुभवी प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन प्रदान कर उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में विकसित किया जा सके। टैलेंट सर्च अभियान के अंतर्गत अब तक जूडो, कुश्ती, बॉक्सिंग, फेंसिंग, शूटिंग, बैडमिंटन, टेनिस, कयाकिंग-कैनोइंग, स्लालॉम तथा घुड़सवारी सहित विभिन्न खेलों के चयन ट्रायल्स सफलतापूर्वक आयोजित किए जा चुके हैं। प्रत्येक खेल में खिलाड़ियों की उल्लेखनीय सहभागिता यह दर्शाती है कि मध्यप्रदेश के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह निरंतर बढ़ रहा है। एथलेटिक्स ट्रायल्स के पहले दिन भी खिलाड़ियों की बड़ी उपस्थिति ने अभियान को नई ऊर्जा प्रदान की। एथलेटिक्स चयन ट्रायल्स 21 एवं 22 जुलाई 2026 को भी टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल में आयोजित किए जाएंगे। टैलेंट सर्च 2026-27 के माध्यम से प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को पहचानने, संवारने और उन्हें उत्कृष्ट प्रशिक्षण उपलब्ध कराने का अभियान लगातार गति पकड़ रहा है।

कुआंखेड़ाबाजी में संदिग्ध परिस्थितियों में व्यक्ति की मौत

पटेरा (स्वतंत्र मत)

पटेरा विकासखंड के कुआंखेड़ा बाजी गांव में एक 42 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक के चेहरे पर सांप के काटने जैसे निशान मिलने से सर्पदंश से मौत की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार हल्के भाई पटेल 42 वर्ष पिता सुनके पटेल निवासी ग्राम कुआंखेड़ा बाजी अपने खेत स्थित कुएं के पास बेहोशी की हालत में पड़े मिले। परिजन उन्हें रविवार रात करीब 9 बजे उपचार के लिए सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मृतक के चेहरे पर सांप के काटने जैसे निशान दिखाई दिए जिससे प्रथम दृष्टया सर्पदंश की आशंका व्यक्त की जा रही है। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल से रविवार शाम को ही पुलिस थाने को सूचना भेज दी गई थी लेकिन सोमवार सुबह करीब 10 बजे तक कोई पुलिसकर्मी अस्पताल नहीं पहुंचा।

पेंशन हितग्राहियों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र दिए जाने की मांग

पथरिया (स्वतंत्र मत)। आजाद भारत पार्टी द्वारा अनुविगीय अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें मध्यप्रदेश भर में सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राही मारे-मारे फिर रहे है। चार माह से उनकी पेंशन नहीं मिली है। आजाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामरतन यादव का कहना है कि विश्वस्त सूत्रो से ज्ञात हुआ है कि सभी पेंशन हित ग्राहियों को डिजिटल जीवित प्रमाण पत्र देना अनिवार्य है। वृद्ध लोग सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में परेशान हो रहे है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन संघ के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप भाई एवं वारे लाल राठौर ने कहा कि प्रदेश सरकार दस दिवस के अन्दर यह प्रक्रिया पूर्ण नहीं करती और वृद्ध लोगो को पेंशन प्रदाय नहीं करती तो आजाद पेंशन हितग्राही संघ भूख हड़ताल करेंगे। ज्ञापकर्ता में मुन्ना राय, लक्ष्मी जैन, दिलीप भाई, वारेलाल राठौर मौजूद रहे।

दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण परीक्षण शिविर आयोजित

जबेरा (स्वतंत्र मत)

जनपद पंचायत जबेरा अंतर्गत सोमवार को मंगल भवन में दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क सहायक उपकरण परीक्षण एवं वितरण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिपं सीईओ प्रवीण कुमार फुलपगारे, सांसद प्रतिनिधि रूपेश सेन, वरिष्ठ भाजपा नेता मुलायम चंद्र जैन, नर्मदा प्रसाद राय, भाजपा जिला महामंत्री रानू नामदेव, जिला पंचायत सीईओ रामेश्वर पटेल तथा नायब तहसीलदार राजेश साहू सहित अन्य

जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में एडिप योजना के अंतर्गत कुल 258 पंजीयन प्राप्त हुए जिनमें से 74 दिव्यांगजनों को पात्र पाया गया। वहीं वयोश्री योजना के तहत 37 वरिष्ठ नागरिकों का चयन किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने एडिप योजना के अंतर्गत 23 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए। इनमें एक व्यक्ति को कृत्रिम हाथ, 10 लोगों को कृत्रिम पैर तथा 12 लोगों को कैलीपर प्रदान किए गए। शिविर के दौरान मेडिकल बोर्ड द्वारा 24 नए दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए गए तथा 10 दिव्यांग कार्डों का अद्यतन किया गया। कार्यक्रम में अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमराज सिंह, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी भरत नेमा, सहायक लेखाधिकारी किशोरी लाल सेन, प्रभारी लिपिक मनीष पटेल, सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, एलिम्को टीम, मेडिकल बोर्ड टीम, ग्राम पंचायतों के सचिव एवं रोजगार सहायक सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

नशे के विरुद्ध इंदौर पुलिस ने रचा इतिहास

8,534 लोगों की मानव श्रृंखला बनाकर बनाया विश्व रिकॉर्ड

इंदौर पुलिस ने अपना ही पूर्व रिकॉर्ड तोड़ा

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व तथा पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेश में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे व्यापक जनजागरूकता अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 को इंदौर में ऐतिहासिक जनसहभागिता मिली। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित विशाल जनजागरूकता कार्यक्रम में 8,534 विद्यार्थियों, सामाजिक संस्थाओं के सदस्यों, खिलाड़ियों, नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों, पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों एवं नागरिकों ने एक साथ मानव श्रृंखला बनाकर नशे के विरुद्ध विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया। इस उपलब्धि के साथ इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने नशे के विरुद्ध मानव श्रृंखला का अपना ही पूर्व विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पूर्व 7,100 लोगों की मानव श्रृंखला का रिकॉर्ड इंदौर पुलिस के नाम दर्ज था। इस बार 8,534 लोगों की सहभागिता ने न केवल नया कीर्तिमान स्थापित किया, बल्कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए इंदौर की सामूहिक प्रतिबद्धता को भी देश के सामने सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की ओर से एडिटर अपूर्वा मेनन एवं पलाश शुक्ला द्वारा इस उपलब्धि

का रिकॉर्ड पुलिस आयुक्त इंदौर संतोष कुमार सिंह को प्रदान किया गया।

एक आयोजन में दो रिकॉर्ड की दिशा में उपलब्धि

यह आयोजन केवल विशाल मानव श्रृंखला तक सीमित नहीं रहा। कार्यक्रम में 8,534 से अधिक लोगों को एक साथ नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए सामूहिक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस उपलब्धि के लिए भी विश्व रिकॉर्ड का दावा प्रस्तुत किया गया है। इस प्रकार इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने एक ही आयोजन में दो विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त इंदौर संतोष कुमार सिंह ने नशे के सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल पुलिस की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। परिवार, शैक्षणिक संस्थान, सामाजिक संगठन, प्रशासन और नागरिक जब एकजुट होकर प्रयास करते हैं, तभी नशामुक्त समाज का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने उपस्थित जनसमूह को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। प्रतिभागियों ने स्वयं नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं मित्रों को जागरूक करने तथा नशामुक्त इंदौर और नशामुक्त मध्यप्रदेश के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

समाज के हर वर्ग की रही सहभागिता

इस ऐतिहासिक आयोजन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रभारी एवं पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों के विद्यार्थी एवं शिक्षक, फिजिकल अकादमी के खिलाड़ी, मेडिकल कॉलेज के प्रशिक्षु चिकित्सक, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, नगर सुरक्षा समिति के सदस्य, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, मीडिया प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

नशामुक्त समाज के लिए जनआंदोलन बन रहा अभियान

मध्यप्रदेश में संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों, बस्तियों, सामाजिक संगठनों एवं समाज के विभिन्न वर्गों के बीच व्यापक जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान का उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। इंदौर का यह ऐतिहासिक आयोजन इस बात का सशक्त प्रमाण है कि जब पुलिस और समाज एकजुट होकर किसी सामाजिक बुराई के विरुद्ध खड़े होते हैं, तो जनजागरूकता एक प्रभावी जनआंदोलन का रूप ले सकती है।

भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ द्वारा राष्ट्रव्यापी आंदोलन का ऐलान

दमोह (स्वतंत्र मत)। भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ द्वारा डाक विभाग की अस्मिता की रक्षा और कर्मचारियों के अधिकारों के लिए एक व्यापक राष्ट्रव्यापी आंदोलन का बिगुल फूंक दिया गया है। इसी कड़ी में मप्र परिमंडल के सभी डाक संभागों और रेल डाक सेवा कार्यालयों में भी इस आंदोलन को पूर्ण शक्ति के साथ लागू करने का निर्णय लिया गया है। विभाग को बर्वादी से बचाने, विदेशी कंपनी मैकेन्जी के इशोर पर किए जा रहे निजीकरण के प्रयासों का पुरजोर विरोध करने तथा टारगेट के नाम पर कर्मचारियों पर बनाए जा रहे अनुचित मानसिक दबाव के खिलाफमहासंघ पूरी तरह लामबंद हो चुका है।

नाम सुधार सूचना

मैं महक अडनानी MAHEK ADNANI पिता श्री दीपक कुमार अडनानी निवासी- 23 फेस 1 अनंततारा मंडला रोड जबलपुर म.प्र. घोषणा करती हूँ कि मेरा पूर्व नाम MEHAK ADNANI की स्पेलिंग गलत दर्ज है वर्तमान नाम मेरा महक अडनानी MAHEK ADNANI सही है मेरे आधार कार्ड में भी मेरी सही स्पेलिंग दर्ज है कृप्या कर मुझे मेरे सही नाम महक अडनानी के नाम से जाना व पहचाना जावे ।

गलत नाम- MEHAK ADNANI

सही नाम
MAHEK ADNANI

सरनेम परिवर्तन

मैं श्रीमती गरिमा गोलछा, नया नाम, ये घोषणा करती हूं कि शादी के पूर्व मेरा पुराना नाम गरिमा लुनिया था, मेरी शादी श्री स्नेह गोलछा निवासी- पी.एच.-4, साकार सनराइस भैंसासुर रोड के पास जबलपुर (म.प्र.) से हुई है, शादी के बाद मेरा नाम गरिमा गोलछा हो गया है। जो मेरे आधार कार्ड में दर्ज है। भविष्य में मुझे श्रीमति गरिमा गोलछा के नाम से जाना पहचाना जावे ।

पुराना नाम- गरिमा लुनिया
Garima Lunia

नया नाम- गरिमा गोलछा
Garima Golchha

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 20/7/2024

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रिया शर्मा पटेल पति श्री सागर कुमार पटेल ने वार्ड क्रमांक 43 वार्ड का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भवन क्रमांक म.नं. 147 एफ एफ एन - 21 हाउसिंग बोर्ड कालोनी संपत्ति के पिन क्रमांक 1000447659 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित प्रथम तल 350 व.फु पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्री सतीश चंद्र झा पिता स्व. राजा राम का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 20/7/2024

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्रीमती सेवन्तिका कुमार जवाहर लाल (2) जवाहर लाल पिता श्रीलाल महतो ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 890/86 माँ नर्मदा नगर फेस-1 बिलहरी संपत्ति के पिन क्रमांक 1000386639 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 900 व.फु प्रथम तल 700 व.फु पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज (1) श्री दीपक सुखदान (2) श्री सुमित सुखदान पुत्र श्री राजेन्द्र सुखदान का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 20/7/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती आभा यादव पति श्री नागेन्द्र यादव ने वार्ड क्रमांक 43 वार्ड का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भवन क्रमांक म.नं. 131/एन 5 हाउसिंग बोर्ड कालोनी कांचघर संपत्ति के पिन क्रमांक 1000453574 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 470 व.फु पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज श्रीमती शशि झा पति श्री सतीश चंद्र झा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

खमरिया थाने का मामला, जांच में जुटी पुलिस

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खमरिया थाने में 24 वर्षीय सचिन कोल निवासी संजय किराना स्टोर्स के पास ग्राम वीरनेर ने सूचना दी कि उसका बड़ा भाई 28 वर्षीय अनिल कोल अपने घर से रात लगभग 9 बजे खाना खाकर कहीं चले गये थे जो घर नहीं आये । रात लगभग साढ़े दस बजे वह तथा गांव के अन्य लोंगो के साथ भाई की तलाश करते हुये वीरनेर खेरमाई मंदिर के पास नदी किनारे पहुंचा तो देखा की अनिल कोल पेड़ की डगाल में फांसी लगाकर मृत अवस्था में लटका था। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया।

हनुमानताल थाना क्षेत्र की घटना, जांच शुरू

ई रिक्शा ने युवक को मारी टक्कर, मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हनुमानताल थाने में 19 वर्षीय फैजान अरबाज निवासी टेढ़ीनीम ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह मोबाइल रिपेयरिंग का काम करता है बीती शाम अपने दोस्त फजल खान और मोहम्मद इरफान के साथ सिंधी केम्प से डुमना तरफ घूमने जा रहा था। मथुरा सेठ की बाड़ी मेन रोड डिवाईडर के पास पहुंचा जहां ई रिक्शा का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये एक अज्ञात व्यक्ति को टक्कर मार दिया। जिससे अज्ञात व्यक्ति के दोनों हाथ पैर सिर एवं शरीर में चोट आयी। वह अपने दोस्तों के साथ उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल लेकर गया जहां डाक्टर ने चैक कर 30 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया।

पांचों शवों को रखकर हाईवे पर चक्काजाम

सुनियोजित हत्या के आरोप

हाइवा की टक्कर से हुई थी 5 युवकों की मौत

एक की हालत गंभीर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर-भोपाल नेशनल हाईवे-45 पर रविवार को हुए भीषण हादसे के बाद सोमवार को मृतकों के परिजनों ने शवों को रखकर चक्काजाम कर दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने इसे सामान्य सड़क दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए सुनियोजित हत्या बताया। उनका आरोप था कि घटना के कई बाद भी पुलिस फरार हाइवा और उसके चालक का पता नहीं लगा सकी। सूचना मिलते ही सुआतला थाना पुलिस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। इधर अधिकारियों ने परिजनों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए तथा निष्पक्ष जांच और आरोपी की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद ही परिजन माने और जाम समाप्त कराया गया।

ये है पूरा मामला- जानकारी के मुताबिक जबलपुर के पावला क्षेत्र के निवासी 20 वर्षीय वीरेंद्र लोधी, 21 वर्षीय रामपाल सिंह लोधी, 30 वर्षीय जयपाल सिंह लोधी, और 25 वर्षीय नीरज सिंह लोधी, 24 वर्षीय आकाश सिंह लोधी और राजेंद्र पटेल ये सभी दोस्त हाथीनाला वॉटरफॉल में पिकनिक मनाकर लौट रहे थे। शाम करीब 6 बजे इंदिरा नगर के पास हाईवे किनारे रुककर सेल्फी लेने लगे। इसी दौरान तेज रफ्तार हाईवा ने उन्हें टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में सभी पांचों दोस्त की मौत हो गई। वहीं आकाश सिंह लोधी की हालत गंभीर बनी हुई है।

जांच में जुटी पुलिस

इस घटना के बाद हाईवा का चालक अब तक फरार बताया जा रहा है। जिसकी गिरफ्तारी को लेकर मृतकों के परिजनों ने सोमवार को चक्काजाम कर दिया। शव रखकर किए गए प्रदर्शन के चलते भोपाल-जबलपुर नेशनल हाईवे पर करीब तीन घंटे तक यातायात पूरी तरह ठप रहा। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हालात को देखते हुए भारी पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। इधर सुआतला थाना पुलिस फरार हाइवा और उसके चालक की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि परिजनों के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए मामले की सड़क दुर्घटना और हत्या, दोनों पहलुओं से गहन जांच की जा रही है।

करंट लगने से आउटसोर्स कर्मी की मौत पर आयोग ने लिया संज्ञान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पाटन तहसील में गत 27 जून को 11 केवी विद्युत लाइन का डीओ फ्यूज लगाने के लिए धर्मेंद्र मेहरा नामक आउटसोर्स कर्मी को डीपी (डिस्ट्रिब्यूशन ट्रांसफार्मर) के ऊपर चढ़ाया गया था। इसी दौरान वह अचानक तेज करंट की चपेट में आ गया और लगभग 15 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गया। इस भीषण हादसे में कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई है। उसे इलाज के लिए तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत अभी तक गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि यह खतरनाक कार्य ग्रामीण सर्किल के अधीक्षण अभियंता के निर्देश पर आउटसोर्स कर्मी से कराया जा रहा था। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा के अनुसार, मीडिया में आई खबरों के आधार पर इस घटना को जनहित में संज्ञान में लिया गया है। आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में मामले की सुनवाई करते हुए अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकल पीठ ने इसे प्रथम दृष्टया मानवाधिकारों के हनन का गंभीर मामला माना है। आयोग ने सुरक्षा मानकों में लापरवाही और कर्मचारी के जीवन को संकट में डालने पर कड़ी नाराजगी जताई है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर जमकर हुआ प्रदर्शन

भारी बारिश के बीच युवाओं ने बैनर-पोस्टर लेकर जमकर की नारेबाजी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शिक्षा व्यवस्था पारदर्शिता लाने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर दिल्ली में अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक के समर्थन में जबलपुर के मालवीय चौक पर सोमवार को युवाओं और छात्र संगठनों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन सोनम वांगचुक के समर्थन तथा शिक्षा व्यवस्था पारदर्शिता लाने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित किया गया। प्रदर्शन के दौरान भारी बारिश का दौर जारी रहा, लेकिन इसके बावजूद भारी संख्या में पहुंचे युवाओं ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर नारेबाजी की।

पुलिस की कार्यवाही पर उठाए सवाल

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने कहा कि आज़ादी के 75 साल होने के बावजूद, अपनी जायज़ मांगों को पूरा करवाने के लिए सोनम वांगचुक को 19 दिनों तक भूख हड़ताल पर बैठना पड़ रहा है। आज पूरे देश का युवा सड़कों पर है, लेकिन सरकार की कोई जवाबदेही नहीं है। उन्होंने मांग है कि शिक्षा व्यवस्था और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता लाई जाए और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तुरंत इस्तीफा दें। इधर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने दिल्ली में हुई पुलिस कार्यवाही और संसद घेराव के दौरान हुए लाठीचार्ज तथा आंसू गैस के गोलों को लेकर सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि पढ़े-लिखे युवाओं पर इस तरह की दमनकारी नीतियां अपनाना अंग्रेजों के शासन की याद दिलाता है।

सरकार को दमन करने के बजाय छात्रों से सीधा संवाद स्थापित करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बारिश हो या कोई भी मौसम, संघर्ष जारी रहेगा। युवा अपने अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्थिति में सड़कों पर डटे रहेंगे।

गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों पर हुई जमकर चालानी कार्यवाही

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशों के पालन में सोमवार को संभाग क्रमांक 13 के अंतर्गत शास्त्री ब्रिज एवं तीन पत्ती चैक से लेकर यातायात चौक तक स्वच्छता एवं व्यवस्था अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने, प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने, दुकानों के बाहर अतिक्रमण करने तथा बिना वैध लाइसेंस व्यापार करने वाले 16 दुकानदारों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही कर स्पॉट फाइन के रूप में 16,200 रूपये का जुर्माना वसूला गया। नगर निगम का यह कदम न केवल नियमों का उल्लंघन करने वालों पर अंकुश लगाएगा, बल्कि आम नागरिकों और व्यापारियों को भी अपनी दुकानों व आस-पास का वातावरण स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करेगा।

बरगी घूमने गए पर्यटकों को लुटेरों ने बनाया निशाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरगी थाने मे 23 वर्षीय कमोद आर्मो निवासी ग्राम टींगन ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने दोस्त प्रदोश यादव एवं भांजी सुषमा मरावी के साथ बाइक से बरगी डैम घूमने आया था, रास्ते में चार अज्ञात लडके आकर बोले यहॉ क्या कर रहे हो, तो उसने कहा की घूमने आये तो चारों उसके साथ मारपीट करने लगे तथा जेब में रखे 3 हजार रूप्ये एवं उसका मोबाईल तथा भांजी सुषमा का मोबाईल छीनकर भाग गये। मारपीट से उसे चेहरे मे चोट आ गयी। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

दूषित जलापूर्ति की शिकायतों पर तुरंत एक्शन लें: निगमायुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निगमायुक्त ने अधिकारियों के साथ एक अहम समीक्षा बैठक की। बैठक में लोककर्म, जल प्रदाय, विद्युत व्यवस्था और सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों पर विस्तृत चर्चा की गई। निगमायुक्त ने स्पष्ट लहजे में अधिकारियों को फील्ड में उतरकर काम करने और क्षेत्रीय पार्षदों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ किया कि विकास कार्यों में किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निगमायुक्त ने कहा कि नागरिकों को स्वच्छ और निर्बाध पानी की सप्लाई करना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके साथ ही उन्होंने जल संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए भविष्य के लिए जल स्त्रोतों को सुरक्षित करने की बात कही। जल प्रदाय विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे पानी के लीकेज और दूषित जलापूर्ति की शिकायतों पर तुरंत एक्शन लें। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित मामलों को लेकर निगमायुक्त बेहद गंभीर नजर आए। उन्होंने अधिकारियों से दो टूक कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान केवल कागजों पर नहीं, बल्कि शिकायतकर्ता की संतुष्टि और उनके सकारात्मक फीडबैक के साथ होना चाहिए। अंत में, लोककर्म विभाग की समीक्षा करते हुए आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने पर जोर दिया।

विशाल मानव श्रृंखला बनाकर विद्यार्थियों ने दिया संदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में सोमवार को पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत नशामुक्त भारत अभियान का आयोजन किया गया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, पुलिस तथा स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विशाल मानव श्रृंखला बनाकर आमजन को नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 14446 एवं 1933 का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए नशामुक्त मित्र बनाए गए। इसके साथ ही ग्वारीघाट थाना एवं नवज्योति नशा मुक्ति केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

मोबाइल हैक कर मांगे रूपए

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खमरिया थाने में 55 वर्षीय कल्पना श्रीवास्तव निवासी वेस्टलेंड खमरिया ने शिकायत करते हुए बताया की दोपहर को उसके भाई रजनीकांत वर्मा के व्हाटसएप नम्बर से उसे मैसेज आया जिसमें लेख था कि मेरी यूपीआईडी नहीं चल रही है, 55 हजार रूपये यूपीआई कर दो। उसने 30 हजार रूपये एवं 25 हजार रूपये, कुल 55 हजार रूपये पेटीएम से आनलाईन ट्रांसफर कर दिये थे। फिर भैया को कॉल किया जो लगभग 10-15 मिनिट तक उनसे मोबाइल पर सम्पर्क नहीं हुआ कुछ देर बाद भाई का कॉल आया जो बताये कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनका मोबाइल हैक कर रिश्तेदारों व दोस्तों से पैसे मांग लिये है। इस प्रकार किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके भाई का मोबाइल हैक कर उसका भाई बनकर उसे मैसेज कर उससे धोखाधड़ी करते हुये 55 हजार रूपये आनलाईन यूपीआई करवा लिये।

घर लौट रहे युवक के साथ हुई लूट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भेड़ाघाट थाने में दोपहर को 35 वर्षीय सचिन माली निवासी सिंगपुर गंजन देवरी सागर वर्तमान पता चौकीताल ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह चौकीताल से रोज अपनी हीरो होण्डा बाइक क्रमांक एमपी 20 के एम 1589 से आना जाना करता है। बीती रात दुकान बंद कर चौकीताल आ रहा था। हालीडे होटल के पास पहुँचा तभी बाइक में तीन लड़के आये ओर उसके आगे आकर रूकने के लिये कहने लगे, वह रूका तो एक लड़के ने उसे पकड़ लिया तथा 2 लड़के ने हाथ में पहने हुये चांदी के कड़े जेब में रखा वीवो कम्पनी का मोबाइल तथा 800 रूपये जबरदस्ती छीन लिये तथा उसे धक्का देकर गिरा दिया एवं उसकी बाइक भी छीनकर भाग गये। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

छात्राओं ने सीखे जीवन रक्षक कौशल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मानसून पूर्व तैनाती के तहत 11वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम द्वारा नगर निगम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालयए में विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कमांडिंग ऑफिसर अनूप सिंह बिष्ट के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक रेखा कुमारी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों

एवं शिक्षकों को आपदाओं के प्रति जागरूक करना तथा प्राथमिक उपचार व सीपीआर जैसे जीवन रक्षक कौशलों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना था। एनडीआरएफ की टीम ने आपातकालीन निकासी और बचाव तकनीकों का सजीव प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ शैलेंद्र पांडेय सहित विद्यालय स्टाफ और एनडीआरएफ के बचाव कर्मी उपस्थित रहे।

प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने विद्यार्थियों ने निभाई अपनी जिम्मेदारी

हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवताल में हुआ प्रेरणादायी पौधारोपण अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पर्यावरण संरक्षण, हरित भविष्य और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देने के उद्देश्य से हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, देवताल में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत भव्य पौधा

रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य, उपप्राचार्य, शिक्षकगण एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए। इस अवसर पर विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तथा प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में वृक्षों की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का आह्वान- विद्यालय के प्राचार्य रजनीश श्रीवास्तव ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को शुद्ध नहीं करते, बल्कि मानव जीवन के लिए ऑक्सीजन, छाया, फल तथा प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उप प्राचार्य राजीव तिवारी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान की भावना पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाने तथा उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी शिक्षकों ने अपनी-अपनी माताओं के सम्मान में एक पेड़ माँ के नाम पौधारोपण किया तथा उसकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। विद्यार्थियों ने भी पूरे उत्साह और समर्पण के साथ वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर प्राचार्य रजनीश श्रीवास्तव, उपप्राचार्य राजीव तिवारी, चंद्रशेखर खम्परिया, रोहित द्विवेदी, निरंजन श्रीवास्तव, संजय पांडे, समता पांडे, वंदना द्विवेदी, नीतू साहू, अर्चना स्वामी, प्रिया श्रीवास्तव, अभिलाषा उपाध्याय एवं दुर्गेश चौरसिया सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**